शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

डीके जिला भाजपा अध्यक्ष, विधायकों ने यू टी खादर से पद छोड़ने का किया... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 07 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-125

सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक किया जजों का सम्पत्ति का ब्यौरा

साख पर संकट से उबरने का प्रहसन

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज के यहां नोटों के जखीरे की बरामदगी की सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई लीपापोती से घबरा कर सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने का प्रहसन खेलना शुरू किया है। ताकि असली मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का प्रचार किया जा रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि 33 जजों में से केवल 21 जजों की सम्पत्ति का ब्यौरा ही लोग देख पा रहे हैं। बाकी जजों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट को सौंपा है, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस पर सवाल उठ रहे हैं। वेबसाइट पर सुप्रीम कोर्ट के जजों की सम्पत्ति सार्वजनिक किए जाने से दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से मिले अकूत धन पर एफआईआर दर्ज नहीं करने और मामले को रफा दफा करने की हरकतों पर देश में चल रही चर्चा में कोई कमी नहीं आई है।

वेबसाइट में सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्त होने वाले जजों के नाम, अनुभव, उनकी नियुक्ति की समेत उनका किसी पहले से सेवा दे रहे जज के साथ रिश्ते आदि की जानकारी भी सार्वजनिक की है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसने न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। यह जानकारी न्यायालय के उस फैसले को देखते हुए लिया गया है जिसमें सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक डोमेन में लाने की बात कही गई है, हालांकि वेबसाइट पर 33 में से केवल 21 जजों की जानकारी ही देखी

33 जजों में से केवल 21 जजों का ब्यौरा सार्वजनिक क्यों?

जज वर्मा के घर से मिले नोटों की लीपापोती पर चुप्पी क्यों?

जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत ने 1 अप्रैल 2025 को निर्णय लिया था कि न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण इस न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड करके सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा। न्यायाधीशों की सम्पत्ति का विवरण जो पहले से उपलब्ध है, उसे अपलोड किया जा रहा है। बाकी जजों की जानकारी मिलने पर अपलोड की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी दी है जिसमें राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से मिलने वाला इनपुट और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के रोल के बारे में बताया गया है। इसका मकसद पारदर्शिता लाना और जनता को जागरूक बनाना है। इसमें 9 नवंबर 2022 से अब तक हाईकोर्ट के जजों की नियुक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जो प्रस्ताव रखा था उसे अपलोड किया गया है। कॉलेजियम ने 221 नामों की सिफारिश पिछले ढाई साल में की थी। इनमें से 29 उम्मीदवारों के नामों को सरकार ने मंजूरी दी।

इसमें ओबीसी 21, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 7, एससी 7 और एसटी 5 शामिल हैं। इसमें जानकारी दी गई है कि कोई भी उम्मीदवार किसी रिटायर्ड या मौजूदा सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जज का रिश्तेदार या परिवार तो नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जिन नामों की सिफारिश की थी उनमें से 11 जजों में 6 के पिता, 3 के रिश्तेदार और 1-1 के भाई या ससुर पूर्व में या वर्तमान में जज हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की सम्पत्ति के सार्वजनिक ब्यौरे में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की सम्पत्ति की जानकारी भी शामिल है। खन्ना की सम्पत्ति में 55 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट और 1 करोड़ रुपए का पब्लिक प्रोविडेंट फंड शामिल है। 14 मई को मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालने जा रहे जस्टिस बीआर गवई के बैंक अकाउंट में 19.63 लाख रुपए और पीपीएफ खाते में 6.59 लाख रुपए हैं। साथ ही उनकी सम्पत्ति में साउथ दिल्ली में दो बेडरूम का डीडीए फ्लैट और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में चार बेडरूम का फ्लैट शामिल है। गुरुग्राम में चार बेडरूम के फ्लैट में भी उनकी 56 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी बेटी के पास बाकी 44 फीसदी हिस्सा है। ▶10पर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई पाकिस्तान की फजीहत

पहलगाम हमले पर जवाबदेही तय करे पाकिस्तान

न्यूयॉर्क, 06 मई (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ पाकिस्तान का हर पैंतरा उल्टा उसी पर भारी पड़ रहा है। ताजा मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का है, जहां पाकिस्तान मदद मांगने गया था, लेकिन सुरक्षा परिषद ने उल्टे पाकिस्तान को ही लताड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान से ही मुश्किल सवाल पूछे और पहलगाम आतंकी हमले पर जवाबदेही तय करने को कहा। इस तरह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी।

सोमवार को बंद दरवाजे के पीछे हुई यूएनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने सोचा था कि वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाकर भारत पर दबाव बना लेगा, लेकिन यूएनएससी में पाकिस्तान उल्टा फंस गया और सदस्यों ने उसे जमकर खरी खोटी सुनाई। यूएनएससी की बैठक में सदस्यों ने पाकिस्तान से पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर ए तैयबा का हाथ है या नहीं? पाकिस्तान यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि भारत पहलगाम आतंकी हमले की आड़ में उस पर हमला करना चाहता है। सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान के इस बनावटी तर्क को खारिज कर दिया और उल्टे पहलगाम हमले में लश्कर ए तैयबा की भूमिका पर ताबड़तोड़ कई सवाल पूछ लिए। संयुक्त राष्ट्र परिषद की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई और इसकी जवाबदेही तय करने की भी मांग की गई। कुछ सदस्यों ने खासकर इस बात पर सवाल उठाए कि पहलगाम में पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर निशाना बनाया गया। इसकी भी सदस्यों ने कड़ी निंदा की।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया गया है। सुरक्षा परिषद के कई सदस्यों ने इस पर भी गहरी नाराजगी जताई और

सदस्यों के सवालों का कोई जवाब नहीं दे सका पाकिस्तान

इसे पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई बताया। पाकिस्तान की कोशिश थी कि मामले को सुरक्षा परिषद में उठाकर इसका अंतरराष्ट्रीयकरण किया जाए और भारत पर दबाव बनाया जाए कि वह सैन्य कार्रवाई न करे, लेकिन उसकी यह कोशिश धरी की धरी रह गई और सुरक्षा परिषद ने ही पाकिस्तान को सलाह दी कि वे भारत के साथ मिलकर द्विपक्षीय तरीके से मुद्दे को सुलझाए।

गौरतलब है कि पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर स्थायी सदस्य है। भारत फिलहाल सुरक्षा परिषद का हिस्सा नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान ने सोचा था कि वह भारत की गैरमौजूदगी में सुरक्षा परिषद में अपना एजेंडा चलाने में वह सफल रहेगा क्योंकि उसके आरोपों पर जवाब देने के लिए भारत यूएनएससी का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह भारत की बढ़ती कूटनीतिक अहमियत का उदाहरण है कि भारत की गैरमौजूदगी में भी पाकिस्तान का एजेंडा नहीं चला और बाकी सदस्य देशों ने पाकिस्तान को ही घेर लिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की कोशिश पूरी तरह नाकाम रही, क्योंकि उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई समर्थन नहीं मिला। ▶10पर

केंद्रीय गृह सचिव ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बात की

युद्ध से बचाव के लिए देशभर में मॉक ड्रिल की तैयारी

आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा का अभ्यास आज

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के सायरन, आम जनता को सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) से जुड़ी ट्रेनिंग देना, ब्लैकआउट उपाय, जरूरी ठिकानों की कैमोफ्लाज (छिपाने की व्यवस्था) और इवैक्यूएशन (निकासी) प्लान का अभ्यास किया जाएगा। 7 मई को देशभर में होने वाली सुरक्षा मॉक ड्रिल को लेकर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने अहम बैठक की।

बैठक में डीजी, सिविल डिफेंस और डीजी, एनडीआरएफ समेत कई उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच हुई इस बैठक में गृह मंत्रालय के सबसे वरिष्ठ अधिकारी से सिविल डिफेंस तंत्र को मजबूत करने की तैयारियों की समीक्षा की गई। देशभर के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस के प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। ▶10पर

तस्लीमा नसरीन का बेबाक बयान

जब तक इस्लाम है दुनिया में आतंकवाद रहेगा

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। बांग्ला लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस्लामिक कट्टरवाद पर करारा प्रहार करते हुए कहा है कि जब तक दुनिया में इस्लाम रहेगा, आतंकवाद खत्म नहीं होगा। महिलाएं असुरक्षित रहेंगी और गैर इस्लामिक लोगों के साथ भेदभाव होता रहेगा

महिलाएं खतरे में रहेंगी, बच्चे मरते रहेंगे

बांग्लादेश से निर्वासित और भारत में शरण लेने वाली लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस्लाम और आतंकवाद का कनेक्शन जोड़ा है। उनका कहना है कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद भी जिंदा रहेगा। गैर-मुसलमानों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, स्वतंत्र विचारकों और तर्कवादियों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, महिलाओं को कोई सुरक्षा ▶10पर

पाकिस्तान की आर्थिक रीढ़ तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकी हमले का कुचक्र रच कर पाकिस्तान बुरी तरह फंस गया है। भारत के एक के बाद एक सख्त कदमों ने उसकी मुश्कें कसनी शुरू कर दी हैं। सिंधु का पानी रोकने के बाद उसके यहां हाहाकार मचने लगा है, आपस में लोग सिर फोड़ रहे हैं। कूटनीतिक स्तर पर दुनिया के 80 फीसदी से ज्यादा देश पाकिस्तान को दुत्कारते हुए भारत के पाले में आ खड़े हुए हैं। भारत अब पाकिस्तान की एक और लगाम कसने जा रहा है। पाकिस्तान इससे घबराया हुआ है। सिंधु जल संधि निरस्त करने के बाद अब भारत ने पाकिस्तान को मिलने वाले कर्जे का स्रोत बंद करना शुरू किया है। भारत सरकार की इस बारे में इटली और एशियन डेवलपमेंट बैंक से बात भी हो चुकी है।

इटली और एशियन डेवलपमेंट बैंक से हुई वित्त मंत्री की वार्ता

एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में पाक को शुमार रखने की भी पहल

पाकिस्तान बचने के लिए रणनीतियां तो बना रहा है लेकिन उसके यहां अराजकता का माहौल है, विश्वसनीयता की कमी है और देश के लिए कुछ करने की भावना किसी नेता में नहीं है, वे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं। भारत के सख्त कदमों का उसके पास कोई तोड़ नहीं है। भारत ने उसकी आर्थिक नाकेबंदी के लिए इटली और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पाकिस्तान को दिए जाने वाले अनुदान को रोक देने की बात की है। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के मिलान में चल रही एडीबी की 58वीं सालाना बैठक के दौरान इटली के वित्त मंत्री जियान कार्लो जियोर्जेटी से इस विषय पर बात की। बैठक में सीतारमण ने कहा कि इटली पाकिस्तान में अपने वित्तीय सहयोग और परियोजनाओं पर रोक लगा दे तो बेहतर होगा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी और इटली का विकास कोऑपरेशन पाकिस्तान में कई जगह काम कर रहे हैं और उस देश में अनेक परियोजनाओं में पैसा लगा रहा है। ▶10पर

दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को नहीं मिलेगा मुफ्त राशन

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले के तहत रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त राशन की सरकारी योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें फ्री-बिजली भी नहीं मिलेगी। दिल्ली सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिल्ली सरकार ने सरकारी योजनाओं में हो रही धांधली से बचने के लिए यूनिफाइड डेटा हब बनाने जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों का एक रिकॉर्ड बनाना है। ▶10पर

बाहर निकाले जाने तक फ्री बिजली भी नहीं मिलेगी

शेयर मार्केट

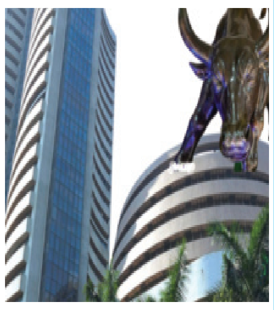

बीएसई : 80,641.07
-155.77 -0.19% ↓
एनएसई :24,379.60
-81.55 (-0.33%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर जताई नाराजगी

राहुल गांधी कहां के नागरिक? 10 दिन में बताए मोदी सरकार

प्रयागराज, 06 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर पूछे जा रहे सवालों पर सधी केंद्र सरकार की चुप्पी पर हाईकोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि इसकी पूरी जिम्मेदारी भारत सरकार पर है। भारत सरकार अगर इस बारे में शीघ्र जवाब नहीं देती है तो इसे कोर्ट की अवमानना मानी जाएगी।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में जल्द से जल्द अंतिम निर्णय ले और याचिकाकर्ता को राहुल गांधी की नागरिकता के बारे में सूचित करे। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि यह दो सरकारों के बीच जुड़ा विषय है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर केंद्र सरकार की तरफ से कोई अंतिम निर्णय लिया जाता है तो याचिकाकर्ता फिर से हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि अब पूरी जिम्मेदारी भारत सरकार पर है। भारत सरकार अगर इसमें फैसला नहीं लेती है तो इसे कोर्ट की अवमानना का मामला माना जाएगा। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दाखिल याचिका फिलहाल निस्तारित कर दी है, लेकिन याचिकाकर्ता के लिए दोबारा हाईकोर्ट आने का रास्ता साफ रखा है।

याचिकाकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठाए थे और इस मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की

राहुल गांधी की नागरिकता पर पर्दा डाल रही है मोदी सरकार

मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास यूनाइटेड किंगडम (यूके) की नागरिकता है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं, जो दर्शाते हैं कि गांधी ब्रिटिश नागरिकता रखते हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया था कि गांधी की दोहरी नागरिकता के बारे में उन्होंने दो बार सक्षम प्राधिकारी को शिकायत भेजी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर यह मौजूदा याचिका दाखिल की गई है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक साथ भारतीय और किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं रख सकता। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर ऐसी ही याचिका दाखिल की थी। हालांकि, न्यायालय ने कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पीठ के समक्ष दायर याचिकाओं पर स्पष्टता मिलने के बाद वह मामले की सुनवाई करेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश एआर मसूदी और राजीव सिंह की खंडपीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह जल्द से जल्द इस मामले में अंतिम फैसला ले और याचिकाकर्ता को सूचित करे। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर केंद्र सरकार फैसला नहीं लेती, तो इसे कोर्ट की अवमानना माना जाएगा। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द की जाए और सीबीआई इसकी जांच करे। उन्होंने कहा कि दोहरी नागरिकता भारतीय संविधान, भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट एक्ट का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने दो बार गृह मंत्रालय को शिकायत भेजी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उल्लेखनीय है कि भारत का संविधान किसी व्यक्ति को एक ही समय में भारतीय नागरिकता और विदेशी नागरिकता दोनों रखने से रोकता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग में पुणे ने रचा नया इतिहास, जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ रही उपविजेता

फाइनल में पुणे की दमदार बल्लेबाजी, फ्यूचरा जेएसपीएल को 21 रनों से हराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में आयोजित जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 के चौथे दिन रोमांच अपने चरम पर रहा। इस खेल प्रतियोगिता में पूरे भारत से जीतो के 7 जोन से, 24 चैप्टर की टीमों के बीच 55 मैच का मुकाबला हुआ, जिसमें लगभग 360 से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता रही। जीतो ने इस खेल प्रतियोगिता द्वारा नया इतिहास रचा। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में ध्वजारोहण के बाद विधिवत रूप से नवकार महामंत्र एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतिष्ठित प्रायोजकों में शीर्षक प्रायोजक जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल, प्रस्तुतकर्ता सी बी भंडारी जैन कॉलेज (के. आर. रोड), जर्सी प्रायोजक प्रोजेन रिन्यूएबल्स लिमिटेड, पवेलियन प्रायोजक मल्टी स्टार ग्रुप, टॉस का बॉस प्रायोजक लक्ष्मी डायमंड्स, पोषण प्रायोजक नाकप्रो, कैप प्रायोजक जैनडायरेक्ट तथा किट प्रायोजक जीतो एपेक्स स्पोर्ट्स टीम शामिल हैं। इन सभी का सहयोग इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रहा, सभी प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया गया। चार टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ग्राउंड नंबर 2 (तनिष्क ग्राउंड) पर सेमीफाइनल मुकाबला वापी और फ्यूचरा जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ टीम के बीच खेला गया, जिसमें जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन के दम पर मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत में अमित कुमार के अहम यो-गदान को देखते हुए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया और रजत सिक्के से सम्मानित किया गया। मल्टीस्टार ग्राउंड के ग्राउंड नंबर 1 पर खेले गए एक सेमीफाइनल मुकाबले में पुणे और बेंगलूरु 1 टीम आमने-सामने हुईं, जिसमें बेंगलूरु 1 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन पुणे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में पुणे का सामना फ्यूचरा जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ से हुआ, जहां पुणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 125 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलूरु नॉर्थ की टीम 104 रन ही बना सकी और इस तरह पुणे ने शानदार जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबला भी मल्टीस्टार ग्राउंड पर पुणे और फ्यूचरा जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ टीम के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पुणे टीम ने 21 रनों से जीत हासिल कर जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। इस प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब पुणे की ओर से खेलने वाले ऋषभ बंबोली को मिला, जिन्होंने 7 मैचों में कुल 205 रन बनाए। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब फ्यूचरा जेएसपीएल के आयुष कोठारी को दिया गया, जिन्होंने 14 विकेट लेने के साथ-साथ 104 रन भी बनाए। सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार गोवालिया टैंक टीम के तृशंक जैन को मिला, जिन्होंने 12 डिसमिसल किए। फेयर प्ले टीम का सम्मान पुणे को मिला। प्रतियोगिता में फ्यूचरा जेएसपीएल उपविजेता रही, जबकि विजेता की ट्रॉफी पुणे टीम ने अपने नाम की। इस अवसर पर जीतो एपेक्स स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के वाइस चेयरमैन कमल पुनमिया, दिनेश बाफना, जीतो बेंगलूरु साउथ के वाइस चेयरमैन महेंद्र जियानी, महेन्द्र रांका, राजेंद्र दांतेवाड़िया, राजकुमार कोठारी, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, जीतो बेंगलूरु साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया, बेंगलूरु नॉर्थ के कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, सह-कोषाध्यक्ष किशोर कर्नावत, बेंगलूरु साउथ के कोषाध्यक्ष नेमचंद चोपड़ा, सह-कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया, नरेंद्र सकलेचा, बेंगलूरु नॉर्थ के मंत्री अशोक भंडारी, मदन मुणोत, पंकज बालर, प्रीतेश जैन, बेंगलूरु साउथ के मंत्री कोमल भंडारी, प्रतिक गांधी एवं मैनेजिंग कमेटी सदस्य बेंगलूरु नॉर्थ व साउथ के साथ ही एपेक्स स्पोर्ट्स कन्वीनर गतिक जैन एवं उनकी सम्पूर्ण कमेटी एवं सदस्य, जीतो महिला विंग साउथ अध्यक्ष बबिता रायसोनी, नॉर्थ उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, मेंटर मधु कटारिया, नॉर्थ पूर्वाध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, साउथ कार्यसमिति सदस्य हेमा सोलंकी, रेखा जैन समेत अन्य कई पदाधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने सभी प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया और खिलाड़ियों, टीम ओनर्स और प्रायोजकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया ने समापन समारोह का संचालन किया।

संपूर्ण व्यवस्था में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

पूरे टूर्नामेंट के कार्यक्रम का भार जीतो नॉर्थ एवं साउथ की कमेटी ने संभाला, जिसमें बेंगलूरु साउथ स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा, सह-संयोजक श्रेयांश राखेचा और बेंगलूरु नॉर्थ से संयोजक शेखर चाणोदिया, सह- संयोजक नितेश गांधी, स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट संयोजक सतीश पोरवाड़, सफल सकारिया, मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावत, एपेक्स हॉस्पिटैलिटी समिति में राजकुमार कोठारी और कमल पूनमिया, भोजन समिति की जिम्मेदारी नेमिचंद चोपड़ा और अशोक भंडारी, ब्रांडिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग का कार्य प्रतिक गांधी और राकेश पोखरना, उत्पादन और स्थल समन्वय की समिति में कोमल भंडारी और मदन मुणोत, टीम लॉजिस्टिक्स और टीम हॉस्पिटैलिटी की जिम्मेदारी तेजपाल जैन और राकेश चौधरी, मैच और ग्राउंड शेड्यूल, टीम सूची और खिलाड़ी विवरण का कार्य चेतन बोहरा और सतीश पोरवाड़, लीजेंड क्रिकेट समिति में अरुण भंसाली और प्रतिक गांधी, संघ, संस्था समिति में महेन्द्र रांका, महावीर दांतेवाडीया और सुनील लोढ़ा ने संपूर्ण व्यवस्था के साथ- साथ सभी टीमों में सामंजस्य बरकरार रखा।

आचार्य महाश्रमणजी के 64वें जन्म दिवस के अवसर पर रियायती दर पर रक्त परीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में मंगलवार को तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के 64 वें जन्म दिवस के अवसर पर अभिवंदना व्यक्त करते हुए विभिन्न रक्त जाँच रियायती दर पर आयोजित किये गए, जिसमें सम्पूर्ण रक्त जांच, किडनी, लिवर, लिपिड, थाइरॉइड, ईसीजी, एलेक्ट्रोलयट्स से संबंधित लगभग 37 जांच शामिल थी। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई।

तेयुप सदस्यों ने जांच हेतु पधारे सदस्यों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता से अवगत कराया। सभी ने मानव सेवा के इस उपक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा समय समय पर एटीडीसी द्वारा रियायती दर पर शिविर आयोजित किए जाते हैं। जिससे सभी को लाभ प्राप्त हो रहा है। शिविर में कुल 86 सदस्यों ने लाभ लिया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, श्यामला, सहेली एवं दीपाश्री का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर से अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, मोहन चोरड़िया एवं मुकेश भंडारी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ बीएमएस महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता झील 2025 का आयोजन किया गया। कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, नेट बॉल स्पर्धा में 15 से भी ज्यादा महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

तीन नाबालिग पाकिस्तानी नागरिकों ने 15 मई तक मैसूरु में रहने की अनुमति के लिए कोर्ट का रुख किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तीन नाबालिग पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया, जिसमें अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि उन्हें 15 मई तक मैसूरु में रहने की अनुमति दी जाए और तब तक उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न की जाए, क्योंकि वे 12 मई को होने वाले विवाह समारोह में भाग लेने के बाद भारत छोड़ देंगे। न्यायमूर्ति एम.जी. उमा की अवकाश पीठ ने बीबी यामिना (8), मुहम्मद मुदस्सिर (4) और मुहम्मद यूसुफ (3) द्वारा दायर याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया, जो सभी बलूचिस्तान, पाकिस्तान के स्थायी निवासी हैं। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व उनकी भारतीय मां रमशा जहान कर रही हैं, जो मैसूरु की मूल

निवासी हैं और 2015 में अपनी शादी के बाद से अपने पति मुहम्मद फारूक के साथ रह रही हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं। नाबालिग बच्चे अपनी मां के साथ 4 जनवरी, 2025 को 17 फरवरी, 2025 तक वैध वीजा पर मैसूरु आए थे।

बाद में उनका वीजा 18 जून, 2025 तक बढ़ा दिया गया। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता अपनी मां के साथ 28 अप्रैल को अटारी सीमा पर पहुंचे थे, क्योंकि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के मद्देनजर सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 30 अप्रैल तक भारत छोड़ने के लिए कहा गया था। हालांकि, चूंकि उनके पिता उन्हें सीमा पर लेने नहीं आए और पाकिस्तान ने अपने नागरिकों के लिए भी अपनी सीमा बंद कर दी थी, इसलिए याचिकाकर्ता-बच्चे मैसूरु लौट आए। इसके बाद याचिकाकर्ता की मां ने मैसूरु शहर के पुलिस आयुक्त के माध्यम से अधिकारियों को पत्र लिखकर बच्चों का वीजा 15 मई तक बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद वे 11/12 मई को मैसूरु में होने वाली अपनी मौसी की शादी के लिए भारत छोड़ देंगे, जिसके लिए वे मूल रूप से पाकिस्तान से भारत आए थे। याचिका में बताया गया है कि मैसूरु शहर की पुलिस उन्हें चेतावनी दे रही है कि अगर वे तुरंत भारत नहीं छोड़ते हैं तो उनके खिलाफ बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। याचिका पर आगे की सुनवाई 8 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-4), बेंगलूरु के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक विज्ञान केन्द्र (आईसीटीएस), हेसरघट्टा में एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का प्रारंभ राजेश गोपाकुमार, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक विज्ञान केन्द्र ने अपने स्वागत भाषण के साथ की। स्वागत भाषण के दौरान उन्होंने आईसीटीएस की गतिविधियों के बारे में भी परिचित कराया। नराकास (का-4), बेंगलूरु के सदस्य सचिव राजभवन ने अपने संबोधन में कहा कि कोई भी कार्य सरलता और सुगमता से किया जा सकता है। यह सेमिनार इसी का उदाहरण है जिसमें सभी व्याख्यान सरल हिंदी भाषा में होंगें और जो सभी को समझ भी आएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी भारतीय नागरिकों को हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाएं भी सीखनी चाहिए। डॉ. नागहनुमय्या, अध्यक्ष, नराकास (का-4), बेंगलूरु एवं निदेशक

सीएमटीआई ने अपने संबोधन में कहा कि सभी को हिंदी भाषा सीखनी चाहिए और तकनीकी क्षेत्रों में भी हिंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सीएमटीआई, आईसीटीएस के साथ सहयोग स्थापित करेगी। अनिर्बान कुमार विश्वास, उप-निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नई दिल्ली और हैदराबाद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी को आमंत्रित किया। पीयूष कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक-बी, भारतीय मानक ब्यूरो, बेंगलूरु ने अपने व्याख्यान के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभी ग्राहक को जागरूक होना चाहिए इसलिए जब भी बाजार से कोई इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदे तो उस पर आईएसआई और बीआईएस का चिन्ह अवश्य देखें। साथ ही आज कल सोने चांदी के आभूषणों में भी धोखाधड़ी हो रही है।

इसलिए जब भी आप आभूषण बाजार से खरीदे तो उस पर हॉलमार्किंग का चिह्न अवश्य देखे तभी खरीदे।

अनाथालय के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हैंड्स फॉर सोसायटी ने हाल ही में अपने सिग्नेचर इवेंट्स समर कैंप का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न अनाथालयों के 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। सेंट फ्रांसिस कॉलेज, कोरमंगला में आयोजित इस शिविर में 7 अलग-अलग अनाथालयों के बच्चे शामिल हुए। नृत्य, जादू शो, जुम्बा और खेलों जैसी विविध गतिविधियों के माध्यम से, शिविर का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना, आत्मविश्वास का निर्माण करना और समुदाय की भावना को प्रोत्साहित करना था। हैंड्स फॉर सोसायटी की यह पहल अनाथालय के बच्चों के साथ एक दिन बिताने और मजे और खुशियों से भरा दिन मनाने के लिए है। इस समर कैंप के माध्यम से, हम इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनके जीवन में सकारात्मकता भरने का प्रयास कर रहे हैं।

आईबीएम, मॉर्गन स्टेनली और ओरेकल के स्वयंसेवकों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम को उपस्थित लोगों और स्वयंसेवकों ने बहुत सराहा। हैंड्स फॉर सोसायटी के संस्थापक आयुष भीमसरिया ने सभी स्वयंसेवकों और एनजीओ को उनकी उपस्थिति और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हैंड्स फॉर सोसायटी इस तरह की नवीन पहलों के माध्यम से समुदाय में सकारात्मक प्रभाव डालना जारी रखती है।

खड़गे ने सांप्रदायिकता विरोधी टास्क फोर्स पर भाजपा के रुख पर निशाना साधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज तथा आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार के प्रस्तावित सांप्रदायिकता विरोधी टास्क फोर्स की आलोचना करने पर विपक्षी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। खड़गे ने राज्य के तटीय जिलों में कथित बदला लेने वाली हत्याओं के लिए भाजपा को दोषी ठहराया और गरीब तथा पिछड़े समुदायों के युवाओं की मौतों के लिए भगवा पार्टी को दोषी ठहराया। उन्होंने तर्क दिया भाजपा के प्रभाव के कारण तटीय क्षेत्र के युवा सांप्रदायिक राजनीति के इस जाल में फंस गए हैं। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल ही में घोषणा की कि सरकार ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में सांप्रदायिक घटनाओं के मद्देनजर राज्य में सांप्रदायिकता विरोधी टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की हम नक्सल विरोधी टास्क फोर्स की तरह ही सांप्रदायिकता विरोधी फोर्स गठित करेंगे। खड़गे ने कहा कि सरकार राज्य में, खासकर तटीय क्षेत्र में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने वाली किसी भी तरह की सांप्रदायिक ताकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा नेताओं ने सांप्रदायिकता विरोधी टास्क फोर्स की आलोचना की है और आर-ोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार पूरे क्षेत्र को सांप्रदायिक बताकर छिपाने की कोशिश कर रही है। यह घटनाक्रम 30 वर्षीय सुहास शेट्टी की हत्या के बाद हुआ है, जो दो हत्या मामलों में आरोपी और बजरंग दल के पूर्व कार्यकर्ता हैं। उनकी 1 मई को यहां बाजपे में हत्या कर दी गई थी। मेंगलूरु शहर की पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

गौशाला में शंखनाद एवं सारथी कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस युवा बेंगलूरु द्वारा वर्ष 2025-26 के राष्ट्रीय कार्यक्रम शंखनाद एवं सारथी का भव्य आयोजन शहर की एक गौशाला में किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में एफटीएस परिवार के लगभग 125-140 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे भक्ति, सेवा एवं सामाजिक समर्पण का अद्भुत संगम बना दिया। युवा सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत स्वादिष्ट नाश्ते के साथ हुई, जिसके पश्चात तीन ओंकार, गौ पूजन, गौ आरती, पहलगाम

हादसे में शहीदों के लिए दो मिनट का मौन एवं तीन बार हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। शंखनाद की दिव्य ध्वनि के साथ युवाओं की सामाजिक भूमिका, ऊर्जा और समर्पण की आवश्यकता पर बल दिया गया। युवा कार्यकारी अध्यक्ष पवन राजलीवाल ने बताया कार्यक्रम परिचय सत्र में सभी सदस्यों ने अपने विचार साझा किए, वहीं विक्रम ईशा अग्रवाल द्वारा गौशाला को वॉटर कूलर भेंट कर एक अनुकरणीय पहल प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने गौ सेवा का लाभ लिया। सारथी कार्यक्रम के अंतर्गत 13 सदस्यों के जन्मदिवस एवं वैवाहिक वर्षगाँठ को पूरे परिवार के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया, जिससे आपसी समन्वयन और संगठनात्मक भावना को बल मिला। इस सफल आयोजन का श्रेय संयोजक उत्तम बागरेचा एवं दीपिका जैन को जाता है, जिनके नेतृत्व में यह कार्यक्रम गरिमामयी रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में एफटीएस युवा बेंगलूरु की 2025-26 की कार्यकारिणी की पहली बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी वर्ष की योजनाओं व कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सहसचिव अमित सिंह ने आगामी वर्ष के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सुहास शेट्टी हत्याकांड मामला

डीके जिला भाजपा अध्यक्ष, विधायकों ने यू टी खादर से पद छोड़ने का किया आग्रह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला, मेंगलूरु शहर दक्षिण विधायक डी वेदव्यास कामथ और मेंगलूरु शहर उत्तर विधायक डॉ भरत शेट्टी ने सुहास शेट्टी हत्याकांड में आरोपियों का समर्थन करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर से पद छोड़ने का आग्रह किया है। मेंगलूरु में जिला भाजपा कार्यालय में मंगलवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कुम्पाला ने कहा कि यू टी खादर ने अध्यक्ष के रूप में निष्पक्ष होने के बजाय जांच पूरी होने से पहले ही आरोपियों को क्लीन चिट दे दी। इसके अलावा, खादर और कांग्रेस नेता इनायत अली कलासा में मोहम्मद मुस्तफा नामक व्यक्ति द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं, जो एक होमस्टे चलाता है, जहां नियाज और अन्य आरोपी काम कर रहे थे। उन्होंने यू टी खादर से इस्तीफा देने का आग्रह करते हुए कहा कि कलासा कनेक्शन की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा या फिर राज्यपाल को हस्तक्षेप करना चाहिए और खादर के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए। जब प्रशांत पुजारी की हत्या हुई थी, तब खादर ने कहा था कि वह मारे गए हिंदू नेता के घर नहीं जाएंगे। उन्होंने आरोप

लगाया कि फाजिल के भाई आदिल को दिए गए मुआवजे के पैसे का इस्तेमाल सुहास शेट्टी की हत्या के लिए किया गया था। उन्होंने कहा वह पहले फाजिल के घर कैसे गए और 25 लाख रुपये का मुआवजा कैसे दिया? उन्होंने कहा कि यू टी खादर ने आरोपियों को बचाने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है। वह जानना चाहते हैं कि फोन पर आरोपियों से बात करने के लिए खादर के खिलाफ कोई मामला क्यों दर्ज नहीं किया गया। इस बीच, उन्होंने गृह मंत्री जी परमेश्वर से सांप्रदायिक विरोधी बल की शक्तियों और कार्यों के बारे में बताने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने स्थापित करने का वादा किया था।

उन्होंने कहा सरकार हिंदू युवाओं के खिलाफ जितने मामले दर्ज कर सकती है, दर्ज करे। हम जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि बाजपे में सुहास शेट्टी की हत्या किसी भी तरह से पहलगाम में हुए आतंकी हमले से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार हिंदू नागरिकों के प्रति असहिष्णु है। सुहास शेट्टी की हत्या को उचित ठहराने वाले सभी लोगों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या राज्य पुलिस ने बदमाशों की हत्या की अनुमति दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सुहास शेट्टी की संभावित हत्या के प्रयास के बारे में खुफिया जानकारी होने के बावजूद इसे रोका नहीं गया। उन्होंने कहा कि यह पुलिस की ओर से एक विफलता है। उन्होंने कहा कि रंजीत और नागराज की गिरफ्तारी के पीछे एक साजिश है। उन्होंने पूछा हत्या स्थल पर 20 से अधिक लोग थे। उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? उन दो मुस्लिम महिलाओं का क्या हुआ जो आरोपियों की मदद करती दिखीं। उन्होंने कहा भाजपा को राज्य पुलिस की जांच पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए मामले को एनआईए को सौंप दिया जाना चाहिए। कुम्पाला ने पूछा, सोशल मीडिया पर हिंदू कार्यकर्ता शरण पंपवेल और भरत कुमडेल को जान से मारने की धमकी देने वालों को पुलिस ने क्यों नहीं गिरफ्तार किया? अन्यथा, पुलिस सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ पोस्ट करने वालों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई करती है। इस बीच, उन्होंने सुहास शेट्टी की हत्या के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए विदेशी फंड की जांच की मांग की।

कन्नड़ टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद सोनू निगम ने कर्नाटक से माफी मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पार्श्व गायक सोनू निगम ने बेंगलूरु में लाइव परफॉरमेंस के दौरान की गई एक विवादित टिप्पणी पर कड़ी आलोचना का सामना करने के बाद कर्नाटक के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। यह माफी कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) द्वारा गायक पर पेशेवर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए निगम ने लिखा सॉरी कर्नाटक।

आपके लिए मेरा प्यार मेरे अहंकार से बड़ा है। हमेशा प्यार करता रहूँगा। यह बयान गायक से बिना शर्त माफी मांगने की बढ़ती माँगों का जवाब प्रतीत होता है। केएफसीसी ने पहले एक असहयोग नीति की घोषणा की थी, जिसके अध्यक्ष एम नरसिम्हालु ने पुष्टि की कि चैंबर के सभी विभाग गायक के सार्वजनिक रूप से माफी मांगने तक उसका बहिष्कार करने पर सर्वसम्मति से सहमत हैं। उन्होंने कहा हम आने वाले दिनों में फिर से स्थिति की समीक्षा करेंगे और आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेंगे।

यह विवाद 1 मई को तब शुरू हुआ, जब सोनू निगम, विरगोनगर के ईस्ट पॉइंट कॉलेज में परफॉर्म कर रहे थे, जब एक दर्शक ने उनसे कन्नड़ गाना गाने पर जोर दिया, तो उन्होंने अपना परफॉर्म रोक दिया। कथित तौर पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए निगम ने कहा ऐसे व्यवहार के कारण ही पहलगाम हमले जैसी घटनाएं होती हैं। इस टिप्पणी की व्यापक रूप से निंदा की गई क्योंकि यह कन्नड़ भाषियों के प्रति असंवेदनशील और अपमानजनक थी। घटना के बाद, कर्नाटक रक्षण वेदिके ने निगम के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर भाषाई तनाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई, और उसके बाद से बेंगलूरु ग्रामीण पुलिस ने उन्हें एक सप्ताह के भीतर जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है। इससे पहले, गायक ने सोशल मीडिया पर एक खुला पत्र पोस्ट किया था जिसमें कहा गया था कि वह कर्नाटक के लोगों को अपने कार्यों का न्याय करने देंगे और उनके फैसले को विनम्रता से स्वीकार करेंगे।

9 मई को शिवमोग्गा में 1,000 लोग बसवन्ना के वचन प्रस्तुत करेंगे

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के अल्लामा प्रभु पार्क में 9 मई को बसव जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 'सविदरा वचन' नामक कार्यक्रम में 1,000 से अधिक लोग बसवन्ना के वचन (दार्शनिक और आध्यात्मिक विषयों को छूने वाले छंद) प्रस्तुत करेंगे। समूह इस कार्यक्रम में 38 वचन प्रस्तुत करेगा।

यहां मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए, बेकिना कलमाथा के मल्लिकार्जुन मुरुगराजेंद्र स्वामी ने कहा कि यह लोगों के बीच वचनों के संदेश और सार को फैलाने के लिए एक अभिनव कार्यक्रम है। वचनों को उन लोगों के छंदों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो जो उपदेश देते हैं, उसका पालन करते हैं।

शिवमोग्गा 40 से अधिक शरणों की भूमि है जो 12वीं शताब्दी में बसवन्ना द्वारा नेतृत्व किए गए वचन आंदोलन का हिस्सा थे। यह कार्यक्रम वचनों को पढ़ने वाले लोगों की अधिकतम संख्या का रिकॉर्ड बनाएगा। वे इसे विशेष रूप से डिजाइन किए गए मंच से करेंगे।

बसव केंद्र के बसव मारुलसिद्दा स्वामी ने कहा कि कार्यक्रम को प्रभावशाली प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 1,200 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। इनमें कर्नाटक के बाहर के लोग और विदेशों से आए लोग शामिल हैं। समिति के प्रमुख पूर्व एमएलसी एस. रुद्रे गौड़ा ने कहा कि गायक प्रसिद्ध गायक और संगीत निर्देशक स्वर्गीय सी. अश्वथ द्वारा रचित वचनों को प्रस्तुत करेंगे। नागराज गुरुगुहा, जनार्दन (जन्नी), के. युवराज और हुमायूं हरलापू सहित विशेषज्ञ गायकों की एक टीम गायकों को प्रशिक्षित कर रही थी। उन्होंने कहा हमें 9 मई को शाम 5.30 बजे शुरू होने वाले कार्यक्रम के लिए अच्छी संख्या में दर्शकों की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एमएलसी धनंजय सरजी, आयोजन समिति के सचिव ज्योति प्रकाश और कोषाध्यक्ष एच.सी. योगेश मौजूद थे।

कांग्रेस ने मारे गए कार्यकर्ता सुहास शेट्टी पर भाजपा के यू-टर्न की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु में कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हाल ही में हुई हत्या पर भाजपा के आक्रोश का तीखा जवाब देते हुए, कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने विपक्षी पार्टी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है, और सवाल उठाया है कि भाजपा द्वारा कभी अपराधी करार दिए गए व्यक्ति को अब शहीद कैसे कहा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी दिनेश गुंडू राव ने मंगलवार को बोलते हुए भाजपा के कथन को चुनौती देते हुए कहा, अगर वह एक नेक इंसान थे, तो पिछली भाजपा सरकार ने उनके खिलाफ एक राऊडी शीट क्यों खोली? राव ने आधिकारिक पुलिस दस्तावेजों की ओर इशारा किया, जिसमें दिखाया गया है कि शेट्टी के खिलाफ एक राऊडी शीट 2020 में दायर की गई थी – भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान, जब बसवराज बोम्मई गृह

मंत्री के पद पर थे। राव ने टिप्पणी की, कट्टरपंथ का नशा निर्दोष लोगों पर जबरदस्ती थोपा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शेट्टी की मौत का इस्तेमाल सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के लिए कर रही है। राव ने कहा शेट्टी को उनकी अपनी सरकार में अपराधी करार दिया गया। आज भाजपा उन्हें शहीद और महान आत्मा के रूप में महिमामंडित कर रही है। लेकिन अगर वह इतने महान व्यक्ति थे, तो उस समय भाजपा सरकार ने उन्हें उपद्रवी क्यों घोषित किया? भाजपा पर पाखंड का आरोप लगाते हुए उन्होंने आगे कहा सत्ता में रहते हुए वे अपराधियों के खिलाफ उपद्रवी चादरें खोलते हैं और जब वही अपराधी मर जाते हैं, तो उन्हें शहीदों के रूप में महिमामंडित करते हैं और उन्हें संत के रूप में चित्रित करते हैं। राव ने क्षेत्र में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने पूछा क्या वे बता सकते हैं कि क्या उनके अपने बच्चों को कभी धर्म के लिए पीटा गया था? हमेशा गरीबों के बच्चे ही सड़कों पर लाशों के रूप में समाप्त होते हैं। क्या यह सच नहीं है? शांति की अपील करते हुए उन्होंने चेतावनी दी मेंगलूरु के लोग जागरूक और सतर्क हैं। अब, पहले से कहीं ज्यादा, तटीय क्षेत्र के लोगों को साजिश को पहचानना चाहिए। अगर नहीं, तो यह सड़ी हुई राजनीति जिले की शांति को नष्ट कर देगी। सुहास शेट्टी नामक एक बदमाश की 1 मई को हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या ने तटीय क्षेत्र में तनाव को फिर से बढ़ा दिया है, मेंगलूरु और उडुपी दोनों जगहों पर चाकू से हमला करने की ताजा घटनाएं सामने आई हैं। जवाब में, भाजपा और विभिन्न समूहों ने पुलिस पर गड़बड़ी का आरोप लगाया है और मांग की है कि मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया जाए। अब तक पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

मैसूरु सेंट्रल जेल के वार्डर ने सीएम पर अपमानजनक वीडियो बनाया, निलंबित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु सेंट्रल जेल के वार्डर ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अपमानजनक वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें सोमवार को निलंबित कर दिया गया। वार्डर (पुलिस कांस्टेबल रैंक) एच एन मधु कुमार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। 5.33 मिनट के वीडियो में, 45 वर्षीय पूर्व सैन्यकर्मी ने सीएम पर निशाना साधा है, उन्हें एकवचन में संबोधित किया है, 28 अप्रैल को बेलगावी में एक कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायण भरमनी के खिलाफ सिद्धरामैया के गुस्से भरे हाव-भाव की निंदा की है। मधु कुमार पिछले चार वर्षों से जेल विभाग में सेवारत हैं। मैसूरु सेंट्रल जेल के अधीक्षक बी एस रमेश ने प्रारंभिक जांच की है और सोमवार को उन्हें निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा वार्डर ने 28 अप्रैल को ही वीडियो बनाया था। लेकिन, यह सोमवार शाम को हमारे संज्ञान में आया। उसके खिलाफ विस्तृत जांच की जाएगी। मंगलवार को मैसूरु सेंट्रल जेल के पास कांग्रेस के सदस्यों ने कांस्टेबल के बयान की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वीडियो में मधु कुमार ने कहा है, पुलिस 35 साल तक सेवा करती है, जबकि राजनेता केवल पांच साल के लिए लोगों के दान (वोट) से चुने जाते हैं। एलएलबी करने के बाद, सीएम होने के नाते उन्हें पता होना चाहिए था कि एएसपी के रूप में कार्यरत एक सरकारी अधिकारी के साथ कैसे व्यवहार करना है। कर्नाटक पुलिस उनकी गुलाम नहीं है। अगर एएसपी की यह स्थिति है, तो एक कांस्टेबल का क्या होगा? इस व्यवहार से, उन्होंने वह सम्मान खो दिया है जो मेरे मन में उनके लिए था। उन्होंने सिद्धरामैया के बड़े बेटे राकेश की मौत और सीएम की पत्नी को मुडा वैकल्पिक मुआवजा स्थल आवंटन पर भी टिप्पणी की और पूछा मैसूरु सेंट्रल जेल के कर्मियों को वेतन जमा करने में देरी क्यों हो रही है और बैंक ऋण के लिए ईएमआई कौन चुकाएगा। उन्होंने मैसूरु के उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले और सीएम के गृह जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा अगर उनके अपने जिले के पुलिसकर्मियों को सुरक्षा नहीं दी जा सकती, तो राज्य के लोग क्या उम्मीद कर सकते हैं? मधु कुमार ने कहा कि वह अपनी नौकरी खोने के लिए तैयार हैं और उन्होंने लोगों से वीडियो को तब तक फॉरवर्ड करने को कहा है, जब तक कि यह सीएम तक न पहुंच जाए।

कार और ट्रक के बीच टक्कर में पांच लोगों की मौत

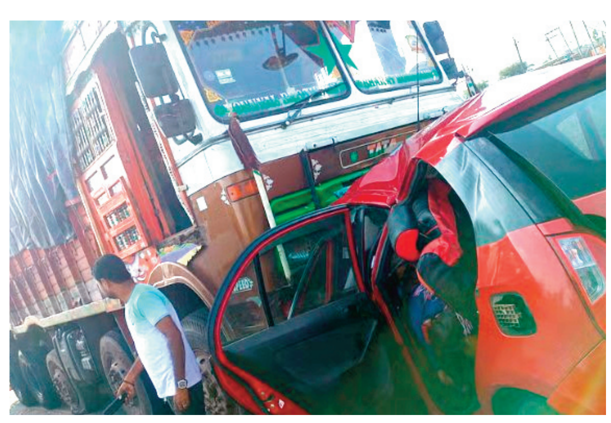

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली ग्रामीण तालुक के इंगलाहल्ली क्रॉस के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (हुब्बल्ली-विजयपुरा राजमार्ग) पर मंगलवार सुबह एक दुखद घटना में एक कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान श्वेता (29), अंजलि (26), संदीप (26), विठ्ठल (55) और शशिकला (40) के रूप में हुई है, जो सभी शिवमोग्गा जिले के सागरा के रहने वाले थे। शवों को हुब्बल्ली के केएमसी-आरआई में स्थानांतरित कर दिया गया है। धारवाड़ के पुलिस अधीक्षक गोपाल बायकोड और हुब्बल्ली ग्रामीण पुलिस निरीक्षक मुरुगेश चन्नानवर ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, नवलगुंड की ओर से हुब्बल्ली की ओर जा रहा ट्रक सागर से बागलकोट की ओर जा रही कार से टकरा गया। दुर्घटना की गंभीरता के कारण कार में सवार सभी पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक फरार बताया जा रहा है। हुब्बल्ली ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

विधायक जनार्दन रेड्डी को अयस्क लूट मामले में 7 साल की सजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और गंगावती के विधायक गली जनार्दन रेड्डी और चार अन्य आरोपियों को एक विशेष सीबीआई अदालत ने अवैध खनन मामले में दोषी ठहराया है और सात साल जेल की सजा सुनाई है।

आरोपियों पर ओबलापुरम माइनिंग कंपनी द्वारा अवैध रूप से खनन करने तथा 2.9 मिलियन टन अयस्क को अवैध रूप से बेचने तथा सरकार से कर चोरी करने का आरोप लगाया गया था। करीब 16 साल बाद सीबीआई अदालत ने अवैध खनन मामले में अपना फैसला सुनाया है। इसके साथ ही अवैध खनन, जिसने न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी काफी शोर मचाया हुआ है, दार्शनिक स्तर पर पहुंच गया है। 2008 के बाद बेल्लारी, तुमकुरु, चित्रदुर्ग और आंध्र प्रदेश सीमा क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों ने भारी हलचल मचा दी। एस.आर. सामाजिक परिवर्तन संगठन के प्रमुख हीरेमठ ने सर्वोच्च न्यायालय

में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। सुनवाई करने वाली अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। जांच पूरी हो चुकी है और सीबीआई ने अदालत में आर-ोपपत्र दाखिल कर दिया है। तदनुसार, दलीलें सुनने के बाद सीबीआई की विशेष अदालत ने सजा का ऐलान किया। प्रथम आरोपी बी.वी. श्रीनिवास रेड्डी, दूसरे आरोपी गली जनार्दन रेड्डी, आंध्र प्रदेश की पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी कृपानंदम और ओबलापुरम के वी.डी. राज को दोषी करार दिया गया और सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। सजा सुनाए जाने पर भावुक हुए जनार्दन रेड्डी ने कहा कि वह जनसेवा से जुड़े हैं और उन्होंने काफी समाजसेवा की है। मैं एक विधायक हूं। मैं साढ़े तीन साल जेल में रहा। उन्होंने सजा कम करने की अपील की है। विशेष अदालत के न्यायाधीश ने सहमति जताते हुए पूछा कि सजा क्यों कम की जानी चाहिए। आपको 10 वर्ष से अधिक की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कटुतापूर्वक जवाब देते हुए कहा कि जीवन भी बहुत छोटा है। जनार्दन रेड्डी मंगलवार को हैदराबाद पहुंचे और फैसले के मद्देनजर सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए। जैसे ही सजा का ऐलान हुआ, पुलिस ने जनार्दन रेड्डी और अन्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों के वकील बुधवार को जनार्दन रेड्डी की ओर से हैदराबाद उच्च न्यायालय में अपील दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। सीबीआई अदालत के फैसले के बाद गंगावती से विधायक जनार्दन रेड्डी को अपनी विधायक सीट छिन जाने का डर सता रहा है।

नीट जनेऊ विवाद के बाद कलबुर्गी में दो लोग गिरफ्तार

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी में दो परीक्षा कर्मचारियों को कथित तौर पर एक छात्र को 4 मई को आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा से पहले अपना पवित्र धागा उतारने के लिए मजबूर करने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद तनाव बढ़ गया। इस घटना ने हिंदू समुदाय के वर्गों में आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसके कारण पुलिस कार्रवाई हुई और कानूनी कार्यवाही को बढ़ावा मिला। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है, पूरे भारत में स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अनिवार्य है। कलबुर्गी में निर्दिष्ट नीट केंद्रों में से एक सेंट मैरी पीयू कॉलेज में यह विवाद सामने आया। पुलिस आयुक्त एस डी शरणप्पा के अनुसार, छात्र श्रीपद पाटिल की शिकायत के

आधार पर रविवार देर रात एक प्राथमिकी दर्ज की गई। पाटिल ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र के दो कर्मचारियों ने हॉल में प्रवेश करने से पहले उसे अपना पवित्र धागा (जनेऊ) उतारने के लिए मजबूर किया, जिससे उसे मानसिक परेशानी हुई और उसकी धार्मिक भावनाओं का हनन हुआ। आरोपियों की पहचान शरण गौड़ा और गणेश के रूप में की गई है, जो परीक्षा संचालन की देखरेख करने वाली एक निजी एजेंसी में कार्यरत थे। उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 298 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए कार्यों से संबंधित है। स्टेशन बाजार पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया और आगे की जांच जारी है। खबर फैलते ही ब्राह्मण समुदाय के लोग परीक्षा केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हो गए। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा पूरी करने के बाद छात्र को पवित्र धागा लौटाने से पहले एक अनुष्ठान किया।

सोमवार को रायचूर में बोलते हुए, कर्नाटक के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और लघु सिंचाई मंत्री, एनएस बोस राजू ने इस घटना को स्वीकार किया और कहा कि सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, ऐसी हरकतें होती रहती हैं। उन्होंने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। परीक्षा हॉल में धार्मिक प्रतीकों को लेकर विवाद का यह पहला मामला नहीं है। 25 अप्रैल को, राज्य भाजपा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के दौरान हिंदू छात्रों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया गया। उन्होंने दावा किया कि पवित्र धागा पहनने वाले छात्रों को वापस भेज दिया गया, जबकि हिजाब पहनने वाली मुस्लिम लड़कियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई।

बेलगावी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा जागरूकता अभियान

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी जिला पंचायत ने मनरेगा कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 1 मई को प्रत्येक ग्राम पंचायत में आओ, काम करें अभियान शुरू किया।

सामान्य जानकारी प्रदान करने के अलावा, अभियान ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक मजदूरों को काम की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय कदम उठाएगा। यह लोगों को बताएगा कि नौकरियों के लिए आवेदन कैसे करें और मजदूरी का दावा कैसे करें। अधिकारियों को योजना के तहत शामिल नहीं किए गए परिवारों की पहचान करने और उन्हें अकुशल काम के लिए पंजीकृत करने का भी काम होगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पंजीकृत अकुशल मजदूरों को 100 दिनों का काम मिले ताकि गर्मियों में पलायन की प्रवृत्ति कम हो। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कमजोर वर्गों के परिवारों, विकलांगों, महिलाओं और लैंगिक अल्पसंख्यकों की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करें। मनरेगा कार्यक्रम का विवरण स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय में उपलब्ध है। सभी ग्राम पंचायतों में 1 मई से योजना के तहत काम कर रहे और पहले से कार्यरत सभी मजदूरों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं।

जॉब कार्ड सत्यापन अभियान भी चलाया जा रहा है। अधिकारी घर-घर जाकर पंजीकृत मजदूरों की सूची के रजिस्टर 1 में परिवार-रवार जानकारी एकत्र करेंगे और जोड़े जाने वाले या हटाए जाने वाले नामों को अपडेट करेंगे।

गैर-भाजपा शासित राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने में हो रही लापरवाही : सांसद

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र ने कर्नाटक समेत गैर-भाजपा शासित राज्यों की सरकारों पर पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। यहां मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राघवेंद्र ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें 48 घंटे के भीतर वापस भेजने के निर्देश जारी किए थे। वे घुसपैठिए के तौर पर, या व्यापार या इलाज के लिए भारत पहुंचे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा भाजपा शासित सभी राज्यों की सरकारों ने इस फैसले को प्रभावी ढंग से लागू किया है। हालांकि, कर्नाटक समेत उन राज्यों की सरकारें, जहां गैर-भाजपा दल सत्ता में हैं, इस मुद्दे पर लापरवाह रही हैं। हम राज्य सरकार से अपील करते हैं कि वे ऐसे लोगों की पहचान करें और उन्हें 24 घंटे के भीतर वापस भेजें। राघवेंद्र ने शिवमोग्गा जिला प्रशासन से जिले में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने की अपील की। उन्होंने कहा भाजपा राज्यपाल से अपील करती है कि वे राज्य सरकार को इस संबंध में तत्काल कदम उठाने का निर्देश दें। लोकसभा सदस्य ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे पर हस्ताक्षर अभियान चलाया है और 7 मई को राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे। संवाददाता सम्मेलन में भाजपा विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा और अन्य मौजूद थे।

भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर मार्क्स कार्ड प्रिंटिंग सौदे में टेंडर घोटाले का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर अवैध प्रक्रियाओं के माध्यम से निविदाएं देकर और चुनिंदा फर्मों को लाभ पहुंचाकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। विधानसभा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर सरकार द्वारा जारी निविदाओं में विशिष्ट संस्थाओं को लाभ पहुंचाने के लिए हेरफेर किया जा रहा है।

हमारे कार्यकाल के दौरान, एक अंक पत्र की छपाई की लागत 9.45 रुपये तय की गई थी। हालांकि, वर्तमान सरकार के तहत, पैरा-मेडिकल बोर्ड ने 100 रुपये प्रति कार्ड की दर से निविदा आमंत्रित की। विरोध के बाद, इसे घटाकर 91 रुपये कर दिया गया और बाद में फिर से संशोधित कर 44 रुपये प्रति अंक पत्र, डिप्लोमा प्रमाण पत्र के लिए 47 रुपये और इंटर्नशिप प्रमाण पत्र के लिए 44 रुपये कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इन दरों के लिए एक कार्य आदेश 29 नवंबर, 2023 को संजयनगर, बेंगलूरु स्थित उर्ध्वा मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में जारी किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया हैरानी की बात यह है कि इस काम के लिए वित्तीय बोली को 12 अप्रैल, 2024 को ही मंजूरी दी गई, यानी कार्य आदेश जारी होने के चार महीने से भी ज्यादा समय बाद। नारायणस्वामी ने कहा कि उन्होंने 8 जनवरी को सरकारी सचिव को पत्र लिखकर कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम के उल्लंघन को उजागर किया था, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

उन्होंने मीडिया को पत्र और सहायक दस्तावेज दिखाए। उन्होंने दावा किया कि उर्ध्व मैनेजमेंट एक इवेंट मैनेजमेंट फर्म है, जिसे प्रिंटिंग का कोई अनुभव नहीं है और आरोप लगाया कि इसके निदेशक वेंकटरेड्डी डी पाटिल या तो चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के करीबी रिश्तेदार या सहयोगी हैं।

उन्होंने कहा यह एक ब्लैक लिस्टेड फर्म है, जिसके खिलाफ लगभग 25 मामले दर्ज हैं। फिर भी, सरकार ने वित्तीय बोली को अंतिम रूप दिए बिना ही यह ठेका सौंप दिया। टेंडर देने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाते हुए नारायणस्वामी ने कहा जब हमने 9.45 रुपये प्रति मार्क्स कार्ड के हिसाब से कॉन्ट्रैक्ट जारी किया था, तो कुल राशि 2.45 लाख रुपये आई थी।

इस मामले में, प्रिंट किए जाने वाले सर्टिफिकेट की संख्या भी निर्दिष्ट नहीं की गई है, जिससे मनमाने बिलिंग का रास्ता खुल जाता है।

उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही की पूरी तरह कमी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा मुख्य सचिव और संबंधित विभाग को कई पत्र लिखने के बावजूद मुझे कोई जवाब नहीं मिला। इससे साफ पता चलता है कि सरकार घोटाले को छिपाने की कोशिश कर रही है। नारायणस्वामी ने जोर देकर कहा कि यह मामला मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के अधिकार क्षेत्र में आता है और उन्होंने टेंडर प्रक्रिया की गहन जांच का आग्रह किया।

सुहास शेट्टी मामले को एनआईए को सौंपने से सरकार का इनकार गंभीर सवाल खड़े करता है: कैप्टन चौटा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने भाजपा कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने से इनकार करने पर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की निगरानी में काम कर रहे कट्टरपंथी तत्वों को बचाने की जानबूझकर कोशिश की जा रही है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए कैप्टन चौटा ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कांग्रेस किस बात से डरती है? मामले को एनआईए को सौंपने में हिचकिचाहट क्यों है, खासकर तब जब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यह व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता नहीं बल्कि एक बड़ा वैचारिक हमला है? कैप्टन चौटा ने कहा कि कांग्रेस सरकार,

स्पीकर से लेकर गृह मंत्री तक, शुरू से ही हत्या की वैचारिक प्रकृति को कमतर आंकने पर आमादा थी। उन्होंने पूछा उचित जांच शुरू होने से पहले ही, स्पीकर ने अब आरोपी के रूप में नामित व्यक्तियों को दोषमुक्त करने की कोशिश की। इनकार करने और मामले को टालने की इस जल्दबाजी का क्या मतलब है? चौटा ने गृह मंत्री जी परमेश्वर को क्लीन चिट मंत्री बताया और कहा कि कांग्रेस ने खुद को राउडीशीटर पार्टी बना लिया है। उन्होंने राज्य नेतृत्व पर सीधा कटाक्ष करते हुए पूछा अगर 19 आपराधिक मामलों का सामना कर रहे डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनने दिया जाता है, तो क्या गृह मंत्री उन्हें भी राउडीशीटर कहेंगे? उन्होंने कहा कि 2023 के चुनावों में लड़ने वाले 58 प्रतिशत कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि यह पार्टी के नैतिक पतन का पर्याप्त सबूत है। कैप्टन चौटा ने कांग्रेस, एसडीपीआई और प्रतिबंधित पीएफआई के बीच गहरी और खतरनाक सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा 2022 में पीएफआई पर प्रतिबंध के बावजूद, जांच - जिसमें 2023 का इंडिया टुडे एक्सपोज भी शामिल है - से पता चला है कि पीएफआई के सदस्य एसडीपीआई के बैनर तले फिर से संगठित हो गए हैं। एसडीपीआई नेताओं ने खुद स्वीकार किया कि पीएफआई कैडर अब एसडीपीआई की रीढ़ है। इन तत्वों ने गुमनामी, धन प्रेषण और कांग्रेस शासन द्वारा प्रदान की गई सुरक्षित पनाहगाहों के माध्यम से अपने कार्यों को जारी रखा है। प्रवीण नेट्टारू मामले का जिक्र करते हुए चौटा ने बताया कि हासन में मुस्तफा पैचर, दिल्ली हवाई अड्डे पर कोडाजे मोहम्मद शेरिफ और अतीक अहमद जैसी प्रमुख गिरफ्तारियाँ एनआईए द्वारा की गई थीं, न कि राज्य पुलिस द्वारा। उन्होंने कहा यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कांग्रेस के सत्ता में आने के वर्षों बाद भी कर्नाटक में पीएफआई से जुड़े तत्व फल-फूल रहे थे।

उन्होंने सार्वजनिक धारणा को पटरी से उतारने के लिए वैचारिक रूप से प्रेरित अपराधों को व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता के रूप में पेश करने की कांग्रेस पार्टी की रणनीति की आलोचना की। चौटा ने कहा वही लोग जो फासिल के परिवार को क्लीन चिट देने के लिए खुद को आगे कर रहे थे, अब सुहास शेट्टी को उपद्रवी बता रहे हैं - सच्चाई को मिटाने का एक क्रूर प्रयास।

शौचालय में महिला का वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोरमंगला पुलिस ने एक मिठाई की दुकान के हाउसकीपिंग कर्मचारी को शौचालय में मौजूद एक महिला का अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़ित 25 वर्षीय एक निजी फर्म की कर्मचारी है, जो रात करीब 8 बजे शौचालय का इस्तेमाल करने के लिए कोरमंगला 60 फीट रोड पर आनंद स्वीट्स गई थी। शौचालय का इस्तेमाल करते समय महिला ने अपने सामने फाइबर ग्लास की दीवार के माध्यम से एक हलचल देखी। जब वह देखने के लिए नीचे झुकी, तो वह एक मोबाइल फोन देखकर चौंक गई। करीब से देखने पर, वह मोबाइल फोन को हिलता हुआ देखकर चौंक गई और उसे एहसास हुआ कि कोई बाहर से उसका वीडियो बना रहा है। उसने तुरंत शोर मचाया और बाद में शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया।

शिकायत के आधार पर, पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा 77 (ताक-झांक का अपराध, जिसमें किसी व्यक्ति की निजी हरकत की तस्वीरें लेना, देखना या प्रसारित करना शामिल है) के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालाँकि, वे उस फोन को वापस नहीं पा सके जिसका इस्तेमाल उसने रिकॉर्ड करने के लिए किया था। पीड़िता ने बाद में सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी आपबीती पोस्ट की, जिसमें बताया कि सार्वजनिक स्थान कितने असुरक्षित हो गए हैं और महिलाओं से यौन शोषण करने वालों के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। 25 अप्रैल को, मुझे एक विश्वसनीय, लोकप्रिय जगह के वॉशरूम में रिकॉर्ड किया गया, जहाँ मैं बचपन से जाती रही हूँ। इसके बाद जो हुआ वह एक दुःस्वप्न था- घबराहट, पुलिस, कबूलनामे और भावनात्मक हेरफेर। उन्होंने मुझे अपने काम के लिए चुप रहने और 'आगे बढ़ने' के लिए कहा। लेकिन मैंने मना कर दिया। क्योंकि चुप्पी शोषण करने वालों की रक्षा करती है।

सुहास शेट्टी हत्याकांड में घटनास्थल पर मौजूद महिलाओं से पूछताछ

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुहास शेट्टी हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस ने दो बुर्काधारी महिलाओं से पूछताछ की है, जो उस समय घटनास्थल पर मौजूद थीं, जब आरोपी अपराध करने के बाद कार में भाग रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि महिलाओं का घटना में कोई सीधा संबंध नहीं था। उनकी पहचान मामले के दूसरे आरोपी नियाज की चाची और चचेरी बहन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, महिलाएं स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण बाजपे में एक फ्लैट में रहने वाले एक रिश्तेदार से मिलने आई थीं। घर लौटते समय, उन्होंने अपराध स्थल के पास एक होटल से खाने का पार्सल लिया। तभी उन्होंने नियाज को सड़क पर भागते हुए देखा। महिलाओं ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वे घटनास्थल पर एक दुर्घटना जैसी घटना देखने के बाद उसके पास पहुंची थीं। जांच जारी है।

क्रिकेट मैच को लेकर हुई झड़प में एक व्यक्ति की हत्या

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के भद्रावती में होसामने पुलिस स्टेशन की सीमा में सोमवार की रात क्रिकेट मैच को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई और दूसरा घायल हो गया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। जबकि संजय, उम्र करीब 20 वर्ष, घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा शुरुआती जानकारी के अनुसार, कुछ दोस्तों को शाम को खेले गए क्रिकेट मैच से परेशानी थी। बाद में, जब वे साथ में शराब पी रहे थे, तो मैच को लेकर उनमें बहस हो गई और इसके बाद हिंसा भड़क गई।

अमरनाथ यात्रा पर अनिश्चितता के बादल, पर तैयारियां जारी

जम्मू, 06 मई (ब्यूरो)।

पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान पर हमला कर उसे नेस्तनाबूद कर देने का जो स्वर पूरे देश में सुनाई दे रहा है उसने युद्ध से पहले वाक युद्ध का माहौल बन गया है। युद्ध की तैयारियां भी आरंभ होने लगी हैं और इस अनिश्चितता के बीच अमरनाथ यात्रा की तैयारियां भी जारी हैं।

3 जुलाई से आरंभ हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड ने पहले ही कई प्रबंध किए हैं। श्राइन बोर्ड के प्रवक्ता के बकौल, हिमलिंग के संरक्षण के लिए गुफा के द्वार पर लोहे की ग्रिल 89 साल पहले ही लगाई जा चुकी है। अब श्राइन बोर्ड ने अपनी एक टीम को गुफा के लिए रवाना करने वाला है। इस टीम के जिम्मे हिमलिंग का संरक्षण करना और इसको सुनिश्चित करना है कि गुफा के भीतर जाकर कोई हिमलिंग से छेड़छाड़ न करे। नतीजतन श्राइन बोर्ड के कर्मियों को गुफा के बाहर उन भक्तों से तकरीबन दो माह तक जूझना होगा जो समय से पहले हिमलिंग के दर्शन इसलिए कर लेना चाहते हैं क्योंकि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है कि यात्रा शुरू होने से पहले ही हिमलिंग पिघल जाता रहा है।

यही नहीं पहलगाम में हुए आतंकी

हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव के बीच जम्मू कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में हर साल प्राकृतिक रूप से बनने वाली हिम शिवलिंग की पहली गैर सरकारी तस्वीर भी सामने आई है।

इस बार शिवलिंग ने चौड़ाई का आकार लिया हुआ है। शिवलिंग की इस बार ऊंचाई करीब 8 से 10 फीट है। साल भर लाखों की तादाद में श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में बनने वाली इस हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर का इंतजार करते हैं। आगामी 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। यह यात्रा करीब 38 दिनों तक चलकर 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने इस साल की अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा भी लिया है। अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की उम्र 13 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। इसके लिए मेडिकल सर्टिफिकेट भी जरूरी है। 15 अप्रैल से अभी तक आफलाइन और आनलाइन माध्यम से करीब 3 लाख 60 हजार श्रद्धालुओं ने अमरनाथ की यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन करवाया है। इस बार बोर्ड ने ई-केवाईसी, आरएफआईडी कार्ड, आन स्पाट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी अच्छा करने का निर्णय लिया है जिससे अमरनाथ की पवित्र यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित रहे। सूत्रों की मानें तो पहलगाम हमले का कोई असर अभी तक रजिस्ट्रेशन पर देखने को नहीं मिला है। इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है पर अब इसके संपन्न होने पर अनिश्चितता के बादल युद्ध के बादलों के कारण मंडराने लगे हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए रास्ता तैयार करने में सीमा सड़क संगठन भी जुटा हुआ है। बालटाल में बर्फ हटाने का काम जारी है। अमरनाथ यात्रा इस बार 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। इसे देखते हुए, सीमा सड़क संगठन ने तैयारी तेज कर दी है। बीआरओ यात्रा के लिए बालटाल रूट तैयार करने में जुटा है। ये पवित्र गुफा तक पहुंचने के प्रमुख रास्तों में से एक है। सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी बर्फ हटाने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि इस रास्ते से पवित्र गुफा के दर्शन के लिए जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक हो।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का सचिव पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित, 20 मई को चुनाव

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सचिव का पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित करने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का चुनाव 20 मई को कराने का मंगलवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि चुनाव वर्ष 2024 के चुनावों में अंतिम रूप दी गई मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने चाहिए।

पीठ ने यह भी कहा कि 28 फरवरी, 2025 तक पात्रता प्राप्त करने वाले सभी सदस्य चुनाव में मतदान करने के हकदार होंगे।

शीर्ष अदालत ने सचिव का पद विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित करते हुए कहा कि कार्यकारी समिति में एक तिहाई सीटें, यानी नौ में से तीन, उनके (महिला) लिए होंगी।

पीठ ने निर्देश दिया कि उपनियमों में सुधार का सुझाव देने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त पूर्व शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एल नागेश्वर राव की रिपोर्ट एससीबीए की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, रिपोर्ट को चुनौती देने पर विचार नहीं किया जाएगा। हालांकि, सदस्यों के सुझावों का स्वागत किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करना संभव नहीं हो सकता है, क्योंकि मौजूदा एससीबीए कार्यकारी समिति का कार्यकाल 19 मई को समाप्त हो रहा है।

पीठ ने एसोसिएशन के सदस्यों को स्पष्ट कर दिया कि वह एससीबीए के विचार सुने बिना रिपोर्ट के कार्यान्वयन का निर्देश नहीं देगी।

शीर्ष न्यायालय ने कहा, इस चुनाव में हम पिछली परंपरा के अनुसार जारी रख सकते हैं, लेकिन भविष्य के चुनावों के लिए हमें इस बारे में सहायता की आवश्यकता है कि एससीबीए के चुनाव उसी दिन क्यों नहीं हो सकते, जिस दिन उच्च न्यायालय, जिला न्यायालयों के चुनाव होते हैं।शीर्ष अदालत ने दो मई, 2024 को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में एक तिहाई पद महिला सदस्यों के लिए आरक्षित करने का निर्देश देते हुए कहा था कि एक प्रमुख संस्था होने के नाते यह दशकों तक स्थिर नहीं रह सकती और चुनौतियों का सामना करने के लिए समय पर सुधार किए जाने चाहिए।पीठ ने तब कहा था, हमारा मानना है कि एससीबीए एक प्रमुख संस्था है और देश के सर्वोच्च न्यायिक मंच का एक अभिन्न अंग है। मानदंड, पात्रता शर्तें, सदस्यता, सदस्यता शुल्क संरचना आदि दशकों तक स्थिर नहीं रह सकते और समय-समय पर संस्था के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समय पर सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए मतदान 20 मई को समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी और 21 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

एलओसी पर रहने वालों की देशभक्ति ठाठे मार रही

महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मन से भिड़ने को तैयार

जम्मू, 06 मई (ब्यूरो)।

पहलगाम नरसंहार के बाद दोनों मुल्कों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते जैसे-जैसे युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं, एलओसी से सटे गांवों में रहने वाले लोग देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो रहे हैं। यहां तक कि गांवों की महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मन से भिड़ने को तैयार हैं।

एलओसी के पास गुरेज की तुलैल घाटी के गांव में लोग युद्ध की तैयारियों में लगे हैं। यहां की महिलाएं भी कुल्हाड़ी लेकर दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार हैं। जीरो लाइन बॉर्डर गांव किलशे सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। नजीर अहमद बताते हैं कि उनका गांव महज पाकिस्तान से 35 मिनट की पैदल दूरी पर हैं। हमारे गांव का दूसरा हिस्सा यहीं है। और यह सबसे असुरक्षित गांवों में से एक है।

चाहे गोली हो या बम, वह सीधे यहां आकर गिरता है। वे कहते हैं कि मैं नौ गांवों का नेतृत्व करता हूं और डरे हुए लोगों को प्रेरित करने की कोशिश करता रहता हूं।

किलशे गांव में 400 से ज्यादा घर हैं। गांवों के इस समूह में

किलशे वन, किलशे टू, बोआशके और राफुकी वन और टू शामिल थे। ये सभी गांव एलओसी के पास स्थित हैं। यहां केवल सीमित नेटवर्क तक ही पहुंच है। यहां कोई स्कूल नहीं है, कोई स्वास्थ्य सेवा नहीं है, कुछ भी नहीं है। यहां के लोग ठीक उसी तरह से जमीन की सेवा कर रहे हैं जैसे सेना देश की सेवा करती है। नजीर अहमद कहते हैं, हमारे पास स्टाक में कुछ भी नहीं है। जलवायु परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं। बुनियादी ढांचा कमजोर है और दुर्भाग्य से हमारे पास सुरक्षा उपायों की भी कमी है। हमें किसी भी सुविधा तक पहुंचने के लिए आठ किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलना पड़ता है। पर बावजूद इसके गांववासियों में देशभक्ति का जज्बा है जो उन्हें एकजुट रखे हुए है और वे जंग की हालत में भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

बिहार के मिथिलेश की पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' को मिली वैश्विक पहचान

पटना, 06 मई (एजेंसियां)।

बिहार के प्रबुद्ध लेखक और चिंतक मिथिलेश कुमार सिंह लिखित पुस्तक 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' ने भारत ही नहीं, वैश्विक बौद्धिक जगत में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

यह पुस्तक डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस्लाम और वामपंथी सोच के साथ संवादात्मक ढंग से प्रस्तुत करती है और इन तीनों विषयों के अंतर्संबंधों पर गहन विश्लेषण करती है। ऐतिहासिक संदर्भों, सामाजिक न्याय के विमर्श और समकालीन राजनीति को जोड़ते हुए, लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि अंबेडकर का दृष्टिकोण इस्लाम और वामपंथ दोनों के प्रति आलोचनात्मक था।

इस पुस्तक को देश के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण संस्थान लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी के पुस्तकालय में शामिल किया गया है। इसके अलावा आईसीएचआर, एआईसीटीई और गोवा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने भी इसे अपने संग्रह में स्थान दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस पुस्तक की सराहना हो रही है।

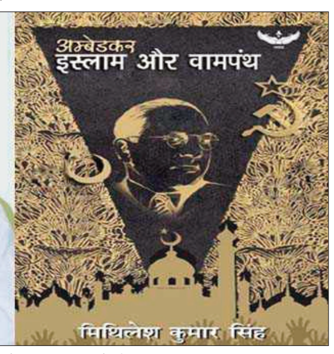

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल जैसे विश्वप्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों की लाइब्रेरीज में यह पुस्तक शामिल की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कृति न केवल भारतीय समाज के जटिल मुद्दों पर केंद्रित है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी शोध और विमर्श के लिए प्रासंगिक है।

लेखक मिथिलेश कुमार सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा, यह सम्मान न केवल उनका व्यक्तिगत गौरव है बल्कि भारत की सामाजिक चेतना और वैचारिक समृद्धि की भी स्वीकृति है।

वर्तमान में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के पद पर कार्यरत श्री सिंह का मानना है कि जाति, धर्म और वर्ग आधारित संरचनाओं को समझने और उनके बीच संवाद की संभावनाओं को तलाशना आज के समय की आवश्यकता है और यही उनकी पुस्तक का उद्देश्य भी है। इस पुस्तक की वैश्विक स्वीकृति इस बात का संकेत है कि भारत के सामाजिक प्रश्न अब केवल स्थानीय स्तर पर सीमित नहीं हैं बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक विमर्श का भी हिस्सा बन चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि बिहार और पूरे हिंदी भाषी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है क्योंकि यह दिखाता है कि इस क्षेत्र की लेखनी भी वैश्विक मंच पर न केवल सराही जा सकती है बल्कि गंभीर विमर्श का हिस्सा भी बन सकती है। अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ अब एक ऐसा बौद्धिक दस्तावेज बन चुकी है, जो आने वाले समय में शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और नीति निर्माताओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी।

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' अंतिम चरण में: जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुका है। देश का पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 की पहली तिमाही मे अभियान पर रवाना होगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए इस मिशन की वर्तमान स्थिति, तकनीकी प्रगति तथा भारत के लागत प्रभावी अंतरिक्ष कार्यक्रम से होने वाले व्यापक आर्थिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इसरो तथा अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन भी उनके साथ थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि टीवी-डी1 मिशन तथा इस वर्ष की शुरुआत में पहले मानवरहित परीक्षण यान मिशन के सफल समापन ने आगामी परीक्षण कार्यक्रम के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। दूसरा टेस्ट व्हीकल मिशन 2025 के अंत में निर्धारित किया गया है, उसके बाद गगनयान की बिना चालक वाली कक्षीय उड़ानें होंगी। ये मील के पत्थर 2027 में भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के साथ समाप्त होंगे, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भारतीय धरती से भारतीय रॉकेट पर सवार होकर कक्षा में भेजा जाएगा।

इसे 'ऐतिहासिक मिशन' कहते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने रेखांकित किया कि गगनयान कार्यक्रम वैज्ञानिक उपलब्धियों से कहीं आगे है। उन्होंने कहा,यह स्वदेशी तकनीक, राजकोषीय विवेक और दूरदर्शी राजनीतिक नेतृत्व पर आधारित वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत के उदय का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष में भारत की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है, जिसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय भेजना शामिल है। मानव-रेटेड वाहन, क्रू एस्केप सिस्टम और क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल सभी परीक्षण और एकीकरण के अंतिम चरण से गुजर रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि इस वर्ष के अंत में मानव रहित कक्षीय गगनयान मिशन लॉन्च के लिए तैयार है, भारतीय नौसेना के साथ रिकवरी ट्रायल पहले ही किए जा चुके हैं और अधिक समुद्री रिकवरी सिमुलेशन की योजना बनाई गई है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण भी लगातार आगे बढ़ रहा है।

मीडिया को यह भी बताया गया कि अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुने गए चार भारतीय वायु सेना के पायलटों ने रूस में प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और भारत में मिशन-विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। भारत के अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र में उनके स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिक फिटनेस और सिमुलेशन-आधारित परिचालन तत्परता का लगातार मूल्यांकन किया जा रहा है।

पहलगाम नरसंहार का परिणाम : कई होटल और रिसार्ट पर लगा फॉर-सेल का पर्चा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 मई।

पहलगाम में हुए पर्यटकों के नरसंहार का खामियाजा कश्मीर को भुगतना पड़ रहा है। नब्बे फीसदी से अधिक टूरिस्ट बिजनेस खत्म हो जाने का परिणाम है कि कई होटल और रिसार्ट वाले अपनी प्रापर्टी बेचने को मजबूर होने लगे हैं। जम्मू कश्मीर के पर्यटन उद्योग के हितधारकों को चिंतित करने वाले एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, पिछले सप्ताह श्रीनगर और अन्य पर्यटन केंद्रों में बड़ी संख्या में होटल और टूरिस्ट सम्पत्तियां बिक्री के लिए सूचीबद्ध की गई हैं जिससे क्षेत्र के टूरिस्ट क्षेत्र में बड़े बैंक ऋण वाले नए प्रवेशकों की आर्थिक स्थिरता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

खरीदारों की तलाश कर रहे प्रॉपर्टी डीलरों ने कुछ पत्रकारों को बताया कि पिछले सप्ताहांत में ही कम से कम सात उच्च मूल्य वाले होटल और गेस्टहाउस, जिनमें से अधिकांश बुलेवार्ड रोड, निशात, राजबाग, सोनवार, वजीर बाग और यहां तक कि सोनमर्ग जैसे प्रमुख पर्यटक क्षेत्रों में स्थित हैं, चुपचाप बाजार में डाल दिए गए हैं। इन सम्पत्तियों में स्विमिंग पूल और जिम वाले लक्जरी होटल से लेकर विशाल लान और निजी पार्किंग वाले झील के किनारे काटेज भी शामिल हैं।

बिक्री के लिए रखी गई सम्पत्तियों में डल झील के पास 6 कनाल की एक विशाल सम्पत्ति है, जिसमें 33 कमरे, पांच कॉटेज, एक स्विमिंग पूल और आगे के निर्माण के लिए जगह है, जिसकी कीमत 95 करोड़ रुपए है। इसी तरह, रेडिसन होटल के पास राजबाग में 35 कमरों और व्यापक सुविधाओं वाले एक होटल की कीमत 85 करोड़ रुपए है। निशात में 18 कमरों, स्टाफ क्वार्टर और दोहरे एक्सेस पाइंट वाली एक और प्रीमियम झील किनारे की सम्पत्ति 30 करोड़ रुपए में सूचीबद्ध है।

सोनावर में 37 कमरों, एक रेस्तरां, 40 सीटों वाला सिनेमा, जिम, बार और यहां तक कि एक वाइन शाप वाली एक अनूठी अूरिस्ट सुविधा भी 45 करोड़ रुपए में बिक्री

के लिए है। छोटे लेकिन प्रमुख स्थान वाले होटल - जैसे निशात गार्डन के पास एक रेस्तरां के साथ 15 कमरों की सम्पत्ति और वजीर बाग में 45 कमरों की सुविधा - लिस्टिंग में शामिल हैं। लिस्टिंग की इस अचानक लहर को टूरिज्म सेक्टर में गहरे वित्तीय तनाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, मुख्य रूप से नए प्रवेशकों को उच्च प्रतिस्पर्धा और बैंक ऋण चुकौती कार्यक्रमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल भर में रिकार्ड तोड़ पर्यटकों के आगमन के बावजूद, हितधारकों का सुझाव है कि उच्च परिचालन लागत, कम आफ-सीजन आक्यूपेंसी, विनियामक अनिश्चितताएं और असंगत पर्यटक प्रवाह ने इन नए और उच्च बैंक ऋण जोखिम आप्रेटरों के लिए अस्थिर स्थितियां पैदा की हैं।

पर्यटन उद्योग के एक अनुभवी का कहना था कि आतंकवाद के चरम के दौरान भी होटलों की बिक्री का यह स्तर नहीं हुआ था। यह एक मौन संकट है। हम जो देख रहे हैं वह केवल सुधार नहीं है, यह इन संकटग्रस्त प्रवेशकों के लिए एक संकट की घड़ी है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जब तक वित्तीय राहत प्रदान करने और संकटग्रस्त और नए होटल व्यवसायियों के लिए नीतिगत ढांचे को स्थिर करने के लिए तत्काल कदम नहीं उठाए जाते, तब तक इस तरह की और लिस्टिंग हो सकती हैं, जिससे कश्मीर की टूरिज्म अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास कम हो सकता है।

विक्रेताओं और प्रॉपर्टी डीलरों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन उच्च मूल्य वाली सम्पत्तियों को कौन खरीदेगा। जबकि जम्मू कश्मीर के भीतर उच्च निवल मूल्य वाले खरीदारों का एक निश्चित समूह हाल के दिनों में ऐसी उच्च मूल्य वाली सम्पत्तियां खरीद रहा है, आज के वित्तीय तनाव में, यहां तक कि वे खरीदार भी कश्मीर में निवेश करने में सतर्क हैं। हालांकि, अन्य लोग इसे बाजार की सामान्य घटना मानते हैं। प्रापर्टी डीलर नजीर अहमद खान कहते हैं कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। ये उच्च आय वाली सम्पत्तियां हैं और ये पैसे के लिए बढ़िया मूल्य और भविष्य की व्यावसायिक क्षमता प्रदान करती हैं। इन सम्पत्तियों को खरीदने के लिए जिस तरह की पूंजी की आवश्यकता है, वह किसी भी स्थिति में जीत की स्थिति में होगी।

एक अन्य होटल व्यवसायी फिरदौस अहमद मीर इस बात से सहमत हैं कि यह संभव है कि मालिकों को किसी अन्य परियोजना के लिए तत्काल पूंजी की आवश्यकता हो या उनके बैंक ऋणों को तत्काल चुकाने की आवश्यकता हो। यह सामान्य हो सकता है और इसमें कोई सवाल ही नहीं है कि आसपास खरीदार क्यों नहीं हो सकते। खरीदार तो हैं, लेकिन हो सकता है कि इसमें सामान्य से थोड़ा अधिक समय लगे।

एमएसएमई विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा

बाजार मांग के अनुरूप एमएसएमई इकाइयों को तैयार रहना होगा

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को बदलते बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहना होगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा एमएसएमई बेस है, इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े युवाओं की क्षमता संवर्धन के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 'सीएम-युवा' योजना के अंतर्गत नए उद्यमियों को ऋण देने से पूर्व उन्हें विधिवत और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण अवश्य प्रदान किया जाए।

मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र के समग्र विकास, उद्यमिता के विस्तार, रोजगार सृजन और निर्यात वृद्धि के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयाँ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ बड़े उद्योगों के लिए एंकर यूनिट के रूप में भी कार्य कर रही हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयाँ सक्रिय हैं, जो राज्य के कुल निर्यात में करीब 46 प्रतिशत का योगदान कर रही हैं और 1.65 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'ब्रांड यूपी' के मंत्र को साकार करने के लिए एमएसएमई सेक्टर को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त बनाए जाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला, कृषि आधारित उत्पादन और नवाचार पर आधारित उद्यमशीलता को अब वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का उपयुक्त समय है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य की योजनाएं युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समाज के आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर बनाई जाएं और इनकी सतत निगरानी भी सुनिश्चित हो। स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 3.21 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है, जबकि 56 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एक लाख वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप योजना के लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से ऋण वितरण हो। इसके लिए बैंकिंग संस्थानों से समन्वय सशक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण देने से पूर्व चयनित युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2018-19 में जहां 7,600 कारीगरों को प्रशिक्षित कर टूलकिट वितरित की गई थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 75,000 से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री ने योजना के कवरेज को और बढ़ाने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने तथा टूलकिट की उपयोगिता और मजबूती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स एमएसएमई इकाइयों के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल है, जिसमें सीमित स्थान में बहु-इकाई औद्योगिक संचालन संभव होता है। कानपुर में इसका सफल उदाहरण देखा गया है। मुख्यमंत्री ने इस मॉडल को अन्य नगरों में विस्तार देने और निजी क्षेत्र को भी इसमें भागीदार बनाने का सुझाव दिया। सीएम फेलो के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने उनके प्रदर्शन की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अब तक 31 हजार से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए 760 करोड़ की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है, जिससे लगभग ढाई लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला और लघु उद्योगों के पुनर्जीवन का आधार बनी है। वर्ष 2018 से अब तक 635 करोड़ की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है और लाखों लाभार्थियों को प्रशिक्षण, विपणन, डिज़ाइन और अन्य तकनीकी सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने ओडीओपी उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग, पैकेजिंग और डिज़ाइन को और बेहतर बनाकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में उन्हें सक्षम बनाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश के 77 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त है, जिससे राज्य देश में अग्रणी है। 25 अन्य उत्पादों के लिए जीआई टैगिंग प्रक्रिया प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में 75 नए उत्पादों को जीआई टैग दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए सम्बंधित उद्यमियों को जीआई ऑथराइज्ड यूजर के रूप में पंजीकृत किया जाए, जिससे उनके उत्पादों की विशिष्ट पहचान बनी रहे और विपणन को बल मिले

उत्तर प्रदेश के भू-अभिलेखों का होगा डिजिटल आधुनिकीकरण

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेशभर के भू-अभिलेखों को डिजिटल करने के लिए 121 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह बजट भारत सरकार के डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत स्वीकृत किया गया है। इस योजना के धरातल पर उतरने से न केवल लोगों को दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी, बल्कि पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनता की सुविधा के लिए पूरे प्रदेश के भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया जाए।

इस योजना के अंतर्गत जमीन से जुड़े सभी अभिलेख जैसे भू-नक्शा, खतौनी और खसरा को डिजिटल माध्यम से आमजन तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी, जिसके लिए विस्तृत डाटा बैंक बनाया जाएगा। इससे भूमि से संबंधित दस्तावेज एक क्लिक में उपलब्ध हो सकेंगे। डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत भारत सरकार ने कुल 121 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। इसमें से अब तक 46 करोड़ 45 लाख रुपए जारी कर दिए गए हैं। शेष 74 करोड़ 64 लाख रुपए जल्द ही अवमुक्त किए जाएंगे।

इस परियोजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में आधुनिक अभिलेख कक्ष (मॉडर्न रिकॉर्ड रूम) की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही डीआईएलआरएमपी सेल भी गठित की जाएगी, जो इस कार्य को क्रियान्वित करेगी। इसके अलावा विशेष कंप्यूटर प्रयोगशाला और डाटा बैंक भी बनाया जाएगा। इसके जरिए भू-अभिलेखों तक आम जनता की पहुंच को आसान बनाने का मार्ग सुनिश्चित किया जा सकेगा। जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है जिसको क्रियान्वित करने की प्रक्रिया धरातल पर उतारी जा रही है। इस कार्य को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के गठन की प्रक्रिया जारी है। प्रक्रिया पूरी होने पर योजना के अंतर्गत निर्धारित सभी कार्यों का निष्पादन समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो सकेगा।

नवंबर में आयोजित होगा पहला दुधवा महोत्सव

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी स्थित दुधवा टाइगर रिजर्व में दुधवा महोत्सव कराने का निर्णय लिया है। दुधवा महोत्सव नवंबर में होगा।

यह प्रदेश का पहला आवासीय सांस्कृतिक एवं वन्यजीव महोत्सव है। तीन दिवसीय महोत्सव-25 न सिर्फ प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और जैविक समृद्धि का उत्सव होगा, बल्कि यह पर्यटकों को जंगल की गोद में प्रकृति से जुड़ने और थारू संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी देगा। साथ ही देश की जानी मानी हस्तियों द्वारा परफॉर्मेंस भी दी जाएगी।

प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश को बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए नवंबर में तीन दिवसीय महोत्सव-25 का आयोजन किया जाएगा। इसमें 2,000 से अधिक पर्यटक शामिल होंगे।

महोत्सव का केंद्र सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक दृश्य, ग्रामीण पर्यटन, थारू जनजाति की विरासत, उनका खानपान, हस्तशिल्प, औषधीय ज्ञान और जीवनशैली होगा। इस दौरान पर्यटक कैम्पिंग की सुविधा का लाभ भी उठा सकेंगे। इसके लिए तीन श्रेणियों में 200 से अधिक टेंट्स स्थापित किए जाएंगे। वहीं स्थानीय थारू परिवारों के साथ होमस्टे की भी सुविधा दी जाएगा, जिससे पर्यटक ग्रामीण जीवन का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा पर्यटक वन्यजीव सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे।

इस दौरान गाइडेड टूर के साथ दुधवा के जैव विविधता को देखने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं महोत्सव में देश की जानी मानी हस्तियां शास्त्रीय, लोक और ग्लोबल बीट्स समेत अन्य परफॉर्मेंस देंगे। इसे तीन हिस्से में विभाजित किया गया है। इसमें मेन स्टेज, टेक्नो स्टेज और फोटोग्राफी एंड लाइफ स्टाइल जोन शामिल है। ये मंच न सिर्फ संगीत प्रेमियों और युवाओं को लुभाएंगे, बल्कि प्रकृति, फोटोग्राफी और जीवनशैली के शौकीनों को भी एक यादगार अनुभव प्रदान करेंगे।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ने समाजवादी पार्टी को खूब धोया

यूपी में श्रम को मिल रहा सम्मान: राजभर

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी को खूब घेरा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भी श्रमिकों की बात कर रही है, यह सुनकर आश्चर्य हो रहा है। सपा नेता कभी छात्रों तो कभी बुंदेलखंड के किसानों को बुलाकर गुमराह करते हैं। सपा नेता आज श्रमिक संगठनों के लोगों को बुलाकर श्रमिकों को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। योगी सरकार के कार्यों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि नए कारखानों के सृजन, पंजीयन में देश में यूपी पहले स्थान पर है। यूपी में आज प्रतिदिन 10 नई कंपनियां पंजीकृत हो रही हैं। श्रमिकों को अपने गांव, जिले, क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है। यूपी श्रमेव जयते के नारे के साथ बढ़ रहा है। यूपी की धरती पर आज श्रम को सम्मान मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में यूपी की योगी सरकार श्रमिकों के सम्मान के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में जो कार्य किया है, वह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी सरकार ने श्रमिक के बच्चों के पढ़ने के लिए अटल आवासीय विद्यालय बनाया है। करोड़पति का बेटा भी वैसे स्कूल में नहीं पढ़ता होगा, जैसा स्कूल यूपी सरकार ने गरीब मजदूर के बच्चों को पढ़ने के लिए बनाया है। यूपी सरकार का संकल्प है कि श्रमिक का बच्चा श्रमिक, मजदूर का बच्चा मजदूरी न करे। यूपी सरकार उन्हें आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनाएगी और सम्मान की जिंदगी देगी।

राजभर ने कहा कि शहरों के अंदर सराय योजना लेकर आ रहे हैं। गांव-देहात से रोटी कमाने शहरों में आने वाले श्रमिकों को रहने की परेशानी होती है। सरकार शहर में उनके रहने का इंतजाम करेगी।

जिन लेबर अड्डे पर श्रमिक खड़े होते हैं, उन अड्डे को हर सुविधाओं से संपन्न किया जाएगा। यूपी सरकार मजदूरों के वेलफेयर के लिए अलग से 10 योजनाएं चला रही है। हमारी सरकार उनके बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था कर रही है, जबकि चार बार सरकार चलाने के बावजूद सपा सरकार में ऐसा कभी नहीं दिखा, तब मजदूर व गरीब वर्ग पलायन को मजबूर होता था। हमने पलायन रोका है। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यूपी का श्रमिक सपा के असली चेहरे से वाकिफ है। सदियों से प्यासी बुंदेलखंड की धरती को यूपी सरकार सिंचित कर और जल जीवन मिशन चलाकर किसानों व माटी को नया जीवन देने का कार्य कर रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस के जरिए बुंदेलखंड विकास की नई धारा के साथ आगे बढ़ रहा है। राजभर ने कहा भाजपा सरकार के साथ श्रमिकों, मजदूरों का समर्थन देख सपा को घबराहट हो रही है। बिना तथ्य बात करना और नकली लोगों को अपने कार्यालय में खड़ा करके गरीबों व आमजन को गुमराह करने के संबंध में सपा की दाल गलने वाली नहीं है। अभी आयुष्मान योजना, ईएसआईसी हॉस्पिटल में श्रमिकों के इलाज की समुचित व्यवस्था की जा रही है। भाजपा सरकार में श्रमिक भाई सम्मान की रोटी कमा रहा है और बच्चों को पेट भरते हुए परिवार को आगे लेकर जा रहा है

सस्ती दरों पर बिजली खरीदेगी उत्तर प्रदेश सरकार

कैबिनेट बैठक में मिली प्रस्ताव को मंजूरी

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी और दूरदर्शी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को 1600 मेगावाट क्षमता की तापीय परियोजना से कुल 1500 मेगावाट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया गया है। बिडिंग प्रक्रिया में सबसे कम टैरिफ दर (5.38 रुपए प्रति यूनिट) की पेशकश करने वाली निजी कंपनी को परियोजना के लिए चुना गया है। इससे यूपी पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) को 25 वर्षों में लगभग 2958 करोड़ रुपए की बचत होगी।

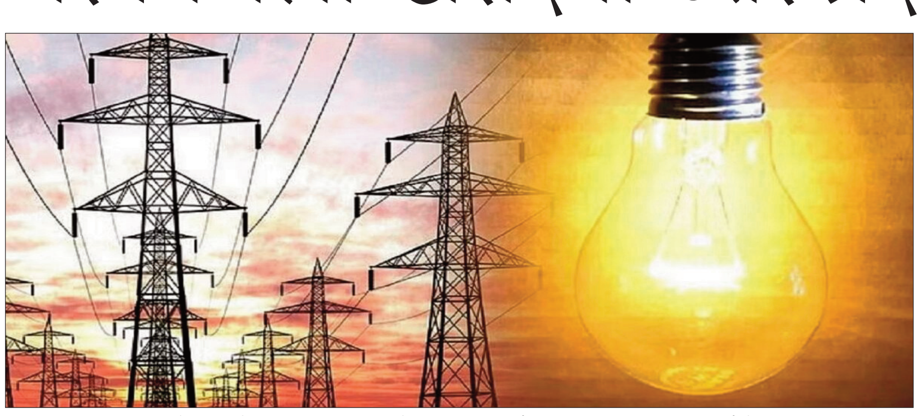

योगी सरकार की इस नई पहल से उत्तर प्रदेश को साल 2030-31 से 1500 मेगावाट बिजली बेहद सस्ती दर पर मिलने लगेगी। यह नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती है। जहां जवाहरपुर, ओबरा, घाटमपुर, पनकी जैसी परियोजनाओं से बिजली 6.6 रुपए से लेकर 9 रुपए प्रति यूनिट तक मिल रही है, वहीं DBFOO के तहत प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 2030-31 में प्लांट के कमीशन होने के बाद बिजली सिर्फ 6.10 रुपए प्रति यूनिट की दर से प्राप्त होगी।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा की मांग को पूरा करने और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कुछ ऊर्जा बिडिंग प्रोसेस से खरीदने का निर्णय किया है। उसी कड़ी में 1600 मेगावाट पावर प्लांट को लेकर हम आगे बढ़े हैं।

हमारी शर्त थी कि जब यह प्लांट उत्तर प्रदेश में लगेगा तभी बिजली खरीदेंगे। प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन इश्यू किया था, जिसमें 7 कंपनियां आई थीं। इनमें से 5 कंपनियों ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (फाइनेंशियल बिड) में हिस्सा लिया। पांचों कंपनियों में जिस निजी कंपनी का कोटेशन सबसे लोएस्ट था उसके साथ निगोशिएशन के बाद उन्होंने फिक्स्ड चार्ज में 3.727 रुपए प्रति यूनिट और फ्यूल चार्ज में 1.656 रुपए प्रति यूनिट समेत कुल टैरिफ 5.38 प्रति यूनिट की न्यूनतम बिड पेश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

इसी टैरिफ पर 25 वर्षों की अवधि के लिए पावर सप्लाई एग्रीमेंट (पीएसए) हस्ताक्षरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसी निजी कंपनी ने पिछले साल अगस्त में महाराष्ट्र के साथ भी इसी प्रकार की प्रक्रिया की थी। उसकी अपेक्षा भी हमारी डील उससे कुछ सस्ती है। यही नहीं, इससे पहले भी हमारे बड़े पावर परचेज एग्रीमेंट्स हुए हैं, उसकी अपेक्षा भी मौजूदा डील सस्ती है। सार्वजनिक क्षेत्र के जो हमारे पावर प्लांट्स हैं उनकी भी बिजली का जो अनुबंध हुआ है उनकी अपेक्षा भी यह वर्तमान प्रक्रिया की बिजली काफी सस्ती पड़ेगी। उन्होंने बताया कि 2030-31 में जब पावर प्लांट तैयार होगा तब भी टैरिफ 6.10 रुपए पड़ेगा जो हमारे सार्वजनिक संयंत्रों की बिजली से सस्ता होगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्ययन के अनुसार, राज्य को वर्ष 2033-34 तक लगभग 10,795 मेगावाट अतिरिक्त तापीय ऊर्जा की जरूरत होगी। इसके साथ ही 23,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी रोडमैप तैयार किया गया है। तापीय परियोजना वित्तीय वर्ष 2030-31 में शुरू हो जाएगी। इससे न सिर्फ बेस लोड ऊर्जा की जरूरत पूरी होगी, बल्कि राज्य में उद्योगों व घरेलू उपभोक्ताओं को भी स्थिर और सस्ती बिजली मिल सकेगी।

गाय के गोबर से बने पेंट से रंगी जाएंगी यूपी की इमारतें

प्राकृतिक रंगों को बढ़ावा देने का सीएम योगी का आदेश

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुपालन और डेयरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में गौसेवा, डेयरी उद्योग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। उन्होंने सरकारी इमारतों पर गोबर आधारित प्राकृतिक पेंट के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही और डेयरी क्षेत्र को तकनीक तथा नवाचार से सशक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गौ संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। हालांकि, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव इससे भड़क गए और उन्होंने कटाक्ष कसते हुए इसे गोबरनामा बताया और भाजपा का नया कारनामा करार दिया। विडंबना यह है कि यादव समाज पशुपालक रहा है। इससे पहले अखिलेश यादव ने गोबर से दुर्गंध आने की बात कही थी।

सीएम योगी ने मंडल स्तर पर स्वदेशी गायों की नस्लों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित करने और उत्कृष्ट गौ आश्रय स्थलों को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही गाय आधारित उत्पादों का निर्माण करने वाले संगठनों के लिए नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने हेतु प्रतियोगिताएं आयोजित करने का सुझाव भी दिया। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब तक 40,968.29 हेक्टेयर चरागाह भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, जिसमें से 12,168.78 हेक्टेयर भूमि को हरे चारे के उत्पादन के लिए समर्पित किया गया है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जिनमें महिला स्वयं सहायता समूहों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब तक 21,884 गौसेवकों को प्रशिक्षण देकर तैनात किया गया है।

बरेली में आईएफएफसीओ, आवंला के सहयोग से जैविक खाद और गोमूत्र प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना प्रगति पर है। राज्यभर के 7,693 गौ आश्रय स्थलों में लगभग 11.49 लाख गायों को आश्रय प्रदान किया गया है, जिनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरों और नियमित निरीक्षणों के माध्यम से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने आश्रयों में पशु चिकित्सा सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने, भूसा बैंक की स्थापना, और चारा, चोकर व पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

फिलहाल आर्थिक स्ट्राइक

भारत ने पाकिस्तान पर फिलहाल आर्थिक स्ट्राइक की है। हर तरह के आयात-निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है। किसी और देश के जरिए भी पाकिस्तान का सामान नहीं आ सकेगा। हालांकि 2024-25 में पाकिस्तान से मात्र 4 करोड़ रुपए का आयात किया गया, जबकि भारत का निर्यात 3764 करोड़ रुपए का था। कारोबार बंद करने से नुकसान भारत का ही होगा, लेकिन दुश्मन को चारों खाने चित करने की यह भी एक कारगर रणनीति है। पाकिस्तान में पंजीकृत या उसके झंडे वाले जहाज और नौकाएं भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगी। उनके प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी गई है। सभी तरह की डाक सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान की चौतरफा घेरेबंदी की जा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, आसियान विकास बैंक में भी शिकायत दर्ज करेगा कि पाकिस्तान को दिए जा रहे कर्जों की गहन समीक्षा की जाए, क्योंकि गुरबत और गरीबी के नाम पर जारी किए जा रहे कर्जों का पैसा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। जुलाई, 2024 से इस कर्ज की किस्तें शुरू हुई हैं। कुल 37 किस्तों में यह कर्ज दिया जाना है। मई, 2025 में ही आईएमएफ का बोर्ड 1.3 अरब डॉलर के कर्ज पर विमर्श करेगा। भारत इस आर्थिक स्रोत को भी खंडित कर पाकिस्तान की भुखमरी और बदहाली को इतना बढ़ा देना चाहता है कि पाकिस्तान बिलबिला उठे और आतंकियों को पालने-पोसने लायक ही न रहे। आसियान विकास बैंक ने भी पाकिस्तान को 43.4 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। अभी तक कुल 53 कर्ज और 3 अनुदान दिए जा चुके हैं। कुल राशि 9.13 अरब डॉलर की है। खैबर पख्तून की ग्रामीण सडक़ विकास परियोजना के लिए 32 करोड़ डॉलर देने की बात कही गई है। इसी तरह जनवरी, 2025 में विश्व बैंक ने पाकिस्तान को 20 अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की थी। पाकिस्तान कर्ज के पैसे पर जिंदा देश है। यदि भारत के आग्रह और साक्ष्यों के आधार पर पाकिस्तान को मिलने वाले ये कर्ज रद्द या कम अथवा स्थगित कर दिए जाते हैं, तो वहां की अवाम सडक़ों पर उतर कर मुल्क की हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर सकती है। पाकिस्तान की 40 फीसदी से अधिक अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है। वहां की औसत गरीबी-दर करीब 25.3 फीसदी और महंगाई दर करीब 13 फीसदी है। पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2 फीसदी से भी कम है। भारत की आर्थिक स्ट्राइक पाकिस्तान को और अधिक विपन्न कर सकती है। जरूरी वस्तुओं का अकाल पड़ सकता है। चीन और तुर्किये सरीखे देश पाकिस्तान की कितनी मदद कर सकते हैं? सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सरीखे इस्लामिक देशों ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का समर्थन किया है। चीन फिलहाल खामोश है। पाकिस्तान का वजूद संकट में घिरता लग रहा है। इन कर्जों के अलावा, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) का रास्ता भी भारत के लिए खुला है। पाकिस्तान 2012-15 और 2018-22 के दौरान फाट्फ की 'ग्रे लिस्ट' में रहा है। इससे विदेशी निवेश और कर्ज मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। लगभग असंभव स्थिति बन जाती है। यह संगठन आतंकवाद पर देशों की समीक्षा करता है। 'ग्रे लिस्ट' के बाद देश 'काली सूची' में आ जाएं, तो दुनिया के देश भीख भी नहीं देते। फाट्फ की बैठक 9 मई को है। उसके 40 में से 25 सदस्य भारत के समर्थन में हैं। फिर भी भारत को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों की फंडिंग के सबूत देने होंगे।

पाकिस्तान में पंजीकृत या उसके झंडे वाले जहाज और नौकाएं भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ सकेंगी। उनके प्रवेश पर भी पाबंदी लगा दी गई है। सभी तरह की डाक सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान की चौतरफा घेरेबंदी की जा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, आसियान विकास बैंक में भी शिकायत दर्ज करेगा कि पाकिस्तान को दिए जा रहे कर्जों की गहन समीक्षा की जाए, क्योंकि गुरबत और गरीबी के नाम पर जारी किए जा रहे कर्जों का पैसा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। जुलाई, 2024 से इस कर्ज की किस्तें शुरू हुई हैं। कुल 37 किस्तों में यह कर्ज दिया जाना है। मई, 2025 में ही आईएमएफ का बोर्ड 1.3 अरब डॉलर के कर्ज पर विमर्श करेगा। भारत इस आर्थिक स्रोत को भी खंडित कर पाकिस्तान की भुखमरी और बदहाली को इतना बढ़ा देना चाहता है कि पाकिस्तान बिलबिला उठे और आतंकियों को पालने-पोसने लायक ही न रहे। आसियान विकास बैंक ने भी पाकिस्तान को 43 .4 अरब डॉलर का कर्ज देना तय किया था। अभी तक कुल 53 कर्ज और 3 अनुदान दिए जा चुके हैं। कुल राशि 9 .13 अरब डॉलर की है।

देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है

युद्ध में आर्थिकी भी प्रभावी हथियार

डा. जयंतीलाल भंडारी

पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोट्र्स प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा।

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोट्र्स प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा। वस्तुतः इस समय जहां पूरा देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है, वहीं देश की मजबूत घरेलू आर्थिकी भी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार तेजी से बढने की प्रवृत्ति दिखा रहा है। 30 अप्रैल को भारत का सेंसेक्स 80242 अंकों की ऊंचाई पर दिखाई दिया है। साथ ही डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। माह अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.09 लाख करोड रुपए स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच नई संभावनाओं वाला देश है और भारत वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ट्रंप टैरिफ और वैश्विक व्यापार युद्ध के दौर में नीतिगत चुस्ती और दीर्घकालिन नजरिए से वैश्विक व्यापार चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत है। निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) के द्वारा जारी ट्रेड एंड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि वैश्विक मंदी की आशंका और बढ़ते व्यापार तनावों के बीच भी घटती ब्याज दर,

घटती महंगाई और घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में यद्यपि दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार नीति में बदलाव के कारण विकास दर घटकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह सकती है। पूरे दक्षिण एशिया में विकास दर 5.6 फीसदी रहने की संभावना है। कुछ देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका भारी कर्ज और महंगे खाद्य पदार्थों के चलते दबाव में रह सकते हैं, लेकिन टैरिफ चुनौतियों के बीच भी भारत में आर्थिक वृद्धि जारी रहेगी, क्योंकि सरकार सार्वजनिक खर्च को बढ़ा रही है और रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में कटौती की है। इससे न केवल घरेलू खपत को सहारा मिलेगा, बल्कि निजी निवेश में भी उछाल आने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पाकिस्तान से युद्ध के माहौल, टैरिफ की चुनौतियों और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की शक्ति बन गई है। भारत अपने मजबूत स्थानीय और घरेलू बाजार से किसी भी आर्थिक झटके का सामना करते हुए आगे बढने की संभावना रखता है। इस समय छह महत्वपूर्ण आधार भारत की घरेलू आर्थिकी को मजबूती देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें घटती महंगाई, घटती ब्याज दर, अच्छा मानसून, बढ़ता शेयर बाजार, मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति और ट्रंप के टैरिफ से मुकाबला करने की भारत की कूटनीतिक रणनीति शामिल है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई और ब्याज दर में संतुलन बनाए रखने की नीति पर लगातार आगे बढ़ रहा है। 9 अप्रैल को आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करते हुए इसे 6 फीसदी कर दिया है। साथ ही अब रिजर्व बैंक की आगामी बैठक में ब्याज दरों में अधिक कटौती की उम्मीदें मजबूत हो गई है। अब तक ब्याज दरें अधिक होने से उपभोक्ता कर्ज लेने से पीछे हट रहे थे और कर्ज की अधिक लागत से उद्यमी भी विस्तार की योजनाओं के लिए तत्परता नहीं दिखा रहे थे। ऐसे में नए फैसलों से लोगों की क्रयशक्ति और खपत बढने से विकास दर को गति दी जा सकेगी। निःसंदेह देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के जोरदार संकेत विकास दर को बढ़ाने वाले सकारात्मक संदेश हैं। भारत का शेयर बाजार दूसरे देशों की तुलना में बढने की प्रवृत्ति दिखा रहा है। रुपया मजबूत हो रहा है। निर्यात बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। सरकार के पूंजीगत खर्च बढने से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है। लंबे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातित कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। चीन से त्योहारी उत्पादों के आयात में कमी के साथ-साथ खिलौनों जैसी वस्तुओं के आयात में भी सराहनीय कमी आई है। इस समय देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति भी आर्थिकी के लिए अहम है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इन सबके साथ-साथ एक और महत्वपूर्ण आधार भारत की आर्थिकी को नई शक्ति देने वाला है। भारत ट्रंप के टैरिफ की चुनौती के मुकाबले के लिए आर्थिक कूटनीति के साथ आगे बढ़ा है। निःसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार के द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। भारत में आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर भी ध्यान दिया जाना होगा।

दृष्टि कोण

भारतीय कला-साहित्य के ध्वजवाहक टैगोर

रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य एवं कला को बुलंदियों तक ले जाने वाले महापुरुष थे। उन्होंने भारतीय साहित्य को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने में अग्रिम भूमिका निभाई। एक कवि एवं कहानीकार, नाटककार के अतिरिक्त उनका नाम चित्रकार एवं कलाकार के रूप में अदब से लिया जाता है। वर्ष 1913 में विश्व साहित्य जगत का सर्वोत्तम पुरस्कार 'नोबेल' मिलना उनके लेखक व कवि के रूप में उनके कद और काबीलियत को बयां करता है। उस वक्त जब पूरा भारत उपनिवेशवाद व दासता की बेडियों में जकड़ा था, उस दौर में भारतीय साहित्य के केवल ध्वजवाहक ही नहीं, बल्कि विश्व के सर्वोत्तम साहित्यकार का तमगा अपने नाम करना उनकी विलक्षण प्रतिभा को दर्शाता है। टैगोर को नोबेल पुरस्कार उनके अत्यंत संवेदनशील व सुंदर काव्य संग्रह 'गीतांजलि' के लिए दिया गया। मूलतः टैगोर बंग्ला भाषा में लिखते थे। गीतांजलि काव्य संग्रह के द्वारा टैगोर ने अपने काव्यात्मक विचारों को अंग्रेजी शब्दों में पूर्ण कौशल के साथ पिरोकर अंग्रेजी साहित्य का हिस्सा बन गए। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई सन् 1861 को कोलकाता में एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनके पिताजी देवेंद्रनाथ टैगोर देश के जाने-माने समाज सुधारक थे, जो राजा राम मोहन राय से प्रभावित थे। उनके दादाजी की अगर बात करें तो उनका नाम द्वारकानाथ टैगोर था। वह अपने समय के बहुत बड़े उद्यमी थे। उनका नाम उस दौर के अमीर व्यक्तियों में शुमार था। लेकिन उनके बेटे देवेंद्रनाथ टैगोर ने अध्यात्म का मार्ग अपनाया। वहीं रवींद्रनाथ टैगोर का बाल्यकाल उनकी माता जी की जल्दी मृत्यु के कारण नौकरों की देखरेख में बीता। स्कूल के दिनों में वह पढ़ाई-लिखाई में खास अच्छे नहीं थे। इसलिए उन्होंने विद्यालय छोड़ दिया, परंतु उनके भाई हेमेंद्र नाथ ने उन्हें पढ़ाने का जिम्मा लिया। हेमेंद्र नाथ ने उन्हें विज्ञान व गणित विषयों को पढ़ाने के अलावा फिटनेस प्रशिक्षण, जूडो व तैराकी जैसी आवश्यक खेलों का भी ज्ञान प्रदान किया। उनके पिता ने भी उन्हें खगोल विज्ञान, प्राचीन इतिहास व आधुनिक विज्ञान का ज्ञान दिया। इसके अलावा उपनिषद व अनेक धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करवाया। पिता अध्यात्म से जुड़े होने के कारण टैगोर को शांतिनिकेतन ले गए, जो वर्तमान में विश्वभारती विश्वविद्यालय के नाम से प्रसिद्ध है। उसके बाद वह अमृतसर गोल्डन टेंपल में रहे। वहां नित गुरुवाणी सुनते। वह हिमालय की तरफ भी आए तथा हिमाचल प्रदेश के डल्हौजी में वक्त बिताया। यद्यपि बाल्यकाल में उन्हें घर से बाहर जाने की भी अनुमति नहीं थी, व्यक्ति के कदम को रोका जा सकता है, उसकी कल्पना शक्ति को नहीं। टैगोर ने इस बात को तब साबित किया जब उन्होंने केवल आठ वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना शुरू किया। यह कल्पना शक्ति उनको परिवार से मिली क्योंकि उनके भाई-बहन भी अलग-अलग प्रतिभा के धनी थे। उनके बड़े भाई दार्शनिक एवं कवि थे। दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ टैगोर को कौन नहीं जानता, जो यूरोपीय भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईसीएस) की परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय व एशियन थे। एक अन्य भाई ज्योतेंद्र नाथ गीतकार, संगीतकार व कवि थे। वहीं बड़ी बहन स्वर्णकुमारी भी लेखक, गीतकार, निबंधकार, नाटककार व सामाजिक कार्यकर्ता थी। रवींद्रनाथ टैगोर भाई-बहन की इस फेहरिस्त में चौदहवें स्थान पर आते थे, अर्थात टैगोर देवेंद्रनाथ व शारदा देवी की चौदहवीं संतान थे। टैगोर को अनुकूल पारिवारिक माहौल मिलने के कारण उनकी रुचि लेखन की तरफ हुई होगी, ऐसा कहना उपयुक्त होगा। टैगोर के पिता ने उन्हें बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए सन् 1878 में इंग्लैंड भेजा, लेकिन वह सन् 1880 में बिना बैरिस्टर की ड्रिगी लिए वापस लौट गए। साथ लेकर आए कविताएं, निबंध व नाटक, क्योंकि उन्होंने वहां कानून को छोडक़र अंग्रेजी साहित्य को पढ़ा। टैगोर को प्रथम बार उनके बड़े भाई द्विजेंद्र नाथ द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'भारती' में कविता लिखने का मौका मिला। हालांकि सन् 1875 में भी उनकी कविता प्रतिष्ठित अखबार 'अमृत बाजार' में प्रकाशित हुई।

कुछ अलग

ये आत्मबल जीने नहीं देता

आत्मबल सरीखा होना अब सारी ताकतों का जवाब है। आत्मबल की परिस्थितियां हों या न हों, इन्हें आत्मबल सरीखा होना पड़ता है। सबके दादा बताते रहे होंगे कि उनके जमाने में वस्तुओं के मूल्य कितने कमजोर थे, लेकिन आज का आत्मबल बताता है कि मॉल पर खरीदी गई कमीज किस-किस ब्रांड पर भारी है। वैसे हमारे आत्मबल की लड़ाई ब्रांड से है। आश्चर्य यह कि खानपान भी ब्रांड हो गया। घर के चूल्हे में कभी आत्मबल होता था कि यह किसी को खाली पेट जाने नहीं देगा, मांगने वाले तक को भूख से सताने नहीं देगा। उस दिन मांगने वाले का आत्मबल इतना बढ़ गया कि उसने हमारी चाय पीने के बजाय, बाजार की कॉफी के लिए पैसे मांग लिए। दादा कहते थे उनके जमाने में आने में एक किलो घी आता था। तब ग्राहक के भीतर खरीददारी के खिलाफ आत्मबल था। आज के घी-तेल का आत्मबल देखते ही बनता है। हर बार हमसे ज्यादा ऐंठता है। जाहिर है बाजार का आत्मबल हमें जीने नहीं देगा, लेकिन सरकारों का आत्मबल हमें मरने नहीं देगा। उस दिन देश का आत्मबल राशन की दुकान पर खड़ा मिला। वो मुस्करा रहा था, क्योंकि सामने मुफ्त राशन के लिए लंबी कतार लगी थी। देश की मुस्कान को बरकरार रखना कोई आसान काम नहीं, लेकिन सरकारें राज्यों से दिल्ली तक इसी आत्मबल का परिचय देने लगी हैं। जीने के लिए उधार का आत्मबल अगर मिलता रहे, तो सरकारें भी कल्याणकारी दिखाई देती हैं। अब तो नागरिक समाज भी सरकारों के कारण ही चलने लगा है। पूरा बिजली बोर्ड मुफ्त की आपूर्ति में भी ऐसा करंट रखता है कि जनता की सारी शक्ति उसी के कारण दिखाई देती है। अब तो सुबह नहाने से पहले जल शक्ति विभाग के फिटर को मनाने के लिए शक्ति चाहिए। वैसे गौर से देखें तो सरकारों का सारा आत्मबल सरकारी अफसरों, नौकरशाही और कर्मचारियों के पास चला गया है। अब समय समय का आत्मबल अलग-अलग होता है। उस दिन पटवारी का आत्मबल देखकर हमारी पुश्तैनी जमीन डर गई। अगर हम अपनी बारी आने पर पटवारी महोदय की भाषा नहीं समझते, तो सारे बुजुर्ग स्वर्ग से नरक में पहुंच जाते। वैसे जब आत्मबल बंट रहा था, तो सारा का सारा सरकारी नौकरी में चला गया। लोग सोचते हैं अंग्रेजों ने देश को भारत और पाकिस्तान में बांटा, मगर देश का आत्मबल भी बंटा है। सरकारी नौकर बनते ही आत्मबल ऐसे-ऐसे काम करा देता है कि साधारण व्यक्ति केवल चकित ही हो सकता है। यह आत्मबल ही है जो दो करोड़ की इमारत को बीस करोड़ के खर्च से भी मुकम्मल नहीं करता। हमारे निर्माण और विकास की गाथा के पीछे सरकारी नौकरी का आत्मबल इतना साहसी है कि सडक़ों पर गड्ढों तक की परवाह नहीं करता। यह आत्मबल विद्युत आपूर्ति के बिना जनता को अपने अंधेरों का भी इंतजार करा सकता है। प्राइवेट नौकरी बिना आत्मबल के काम करती है, इसलिए सुबह से शाम तक लगातार करती है। किसी दुकानदार में किसी सरकारी इंस्पेक्टर से उलझने का आत्मबल हो ही नहीं सकता। पहले खबरों में आत्मबल होता था, अब पाठक का भी नहीं होता। झूठे, फरेबी और संवेदनहीन लोगों का आत्मबल देखेंगे तो बेहोश हो जाएंगे। हर कोई सोशल मीडिया पर कोशिश कर रहा है, लेकिन हजारों फ्रेंड्स बटोर कर भी किसी 'लाइक' का आत्मबल नहीं होता। सोशल मीडिया भले ही बात-बात पर बात कर ले, लेकिन आज भी किसी अपने का पुराना सा खत आत्मबल देता है।

देश दुनिया से

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा। पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था। दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैं—और जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा। स्पष्टतः प्रधानमंत्री पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग-अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद संबंध तोड़ने से लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक — पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं। सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके

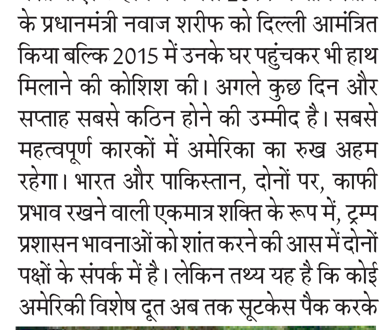

नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ — भले ही भारत सार्वजनिक रूप से 'तीसरे पक्ष' को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है — यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में, उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत-अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा : 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से...'। लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच'। वेंस ने आगे कहा : 'हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाए... और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं, भारत के साथ सहयोग करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके क्षेत्र से कभी-कभार गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उनसे निबटा जाए...'। गिलास आधा भरा या आधा खाली? तमाम बड़ी शक्तियों का वह खेल, जो वे दोनों पक्षों के साथ खेलना चाहती हैं, जहां वेंस भारत के प्रति सहानुभूति दर्शा रहे हैं वहीं स्पष्ट रूप से यह भी चाहते हैं कि वह संयम बरते। इसी बीच, वे पाकिस्तान को 'भारत के साथ सहयोग' करने के लिए भी कह रहे हैं, जबकि खुद अमेरिका को अंतर्राष्ट्रीय जांच में शामिल होने से दूर रखना चाह रहे हैं और यही पाकिस्तान चाहता है। यहां गौरतलब है कि वेंस को अभी शक है कि आतंकवादी हमेशा पाकिस्तानी इलाके से ही गतिविधियां चलाते हैं-यानि केवल 'कभी-कभार'। फिर अरब दुनिया का आलम है। पहलगाम घटना पर सऊदी अरब की प्रतिक्रिया में पिछले 10 दिनों में काफी बदलाव आया है — सनद रहे, नरसंहार के वक्त प्रधानमंत्री मोदी रियाद के दौरे पर थे। उस समय, शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'सीमा पार आतंकवाद' की निंदा की गई थी और कहा गया था कि 'आतंकी कृत्यों को किसी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता'।

आप का नजरिया

पर्यटक सीजन की आदतें

हिमाचल अपनी आदतें बदल रहा है, तरक्की के पहाड़ पर जख्म उगा रहा है। पर्यटक बढ़े-आगंतुक बढ़े, मगर कहीं घट गया हिमाचल का वो स्वरूप जो सुकून से लबरेज था। अब पर्यटन को छूने की आदत में प्रकृति भी कहीं मौसम में बढ़ते तापमान को छूने लगी है। हर दिन हजारों गाडियां और ट्रैफिक जाम में उठते धुएं ने आसमान की छतरी में छेद कर दिए, फिर भी उत्साह है कि हिमाचल को सारी दिशाओं में देखा जाए। हिमाचली जायका नहीं, अब तो हिमाचली फ्लेवर है जो पहाड़ पर मैगी की बिक्री बढ़ा देता है। इस सीजन को खरीदने की आदत है, मगर हम जो बेच रहे क्या वे सही मायने में हिमाचली व्यंजन हैं। हम रेहड़ी पर बर्गर स्टालों के पीछे किसी बाहरी व्यक्ति का श्रम देखते हैं, तो अब सुंदरनगर में बाहर से आकर लोग सिड्डू बनाने का हुनर बेच रहे हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचली धाम की क्षेत्रीय पहचान में जिले तक अलग-अलग दिखने लगे, लेकिन वास्तविक स्वाद पर कमाई की परत चढ़ गई। बाजार में 'हिमाचली धाम' की गुणवत्ता का कोई परीक्षण या मानकीकरण नहीं। आखिर हिमाचल छोटे से पर्यटक सीजन में कितना हिमाचल दिखा पाता, अलबत्ता यहां खाने-कमाने की आदतें बदल गईं। हर बार एक नए पर्यटक सीजन में कुछ नया किया जाए, का सोच बेशक सही है, लेकिन इस दौरान किसी पर्यटक शहर की आबरू और आत्मा पर होते प्रहारों को नकारा नहीं जा सकता। पहाड़, पहाडियां और रेत-बजरी का सारा सामान हर बार पर्यटकों की आंखों में युद्ध लड़ता है। हम घायल समुद्र में नाव चला रहे, चप्पू से पूछो पानी में टूट कौन रहा। क्या हमारे पहाड़ सिर्फ पहाड़ बन कर आकर्षित नहीं करते। दरअसल हमने पर्यटन और होटल उद्योग को एक मान कर, एक ऐसी आपूर्ति होड़ शुरू कर ली, जो जम्मू-कश्मीर के पर्यटन से खंडहर में बदल जाती है। आश्चर्य यह कि जो एक बार कश्मीर घूम आता, उसे हिमाचल का आकर्षण कमतर आता। हमारे पास भी तो सदियों से डलहौजी व जंजैहली जैसे कई ऐसे स्थान हैं, जहां हर आंख ठहर सकती है, लेकिन ईंट-हथौड़े और सीमेंट-सरिये ने तो सांगला वैली के आकर्षण की भी ईंट से ईंट बजा दी। कांगड़ा में ही चाय बागानों के मार्फत बढ़ते पर्यटन को प्रकृति की विस्तारित रूह से मिलाने के लिए टी टूरिज्म ट्रैक बनाने होंगे। कुछ साल पहले जोगिंद्रनगर के हर्बल संस्थान के हर्बल ट्रैक विकसित करने के मंसूबे पैदा किए, लेकिन न रंग चढ़ा और न ही नूर आया, क्योंकि हम सरकारी संस्कृति से पर्यटन को चमकाना चाहते हैं। बिलासपुर को पर्यटन की किश्ती पर सवार करने वाले पूर्व जिलाधीश आबिद हुसैन सादिक के मॉडल को अपनाएं तो वाटर टूरिज्म के साथ-साथ बांध परियोजनाओं के विस्थापन को भी पर्यटन के टापू पर खड़ा कर सकते हैं। बिलासपुर के डूबे मंदिर, पौंग डैम में रैंसर की गढ़ी और बाथू की लड़ी को अगर हम प्राथमिकता दें, तो पर्यटन आगमन के रास्ते और ठहराव बदल जाएंगे। पालमपुर और सोलन विश्वविद्यालयों के सान्निध्य में पर्यटन के त्योहार खेत और बागीचे तक पहुंच सकते हैं।

वेटिकन में हलचल तेज, नए पोप के चयन की प्रक्रिया आज से शुरू

वेटिकन सिटी,06 मई (एजेंसियां)।

पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चयन के लिए यहां हलचल बढ़ गई है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया आज शुरू होगी। इस कान्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए 132 कार्डिनल इलेक्टर्स सहित 170 कार्डिनल्स पहुंच चुके हैं। दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से इस बार ऐतिहासिक होगा।

नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। हालांकि ऐसा कोई बाध्यता नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता अथवा क्षेत्र के लिहाज से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं। इनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के से मतदान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 मत की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं। इसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं। वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं। इस चुनाव की खासियत यह है कि वह गुप्त होगा। कान्क्लेव से पूर्व सोमवार को कार्डिनल के सहायक कर्मचारियों ने पौलीन चैपल में गोपनीयता की शपथ ली है। इनमें चिकित्सक, नर्स, खानसामा, चालक, लिफ्ट चालक, सफाई समेत कई जरूरी कामों से जुड़े कर्मचारी शामिल हैं। यह सभी कर्मचारी कान्क्लेव के दौरान बाहर नहीं जा सकेंगे। इस शपथ के टूटने का मतलब सीधे चर्च से उस व्यक्ति का निष्कासन होगा। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से सिस्टीन चैपल में कार्डिनल शपथ लेकर कान्क्लेव की शुरुआत करेंगे।

वेटिकन सिटी में सोमवार को कार्डिनल्स की 11वीं आम सभा की शुरुआत प्रार्थना से हुई। होली सी प्रेस ऑफिस के निदेशक माटेओ ब्रूनी के अनुसार, इस दौरान लगभग 20 हस्तक्षेप प्रस्तुत किए गए। इस दौरान कई प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल की वायुसेना का यमन एवं लेबनान में हमला, हूती और हिजबुल्लाह की तोड़ी कमर

साना (यमन)/बेरूत (लेबनान)। इजराइल ने अपने हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले का तगड़ा जवाब दिया है। इजराइल की वायुसेना ने सोमवार को यमन के होदेदा शहर पर हवाई हमले किए। इसके अलावा लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के सैन्य हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा केंद्र पर हमला किया। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर यह जानकारी दी। आईडीएफ के अनुसार, इजराइल की वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने यमन के तट पर हूती आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह हमला हूती के हमलों के जवाब में किया गया। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने हुदैदाह बंदरगाह को निशाना बनाया। हूती इसका इस्तेमाल सैन्य रणनीति के रूप में काम करता है। यहां से ईरानी हथियार प्राप्त होते हैं। आईडीएफ के अनुसार, इसके अलावा अल-हुदैदाह शहर के पूर्व में स्थित बाजिल कंक्रीट प्लांट पर भी हमला किया गया। यहां से हूती को भूमिगत सुरंगों का जाल बिछाने में मदद मिलती है। आईडीएफ के अनुसार, इससे पहले लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा के भीतर सटीक हमला किया गया इसके अतिरिक्त श्रीफा के क्षेत्र में उसके बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया गया।

खालिदा जिया लौट रही हैं स्वदेश, ढाका में स्वागत के लिए सैलाब

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वागत के लिए सुबह राजधानी ढाका में जनसैलाब उमड़ पड़ा है। लिवर सिरोसिस, दिल की बीमारी और किडनी की समस्या से ग्रसित खालिदा जिया लंदन से इलाज करवा कर विशेष एयर एंबुलेंस से स्वदेश लौट रही हैं। इसने कल रात हीथ्रो हवाई अड्डे से उड़ान भरी। दोहा में रुकने के बाद इसके दोपहर से पहले हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की उम्मीद है। खालिदा जिया को यह विशेष एयर एंबुलेंस कतर के शाही खानदान ने उपलब्ध कराई है। 79 वर्षीय खालिदा जिया के साथ उनकी बहुएं जुबैदा रहमान और सईदा शमिला रहमान भी हैं। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खालिदा जिया के गुलशन स्थित आवास फिरोजा तक के मार्ग पर दोनों तरफ कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में खड़े हैं।

सैन डिएगो के तट पर नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो तट के पास सोमवार को एक छोटी नाव के पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए और नौ अन्य अब भी लापता हैं। घटना की पुष्टि स्थानीय शेरिफ विभाग और अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने की है। शेरिफ विभाग के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह करीब 6:30 (स्थानीय समयानुसार) बजे टॉरी पाइंस स्टेट बीच के पास हुआ। गश्ती दल को एक पंगा-शैली की नाव के पलटने की सूचना मिली, जिसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। कोस्ट गार्ड ने बताया कि हादसे के समय नाव पर सवार लोगों की तलाश के लिए व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है। खोज क्षेत्र सान डिएगो शहर से लगभग 24 किलोमीटर उत्तर में है। हेलीकॉप्टर, गश्ती नौकाएं और अन्य बचाव एजेंसियां सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। शेरिफ विभाग और कोस्ट गार्ड ने अभी तक पीड़ितों की राष्ट्रीयता या पहचान उजागर नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि लापता लोगों की तलाश जारी है और दुर्घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है। तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्थानीय नागरिकों से समुद्र किनारे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की अपील की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के डग मिल्स की फोटो को पुलित्जर पुरस्कार

न्यूयॉर्क,06 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय ने पुलित्जर पुरस्कार विजेताओं की घोषणा कर दी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की झोली में सोमवार को चार पुरस्कार आए। इनमें डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की तस्वीरें भी शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूडान के गृहयुद्ध, अफगानिस्तान में अमेरिकी विफलताओं और शहर के घातक ओपियोइड संकट की बाल्टीमोर बैनर के साथ जांच पर रिपोर्टिंग के लिए भी पुरस्कार जीता। प्रोपब्लिका को सार्वजनिक सेवा पुरस्कार दिया गया। पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के लिए 15 और कला क्षेत्र में आठ श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। पुरस्कार विजेता को प्रमाण पत्र और 15,000 डॉलर की राशि प्रदान की जाती है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने घातक ओपियोइड संकट की जांच के लिए गैर-लाभकारी समाचार आउटलेट द बाल्टीमोर बैनर के साथ मिलकर भी पुरस्कार जीता। द न्यू यॉर्कर ने कमेंट्री और फीचर फोटोग्राफी के साथ-साथ अपने खोजी पॉडकास्ट इन द डार्क के लिए तीन पुरस्कार जीते। प्रोपब्लिका ने देश भर में राज्य गर्भपात प्रतिबंधों के प्रभाव की कवरेज के लिए सार्वजनिक सेवा के लिए पुरस्कार जीता। इसे पुलित्जर में सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। रिपोर्टर कविता सुराना, लिजी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो और फोटोग्राफर स्टेसी क्रैनिट्ज ने मृत्यु प्रमाणपत्रों और अस्पताल के रिकॉर्ड का उपयोग करके यह पता लगाया कि कैसे प्रतिबंधों ने माताओं की रोकी जा सकने वाली मौतों को सीधे तौर पर जन्म दिया।

कर्मचारियों ने जुलाई में बटलर, पेनसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली में उनकी हत्या के प्रयास की कवरेज के लिए ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता। वाशिंगटन पोस्ट की एन टेलनेस को सचित्र रिपोर्टिंग और टिप्पणी के लिए पुरस्कार दिया गया। कार्टूनिस्ट टेलनेस ने जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। रॉयटर्स को फेंटेनल एक्सप्रेस के लिए खोजी रिपोर्टिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक श्रृंखला अमेरिका के ओपियोइड संकट के पीछे नशीली दवाओं के व्यापार की जांच करती है। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क की कवरेज के लिए द वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकारों को राष्ट्रीय रिपोर्टिंग पुरस्कार मिला। कवरेज ने रूढ़िवादी राजनीति में मस्क के प्रभाव, अवैध दवाओं के उपयोग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के बारे में विवरण प्रकट किया। क्रिस्टीना गोल्डबाम और मैथ्यू ऐकिंस ने अफगानिस्तान में युद्ध के परिणामों की जांच के लिए रिपोर्टिंग पुरस्कार जीता। डेक्लेन वाल्श और द न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों ने सूडान में चल रहे गृहयुद्ध की कवरेज के लिए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता। न्यूयॉर्क टाइम्स के डग मिल्स ने पिछले वर्ष राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या के प्रयास की तस्वीरें लेने के लिए ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी पुरस्कार जीता, जिसमें एक तस्वीर में गोली भी दिखाई दे रही थी। द बाल्टीमोर बैनर और द न्यूयॉर्क टाइम्स की एलिसा झू, निक थिएम और जेसिका गैलाघर को खोजी रिपोर्टिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फीचर लेखन का पुरस्कार एस्क्वायर पत्रिका के योगदानकर्ता मार्क वारेन को मिला। द न्यू यॉर्कर के मोसाब अबू तोहा को गाजा पट्टी में अनुभव आधारित निबंधों के लिए सम्मानित किया गया। आलोचना के लिए ब्लूमबर्ग सिटीलैब की लेखिका एलेक्जेंड्रा लैंग को पुरस्कृत किया गया। ह्यूस्टन क्रॉनिकल के राज मनकाड, शेरोन स्टीनमैन, लिसा फाल्केनबर्ग और लीह बिंकोविट्ज को खतरनाक रेल क्रॉसिंग और अवरुद्ध चौराहों के बारे में एक श्रृंखला के लिए संपादकीय लेखन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कला और साहित्य के लिए पुरस्कारों में पर्सीवल एवरेट के उपन्यास जेम्स को फिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ब्रैंडन जैकब्स-जेनकिंस के पर्पस ने ड्रामा पुरस्कार जीता। यह नाटक नागरिक अधिकार आंदोलन से जुड़े एक प्रमुख अश्वेत परिवार के भीतर के एक समझौते पर आधारित है।

इतिहास पुरस्कार कैथलीन डुवैल की किताब नेटिव नेशंस: ए मिलेनियम इन नॉर्थ अमेरिका और एडा एल. फील्ड्स-ब्लैक की कॉम्बी: हैरियट टबमैन, द कॉम्बाही रिवर रेड, एंड ब्लैक फ्रीडम ड्यूरिंग द सिविल वॉर को दिया गया। जीवनी पुरस्कार लेखक जेसन रॉबर्ट्स को एवरी लिविंग थिंग: द ग्रेट एंड डेडली रेस टू नो ऑल लाइफ के लिए दिया गया। टेसा हल्स को आत्मकथा पुरस्कार दिया गया। बेंजामिन नाथन्स की पुस्तक टू द सक्सेस ऑफ आवर होपलेस कॉज: द मेनी लाइव्स ऑफ द सोवियत डिसिडेंट मूवमेंट को सामान्य नॉनफिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कविता पुरस्कार मैरी होवे की को मिला।

विक्ट्री डे से पहले यूक्रेन ने मॉस्को पर ताबड़तोड़ किए हमले, 19 ड्रोन से की बमबारी

मॉस्को,06 मई (एजेंसियां)।

मॉस्को में होने जा रहे विक्ट्री डे से कुछ ही दिन पहले यूक्रेन ने बमबारी कर दी। 5-6 मई की रात रूस की राजधानी मॉस्को पर 19 ड्रोन हमलों की कोशिश की गई लेकिन इसे रूस रोकने में कामयाब रहा। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने इससे जुड़ा दावा किया। ये दूसरी रात थी जब मॉस्को को निशाना बनाया गया। रूस का कहना है कि उनके हवाई रक्षा बलों के सामने ये ड्रोन किसी काम के नहीं। एक ड्रोन का मलबा मॉस्को की महत्वपूर्ण सड़क काशिरस्कोये हाईवे पर गिरा, जहां आपातकालीन टीमें काम कर रही हैं। कोई हताहत नहीं हुआ। हमलों की वजह से मॉस्को के चार बड़े हवाई अड्डे वनुकोवो, डोमोडेडोवो, झुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो कुछ देर के लिए बंद करने पड़े। साथ ही, रूस के कलुगा ओब्लास्त में ग्राब्त्सेवो हवाई अड्डे पर भी पाबंदियां लगाई गईं। यूक्रेन ने इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ये हमले रूस के 9 मई को होने वाले विक्ट्री डे समारोह से ठीक पहले हुए, जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की याद में मनाया जाता है। क्रेमलिन ने इस बार विदेशी मेहमानों को न्योता भेजा। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि वह इसमें शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 8 मई की मध्यरात्रि से 11 मई की मध्यरात्रि तक 'मानवीय युद्धविराम' का ऐलान किया है। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे 'नाटक' करार देते हुए खारिज कर दिया। जेलेंस्की का कहना है कि रूस इस तरह की छोटी-मोटी घोषणाओं से दुनिया को बेवकूफ बनाता है और इसका कोई इरादा नहीं रखता। यूक्रेन के सैन्य कमांडर जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा कि कुर्स्क में उनकी सेना ने ज्यादातर लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। ये हमले यूक्रेन की सैन्य ताकत दिखाने और रूस को अन्य मोर्चों पर हमला करने से रोकने के लिए किए गए। दूसरी तरफ, रूस का दावा है कि उसने कुर्स्क में यूक्रेन की घुसपैठ को नाकाम कर दिया, लेकिन जेलेंस्की कहते हैं कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोद में अब भी सक्रिय है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 4 मई को कहा कि यूरोपीय संघ के नेता उनसे बार-बार पुतिन से बात करने की गुजारिश कर रहे हैं,।

बगदाद में आये रेत के तूफान

बगदाद में आये रेत के तूफान के बीच ही सड़कों पर चलती हुई कारें।

तुर्की के बम, मिसाइल से लैस जहाज को पाक बता रहा सद्भावना यात्रा

कराची,06 मई (एजेंसियां)।

तुर्की का युद्धपोत टीसीजी बुयुकाडा (एफ-512) रविवार को पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पहुंचा, जिसे पाकिस्तानी नौसेना ने 'सद्भावना यात्रा' बताया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हिंदू नरसंहार के बाद तनाव चरम पर है। तुर्की के इस कदम ने क्षेत्रीय समीकरणों पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन सैन्य ताकत की बात करें तो भारत की नौसेना का जवाब नहीं। आइए, पहले तुर्की के इस जहाज की ताकत को समझें और फिर देखें कि भारत का दमखम कैसे इसे पीछे छोड़ता है। इस जहाज की अधिकतम स्पीड 29 नॉट (54 किमी/घंटा) है। इसकी रेंज 15 नॉट पर 3,500 नॉटिकल मील (6,500 किमी) की दूरी तक जा सकता है। इसमें क्रू की संख्या 93 और अधिकतम 106 तक हो सकती है। तुर्की का दावा है कि यह जहाज स्टील्थ तकनीक से लैस है, जिससे रडार पर पकड़ में आना मुश्किल होता है। यह क्षेत्रीय मिशनों के लिए ठीक है, लेकिन भारत की नौसेना की ताकत के सामने यह इतना खास नहीं है। आईएनएस कुठार और आईएनएस खंजर जैसे कामोर्ता-क्लास कोरवेट्स टीसीजी बुयुकाडा से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं। इनकी रेंज और हथियारों की मारक क्षमता तुर्की के जहाज को पीछे छोड़ती है। भारत के जहाजों पर ब्रह्मोस मिसाइल लगी हैं जो 400 किमी तक निशाना साध सकती है। ये हार्पून मिसाइल से कहीं आगे है। इसकी स्पीड और सटीकता दुश्मन जहाजों के लिए घातक है। इसके अलावा भारत के पास विक्रांत जैसे स्वदेशी विमानवाहक पोत, विशाखापट्टनम-क्लास डिस्ट्रॉयर, और शिवालिक-क्लास फ्रिगेट्स हैं, जो लंबी दूरी के युद्ध और क्षेत्रीय प्रभुत्व में तुर्की-पाक गठजोड़ से कहीं आगे हैं। बुयुकाडा तुर्की की एडीए-क्लास कोरवेट का हिस्सा है, जिसे मिल्गेम प्रोजेक्ट के तहत 2013 में नौसेना में शामिल किया गया था। यह जहाज खास तौर पर पनडुब्बी-रोधी युद्ध, सतह पर हमला और गश्ती मिशनों के लिए बनाया गया है।

हवाई यातायात नियंत्रकों के छुट्टी पर जाने से नेवार्क एयरपोर्ट पर उड़ानों पर संकट

न्यूयॉर्क,06 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क महानगर के तीन प्रमुख हवाई अड्डों में शुमार नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवाई यातायात नियंत्रकों के आकस्मिक छुट्टी पर चले जाने से उड़ानों पर संकट मंडराने लगा है। नेवार्क एयरपोर्ट की अव्यवस्था को हवाई यातायात नियंत्रकों ने और बदतर बना दिया।

वह अपनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय आपातकालीन छुट्टी पर चले गए हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अव्यवस्था इस वजह से और चौपट हो गई है। सीएनएन के अनुसार, कम से कम पांच हवाई यातायात नियंत्रकों ने संघीय कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के तहत अवकाश लिया है। यह कानून संघीय कर्मचारियों को कामकाज के दौरान मानसिक अवसाद होने पर अवकाश लेने के लिए बनाया गया था। इस नियम के तहत छुट्टी लेने पर वेतन कटौती भी नहीं होती। संघीय उड्डयन प्रशासन ने सोमवार को कहा, उपकरण और दूरसंचार में बार-बार व्यवधान नियंत्रकों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। फिलाडेल्फिया ट्राकॉन नेटवर्क के कुछ नियंत्रक नेवार्क में आगमन और प्रस्थान पर काम करते हैं। यह हाल ही में हुई रुकावटों के तनाव से उबरने के लिए अवकाश पर गए हैं। नेवार्क एयरपोर्ट में कर्मचारियों की कमी के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल के दिनों में न्यू जर्सी ट्रांजिट हब पर विमानों के देरी और उड़ानों को रद्द करने की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ पहले ही एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को आउटेज के बाद नौकरी छोड़ने के लिए फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नेवार्क में उड़ानों की देखरेख करने वाले 20 प्रतिशत कर्मचारियों ने उपकरणों की विफलता के कारण छुट्टी ले ली थी। पिछले सप्ताह रडार और संचार में 90 सेकंड की रुकावट के लिए जले हुए तांबे के तार को जिम्मेदार ठहराया गया है। उल्लेखनीय है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हर दिन 24 घंटे खुला रहता है। यह एयरपोर्ट मैनहट्टन में टाइम्स स्क्वायर से लगभग 15 मील (24 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में थ्री ब्रूस्टर रोड, नेवार्क, न्यू जर्सी 07114 पर स्थित है। यह अमेरिका का सबसे पुराना एयरपोर्ट है। यह देश के पहले वाणिज्यिक एयरलाइन टर्मिनल का केंद्र है। 2022 में इस एयरपोर्ट से 43.4 मिलियन यात्री जुड़े। इस वजह से यह देश का 13वां सबसे व्यस्त और दुनिया का 23वां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बना।

इंटर मिलान के खिलाफ बेंच पर रहेंगे लेवांडोव्स्की, कोच हैंसी फ्लिक ने दी जानकारी

मिलान, 06 मई (एजेंसियां)।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले से पहले बार्सिलोना को बड़ी राहत मिली है। स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की पूरी तरह फिट हो चुके हैं, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक ने साफ किया है कि वे इंटर मिलान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत बेंच से करेंगे। पहला लेग 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था और अब दोनों टीमों के बीच अंतिम मुकाबला सैन सिरो में खेला जाएगा।

चोट से उबरकर टीम में लौटे लेवांडोव्स्की – पोलैंड के कप्तान लेवांडोव्स्की पिछले महीने सेल्टा विगो के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए थे और पहले लेग में नहीं खेल पाए थे। लेकिन अब वो फिट हैं और बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं।

कोच फ्लिक ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, वो हमारी उम्मीद से ज्यादा तेजी से ठीक हुए हैं और बेंच पर मौजूद रहेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उन्हें उतार सकते हैं।

40 गोलों वाले स्ट्राइकर की वापसी बड़ी ताकत – लेवांडोव्स्की इस सीजन में अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल कर चुके हैं। ऐसे में उनकी वापसी से बार्सिलोना को जीत की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में इंटर को हराना होगा। फ्लिक के कोच बनने के बाद बार्सिलोना इस सीजन में चार बड़े खिताब जीतने की दौड़ में है।

ओल्मो बोले – हम सब कुछ जीतना चाहते हैं – बार्सिलोना के मिडफील्डर दानी ओल्मो ने कहा, मैंने सोचा था कि हम इस मुकाम तक आएंगे। हम हर खिताब जीतना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने वाली टीम भी है। ओल्मो ने यह भी कहा कि अगर इंटर की टीम लमिन यमाल पर फोकस करेगी, तो बार्सिलोना के अन्य खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे।

यमाल फिर मचाएंगे तहलका – 17 वर्षीय यमाल ने पिछले मुकाबले में इंटर की डिफेंस को काफी परेशान किया था। उन्होंने एक शानदार गोल किया और दो बार पोस्ट से भी टकराए। इंटर के कोच सिमोने इनज़ाघी ने माना कि यमाल को स्पेशल अटेंशन दी जाएगी, लेकिन ओल्मो ने कहा कि इससे बार्सिलोना की योजना नहीं बदलेगी।

फाइनल में पहुंचेगी विजेता टीम – मंगलवार को होने वाला यह मुकाबला तय करेगा कि फाइनल में म्यूनिख में कौन पहुंचेगा। वहां विजेता टीम का सामना आर्सेनल या पेरिस सेंट जर्मेन में से किसी एक से होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2025: कगिसो रबाडा अब चयन के लिए उपलब्ध, गुजरात टाइटंस ने की पुष्टि

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक महीने के निलंबन के बाद अब आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। गुजरात टाइटंस ने सोमवार शाम बयान जारी कर पुष्टि की कि रबाडा अब चयन के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं। रबाडा ने एसए 20 के दौरान एक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के चलते दक्षिण अफ्रीकी डोपिंग निरोधक संस्था (एसएआईडीएस) द्वारा लगाए गए एक महीने के अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। उन्होंने न केवल अपनी गलती मानी, बल्कि एक विशेष कार्यक्रम भी पूरा किया। एसएआईडीएस की जांच पूरी होने के बाद अब वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए चयन योग्य हैं। विक्रम सोलंकी ने किया रबाडा का समर्थन गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने रबाडा का पूरा समर्थन करते हुए कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने खिलाड़ियों का साथ दें, चाहे वह फॉर्म हो या व्यक्तिगत मुद्दे। रबाडा ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे इस घटना से किसी को विचलित नहीं होने देना चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि रबाडा ने अपनी गलती से सबक सीखा है और अब पूरी तरह क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

प्रभसिमरन की बल्लेबाजी से बीमार पिता को मिल रही खुशी

नई दिल्ली। आईपीएल में इस बार पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में प्रभसिमरन ने लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ 48 गेंदों में 91 रनों की आक्रामक पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। प्रभसिमरन ने अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों के साथ ही अपने बीमार पिता को भी खुशी दी है। उसके पिता सुरजीत सिंह किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। प्रभसिमरन ने इस सत्र में अब तक 11 पारियों में 170 के स्ट्राइक रेट से 437 रन बनाए हैं, जिसमें कई अहम पारियां शामिल हैं। उसके पिता जब भी उसे बल्लेबाजी करते देखते हैं, उनके चेहरे पर चमक आ जाती है1 प्रभसिमरन ने हाल ही में कहा था, हर क्रिकेटर का सपना होता है भारतीय टीम की ओर से खेलना होता है और मेरा भी यही सपना है। मैं लगातार अभ्यास कर रहा हूं जिससे एक दिन भारतीय टीम से खेल सकूं। प्रभसिमरन की बल्लेबाजी देखते हुए लग रहा है कि उन्हें शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह मिल जाएगी। प्रभसिमरन साल 2019 के आईपीएल सत्र में 60 लाख रुपये में पंजाब किंग्स से जुड़े थे। साल 2022 की नीलामी में पंजाब ने उन्हें फिर से 60 लाख रुपये में खरीदा। वहीं आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी से पहले प्रभसिमरन को पंजाब किंग्स ने 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। प्रभसिमरन ने साल 2023 के आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से 65 गेंदों पर 103 रन बनाये थे।

आईपीएल के इस सत्र में छक्के मारने में अव्वल रही राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है पर अभी तक सबसे अधिक छक्के मारने के मामले में वह पहले नंबर पर है। रॉयल्स ने अभी तक खेले 12 मैचों में 123 छक्के लगाये हैं और इस सत्र की सबसे ज्यादा छक्के मारने वाली टीम बनी हुई है। यह प्रदर्शन बताता है कि भले ही टीम अंक तालिका में पिछड़ गई हो, लेकिन बल्लेबाजों ने निडर होकर खेला। वहीं सबसे अधिक छक्के लगाने में दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स है, जिसने 11 मैचों में 114 छक्के लगाए हैं। पंजाब की टीम अभी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। किन उनके बल्लेबाजों का आक्रामक अंदाज प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 11 मैचों में 111 छक्के लगाये हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। चौथे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जो अंक तालिका में शीर्ष् पर चल रही है लेकिन छक्कों के मामले में पीछे है। उसके नाम अब तक 96 छक्के हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देसी खेल खो-खो बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 में देसी खेल खो-खो ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की है। 5 मई से बिहार के बोधगया स्थित बीआईपीएआरडी ग्राउंड में शुरू हुए खो-खो मुकाबलों को देखने के लिए सैकड़ों स्कूली छात्र मैदान में उमड़ पड़े। इस टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों की 8-8 टीमों सहित कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो 9 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन खेलों का आयोजन बिहार के पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में 15 मई तक किया जा रहा है। खो-खो मुकाबले 5 से 9 मई तक बोधगया में दो इनडोर मैट कोर्ट पर खेले जा रहे हैं।

बढ़ते उत्साह के साथ वैश्विक मंच की ओर खो-खो

खो-खो को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम कदम है। हाल ही में हुए वेव्स समिट 2025 में इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के लगभग 40 तकनीकी अधिकारी टूर्नामेंट के संचालन में जुटे हैं। इस आयोजन में कुल लगभग 240 खिलाड़ी, 16 कोच और 16 टीम मैनेजर शामिल हैं।

खेल को मिल रहा संस्थागत समर्थन

देशभर के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खो-खो सहित अन्य खेलों में प्रतिभाओं को तराशने का कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय और कॉलेज खेल कोटे के तहत खो-खो खिलाड़ियों को प्रवेश दे रहे हैं। सरकारी नौकरियों में भी खो-खो खिलाड़ियों को उपलब्ध अवसरों ने युवाओं को इस खेल की ओर आकर्षित किया है।

लड़कों और लड़कियों की टीमों में कांटे की टक्कर

लड़कों के वर्ग में:
- ग्रुप ए: उत्तर प्रदेश, पंजाब, ओडिशा, बिहार
- ग्रुप बी: महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली, आंध्र प्रदेश

लड़कियों के वर्ग में:
- ग्रुप ए: महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार
- ग्रुप बी: कर्नाटक, ओडिशा, दिल्ली, तमिलनाडु

सेमीफाइनल 8 मई और फाइनल 9 मई को खेले जाएंगे।

देसी खेलों को वैश्विक पहचान देने की दिशा में पहल

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, हाल के वर्षों में खो-खो ने बड़ी लोकप्रियता हासिल की है। यह एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में उभर रहा है जो युवाओं को खूब आकर्षित कर रहा है।

केआईवाईजी जैसे मंच इस देसी खेल को आगे बढ़ाने और भारत की सॉफ्ट पावर को दुनिया के सामने पेश करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

28 खेलों में हो रही है प्रतिस्पर्धा

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 10,000 खिलाड़ी और वालंटियर हिस्सा ले रहे हैं। कुल 28 खेलों में मुकाबले हो रहे हैं, जिनमें ओलंपिक, नॉन-ओलंपिक और पारंपरिक देसी खेल जैसे खो-खो, मल्लखंभ, कलारिपयट्टू और थांग-टा शामिल हैं। शूटिंग, जिम्नास्टिक और ट्रैक साइक्लिंग की स्पर्धाएं नई दिल्ली में आयोजित की जाएंगी।

पिछला संस्करण खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 तमिलनाडु में आयोजित हुआ था जिसमें 5,600 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने घोषित की वनडे टीम, आमिर जंगू और ज्वेल एंड्रयू को मिला मौका

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए सोमवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने दिसंबर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। हालांकि, आईपीएल में व्यस्त शिमरोन हेटमायर इस दौरे पर नहीं होंगे, जबकि युवा बल्लेबाज़ ज्वेल एंड्रयू की टीम में वापसी हुई है।

शाई होप संभालेंगे कप्तानी, आमिर जंगू पर रहेंगी निगाहें

टीम की कमान एक बार फिर शाई होप के हाथों में होगी। ब्रैंडन किंग और एविन लुईस के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं कीसी कार्टी नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। आमिर जंगू, जिन्होंने सेंट किट्स में अपने डेब्यू मैच में 79 गेंदों में शानदार शतक जड़ा था, इस बार नियमित स्थान पाने की उम्मीद करेंगे।

फिट होकर लौटे शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड

बांग्लादेश सीरीज से बाहर रहने वाले शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में लौट आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में अल्ज़ारी जोसेफ, जेडन सील्स और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और 2027 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश में जुटी है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 21 मई से डबलिन में शुरू होगी, जिसके बाद इंग्लैंड में 29 मई से तीन वनडे और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी।

मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद टीम में निरंतरता का विकास दिख रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन हमारी क्रिकेट शैली और सोच वर्ल्ड कप की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया है। पूर्व तेज़ गेंदबाज़ रवि रामपॉल को जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है।

डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब द्वारा प्रायोजित

मैसराम-ए ने बरकस फुटबॉल गोल्ड कप पर कब्जा जमाया

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हज़ारों उत्साही दर्शकों की मौजूदगी में एक रोमांचक फाइनल मैच में, मैसराम ए बरकस फुटबॉल गोल्ड कप टूर्नामेंट में विजयी रही। जिसने चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया और साथ ही 30,000 का नकद पुरस्कार भी जीता। उपविजेता टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और उसे 20,000 का नकद पुरस्कार दिया गया।

रोमांचक फाइनल में मैसराम ए ने मैसराम बी को 2-1 से हराकर बरकस फुटबॉल गोल्ड कप 2025 पर कब्ज़ा कर लिया। मैसराम ए के लिए शेख अबू बकर और बावजर ने गोल किए, जबकि मैसराम बी के लिए एकमात्र गोल इस्माइल बरशीद ने किया।डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हबीब मोसिन अल हमीद ने विजेता टीम मैसराम-ए को विजेता ट्रॉफी प्रदान की।पूरे क्षेत्र से बेहतरीन फुटबॉल प्रतिभाओं को दिखाने वाले इस टूर्नामेंट का समापन एक बेहद रोमांचक फाइनल में हुआ, जिसने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया और बरकस समुदाय को खेल के जश्न में एक साथ ला खड़ा किया। टीम पुरस्कारों के अलावा, व्यक्तिगत खिलाड़ियों को पूरे टूर्नामेंट में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए पदक और अतिरिक्त नकद पुरस्कार दिए गए।इस आयोजन की सफलता डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हबीब मोहसिन अल हमीद के उदार प्रायोजन से संभव हुई। हबी मोसिन अल हमीद, जिन्हें लगभग तीन दशकों से बरकास में खेल आयोजनों की रीढ़ माना जाता है, ने एक बार फिर जमीनी स्तर के खेलों को पोषित करने और बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। उनके लंबे समय से चले आ रहे समर्थन ने अनगिनत युवा एथलीटों को अपने कौशल विकसित करने और पहचान हासिल करने में मदद की है। मैसराम फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष महमूद अवलकी के नेतृत्व में टूर्नामेंट का सावधानीपूर्वक आयोजन किया गया, जिनके मार्गदर्शन और खेल के प्रति जुनून ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन समिति में मोहम्मद बाकरा, यूनुस बल्लासा (कोच, मैसराम एफसी) और सईद बंदेली (ग्राउंड पर्यवेक्षण समिति प्रभारी) शामिल थे। ये सभी ने सुचारू संचालन और पेशेवर रूप से प्रबंधित कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। इस आयोजन में तीन दिवसीय लीग प्रारूप का पालन किया गया, जिसमें 16 प्रतिस्पर्धी टीमों ने भाग लिया, जिसमें रोमांचक मैच खेले गए, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्षेत्र में मौजूद अपार फुटबॉल प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया।फाइनल मैच सिर्फ़ एक प्रतियोगिता से कहीं बढ़कर था - यह सामुदायिक भावना, खेल कौशल और युवा सशक्तिकरण का उत्सव था। बरकास और आस-पास के क्षेत्रों से आए दर्शकों ने आयोजन स्थल को भर दिया, जिससे एक जीवंत और जोशीला माहौल बना, जिसने क्षेत्र के फुटबॉल के प्रति गहरे प्रेम को रेखांकित किया।इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर समुदाय के नेतृत्व वाली खेल पहलों के महत्व और अल हामेद जैसे दूरदर्शी नेताओं के निरंतर समर्थन के महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर किया है। इस तरह के आयोजन न केवल युवा प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, बल्कि युवाओं के बीच एकता, गौरव और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देते हैं।

माता-पिता और वरिष्ठों के सहयोग से सुजाता कुजूर की नजर ओलंपिक खेलों पर

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के सुंदरगढ़ की गलियों से निकली 21 वर्षीय डिफेंडर सुजाता कुजूर अब भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर कैम्प का हिस्सा बन चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा पूरा किया, जो कि हॉकी की दुनिया में सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले टूर में से एक है।

अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे को याद करते हुए सुजाता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव रहा। सीनियर टीम के साथ पहली बार खेलने का मौका मिला, जहां थोड़ा दबाव भी महसूस हुआ, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। खासकर यह कि वो ट्रेनिंग और मैचों को कैसे लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा, सीनियर खिलाड़ी बेहद सहयोगी और प्रेरणादायक रहे। उन्होंने मुझे समझाया कि बेवजह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान दो। सबने मुझे बहुत सपोर्ट किया।

टूटी चप्पल, उधार का स्टिक, लेकिन हौसला कभी नहीं टूटा

सुजाता की हॉकी यात्रा आसान नहीं रही। दीप ग्रेस एका को अपना आदर्श मानने वाली सुजाता ने मात्र 10 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उनके जज़्बे में कोई कमी नहीं आई।

उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, शुरुआत में मेरे पास न स्टिक थी, न ही जूते। टीम के बाकी खिलाड़ियों से उधार लेकर खेलती थी। कई बार फटे जूतों की वजह से नंगे पांव भी खेला, लेकिन कभी रुकने का मन नहीं किया।

तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी सुजाता को अपने परिवार से हमेशा समर्थन मिला। उन्होंने बताया, मेरे माता-पिता ने कभी यह नहीं कहा कि हॉकी मत खेलो। उन्होंने हमेशा कहा—जो करना है, दिल से करो और मेहनत मत छोड़ो।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने की खुशी आज भी उनकी आंखों में चमकती है। उन्होंने कहा, जब मेरा चयन हुआ, तो पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। मैं तो खुद यकीन नहीं कर पाई, क्योंकि हाल ही में नेशनल कैम्प में शामिल हुई थी। यह हम सबके लिए गर्व का क्षण था।

ओलंपिक में खेलने का सपना, भारत का नाम रोशन करने की चाहत

सुजाता ने पर्थ में खेले गए फ्रेंडली मुकाबलों में भारत की ओर से अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की है। अब उनका अगला लक्ष्य ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा, मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए और भी मैच खेलूं। ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम इंडिया का हिस्सा बनूं और देश का नाम रोशन करूं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

राष्ट्रीय कर सम्मेलन में सरल कर कानूनों की मांग, आयकर विधेयक 2025 पर हुई चर्चा

कोलकाता, 06 मई (एजेंसियां)। पुणे में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कर कानूनों को सरल और आम जनता के लिए सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) समेत कई कर (टैक्स) संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एआईएफटीपी के पूर्व अध्यक्ष नारायण जैन ने सम्मेलन के दौरान कहा कि करदाताओं के बेहतर अनुपालन के लिए मौजूदा कानूनों को सरल बनाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. गिरीश आहूजा के साथ आयकर विधेयक 2025 पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान बताया गया कि नया विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की मूल भावना को बनाए रखते हुए अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर, धाराओं को फिर से क्रमबद्ध करता है। इससे करदाताओं के लिए समझना आसान होगा। उद्घाटन सत्र में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर पेशेवरों का स्वागत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और कार्यक्षेत्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के 11 हजार से अधिक सदस्य हैं और यह देशभर में कर (टैक्स) शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। सम्मेलन में जीएसटी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था, भारतीय न्याय संहिता से जुड़े प्रावधानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

टीसीएस ने 70 फीसदी कर्मचारियों को दिया 100 प्रतिशत त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता

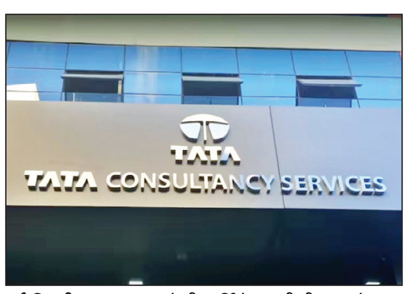

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने 70 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता (क्यूवीए) का भुगतान किया है। टीसीएस का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा 1.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,224 करोड़ रुपये और कुल राजस्व सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 64,479 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने इस तिमाही में 625 कर्मचारियों को नियुक्त किया जिससे इसके कुल कर्मचारियों की संख्या छह लाख से अधिक हो गई है। इससे पहले टीसीएस ने कहा था कि वह शुल्क मुद्दों से उत्पन्न व्यावसायिक अनिश्चितताओं के कारण अपने 6.07 लाख कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि को स्थगित करेगी। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी ने वार्षिक वेतन वृद्धि में देरी के लिए व्यावसायिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था। वेतन वृद्धि आमतौर पर अप्रैल से शुरू होती है। हालांकि, उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि कंपनी वेतन वृद्धि की घोषणा अब कब करेगी।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.3 प्रतिशत

नई दिल्ली। मूडीज ने मंगलवार को 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान कम कर दिया। इसके मुताबिक भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने उदाहरण के रूप में अमेरिकी नीति अनिश्चितता और व्यापार प्रतिबंधों के कारण वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव का निरीक्षण किया। मूडीज ने अपने ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2025-26 में सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते भू-राजनीतिक तनावों से इसके आधारभूत वृद्धि पूर्वानुमान पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इसी बारे में मूडीज ने निवेशकों और व्यवसायों को चेताया कि नए भू-राजनीतिक विन्यासों के साथ निवेश करने की आवश्यकता है। मूडीज के मुताबिक भारत की वृद्धि अनुमानों को 2025 के लिए 6.3 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है। यह अंक 2024 के 6.7 प्रतिशत से कम है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विशेष दरों कम करने से वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। अमेरिका और चीन के मामले में भी मूडीज ने वृद्धि अनुमानों में कमी का संकेत दिया है ।

ईपीएफओ बीएसएनएल और एमटीएनएल से जमीन खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) से जमीन और इमारतें खरीदने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को ध्यान में रखकर पूंजीगत ढांचे को मजबूत करना है। 28 फरवरी को हुई ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में, श्रम और रोजगार मंत्री और बोर्ड के चेयरमैन ने सरकार के स्तर पर संपत्तियों को प्राप्त करने के लिए दूरसंचार विभाग से सहायता की मांग की। ईपीएफओ की योजनाबद्ध रणनीति के तहत, वे बीएसएनएल और एमटीएनएल के साथ सक्रिय रूप से मिलकर इमारतें खरीदने की कार्रवाई में लिए जा रहे हैं। ईपीएफओ के अनुसार उन्होंने चेयरमैन के निर्देशों के अनुसार दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके और ये प्रयास तेजी से लागू किए जा सकें। दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके बीएसएनएल ने अपनी 5,208 खाली जमीन और इमारतों की सूची बनाई है और अन्य संपत्तियां भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इस कार्य में अब ईपीएफओ ने मार्च 2023 में शुरुआत की है। ईपीएफओ की योजना के तहत, उनका लक्ष्य अपनी भौतिक अवसंरचना को मजबूत करना है ताकि वे बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को पूरी तरह से संतुष्ट कर सकें। यह कदम ईपीएफओ के विकास में महत्वपूर्ण है और एक नई मील का पत्थर साबित हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में खरीदारी का जोर

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितता और अमेरिका में फैक्ट्री आउटपुट के पिछले 9 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच जाने के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान दबाव स्थिति बनी रही। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व की होने जा रही बैठक के पहले बाजार सतर्क मुद्रा में कारोबार करता रहा, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.64 प्रतिशत टूट कर 5,650.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 133.49 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,844.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत फिसल कर 41,178.42 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। सीएसी इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,727.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 257.89 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,344.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान एफटीएसई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स में छुट्टी होने की वजह से कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,508 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत लुढ़क कर 1,194.60 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,897.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,309.95 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 154.30 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,658.98 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 20,585.98 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,858.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कॉरपोरेट मामलों में जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी की जांच का आदेश

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के कथित उल्लंघन के संबंध में मंगलवार को जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के मामलों की जांच का आदेश दिया है। जेनसोल इंजीनियरिंग में धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के लिए नियामक जांच के दायरे में है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में एक आदेश पारित कर कंपनी के प्रवर्तकों को विभिन्न उल्लंघनों के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 210 के तहत कंपनियों के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। मंत्रालय को धारा 210 के तहत जनहित सहित विभिन्न आधारों पर किसी कंपनी के मामलों की जांच का आदेश देने का अधिकार है। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि वह सेबी के आदेश की समीक्षा करने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई करेगा। सेबी ने 15 अप्रैल को जेनसोल के प्रवर्तक के खिलाफ आदेश जारी किया था। इन प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से ऋण राशि को निजी उपयोग के लिए गबन किया है।

रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म जल्द लाएगी आईपीओ

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी

रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म के जल्द आईपीओ प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है। विश्लेषकों के मुताबिक कंपनी की एंटरप्राइज वैल्यू करीब 136 बिलियन डॉलर से 154 बिलियन डॉलर के बीच आंकी गई है। यह वैल्यूएशन इसे दुनिया की छठी सबसे बड़ी लिस्टेड टेलीकॉम कंपनी के बराबर लाता है।

जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी और इतने कम समय में यह मुकाम हासिल करना इसे दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली टेलीकॉम कंपनियों में शामिल करता है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्मों गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज के हालिया अनुमान के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और टेलीकॉम यूनिट जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यूएशन अगर 154 अरब डॉलर तक पहुंचती है, तो यह भारत की टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल को पीछे छोड़ देगी और दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान टेलीकॉम कंपनी बन जाएगी।

इस वैल्यूएशन पर जियो, कॉमकास्ट, चाइना टेलीकॉम, एनटीटी, सॉफ्टबैंक, सऊदी टेलीकॉम, अमेरिका मोबाइल और सिंगापुर टेलीकॉम जैसी दिग्गज कंपनियों को भी पीछे छोड़ देगी। फिलहाल भारती एयरटेल का मार्केट कैप 131.34 अरब डॉलर है और वह छठे स्थान पर है।

एथर एनर्जी का आईपीओ कमजोर रिटर्न के साथ लिस्ट

नई दिल्ली । ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के शेयर एक कमजोर रिटर्न के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्ट हुए। एनएसई पर एथर एनर्जी के शेयर 328 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। इस आईपीओ के इश्यू प्राइस से अधिक मामूली प्रीमियम मिला है, जो ग्रे मार्केट की उम्मीदों से कम है। निवेशकों को हर शेयर मिला 7 रुपए का फायदा पहले से ही एथर एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में बिक रहे थे। इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने में निवेशकों की दिलचस्पी कम रही थी। पब्लिक इश्यू को कुल मिलाकर 1.50 गुना सब्सक्राइब किया गया। रिटेल निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की भी हिस्सेदारी रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साख पर संकट...

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विभाजन से पहले के एक पुश्तैनी घर में भी उनकी हिस्सेदारी है। जस्टिस गवई को महाराष्ट्र के अमरावती में एक घर के अलावा मुंबई और दिल्ली में आवासीय अपार्टमेंट भी मिले हैं। उन्हें अमरावती और नागपुर में एग्रीकल्चर लैंड भी विरासत में मिली है। उन्होंने 1.3 करोड़ रुपए की देनदारी भी घोषित की है।जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका 24 मई को रिटायर होने वाले हैं। उनकी सम्पत्तियों में पीपीएफ में 92.35 लाख रुपए, एफडी में 21.76 लाख रुपए, 2022 मॉडल की मारुति बलेनो कार और 5.1 लाख रुपए का कार लोन शामिल है। जस्टिस विक्रम नाथ ने नोएडा में 2-बीएचके अपार्टमेंट, इलाहाबाद में एक बंगला और उत्तर प्रदेश में विरासत में मिली एग्रीकल्चर लैंड की घोषणा की है। इसके अलावा उनके पास 1.5 करोड़ रुपए का इंवेस्टमेंट भी है।वेबसाइट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत के पास चंडीगढ़, गुरुग्राम और दिल्ली में अपनी पत्नी के साथ संयुक्त तौर पर रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी है। उनके इन्वेस्टमेंट में 31 एफडी रसीद शामिल हैं। इनमें ब्याज भी शामिल है। इनकी कुल कीमत 6.03 करोड़ रुपए है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी के पास अहमदाबाद के गुलबाई टेकरा स्थित दीप्ति बैंक ऑफ इंडिया सोसायटी में एक घर है। इसके अलावा नीतिबाग जजेज कोऑपरेटिव सोसायटी, अहमदाबाद में भी एक घर है। उनके पास 60 लाख रुपए म्यूचुअल फंड में, 20 लाख रुपए पीपीएफ में, इसके अलावा 50 लाख रुपए के गहने और 2015 मॉडल की मारुति स्विफ्ट कार है। जस्टिस सुधांशु धूलिया के पास 2008 मॉडल की मारुति जेन एस्टिलो कार है। यह इस समय इस्तेमाल में नहीं है। वह देहरादून में बेकार पड़ी है। उनकी प्रॉपर्टी लिस्ट में लिखा है कि यहां बताई गई सभी अचल सम्पत्तियां मेरे जज बनने से पहले की हैं और इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

पहलगाम हमले ...

वह सिर्फ दिखावा करता है और दुनिया उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती है और न ही उसके परमाणु हथियार और सिंधु जल समझौते के निलंबन पर हमले की धमकी का भारत पर कोई असर होता है।

अकबरुद्दीन ने कहा, बहुपक्षीय संगठनों का इस्तेमाल करके दुनिया का ध्यान आकर्षित करने का पाकिस्तान का प्रयास नया नहीं है। हमने इसे कई बार देखा है। इस बार उसने 60 वर्षों में पहली बार एक ऐसे एजेंडा पेश करने की कोशिश की, जिस पर पहले कभी चर्चा नहीं हुई थी। वह है भारत-पाकिस्तान सवाल। भारत-पाकिस्तान सवाल पर आखिरी बार औपचारिक चर्चा 1965 में हुई थी। पाकिस्तान ने सोचा कि इसके जरिए वह भारत-पाकिस्तान के मुद्दे को फिर से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाकर चर्चा का विषय बना सकता है। लेकिन यह केवल एक दिखावा था। पूर्व राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान सार्वजनिक कूटनीति पर ज्यादा फोकस करता है। असल में वह इन मंचों का उपयोग अपने देश की छवि को सुधारने के लिए के लिए करता है, न कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर वार्ता के लिए। इसलिए उसका प्रयास विफल हो गया। दिखावा काम नहीं आया। सुरक्षा परिषद ने उसके मामले को स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है, जो महीनों से 15 देशों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर काम कर रहा था। फिर पता चला कि जो वह चाहता है, उसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

युद्ध से बचाव...

देशभर में कल राष्ट्रव्यापी सुरक्षा तैयारी अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास मुख्य रूप से हवाई हमले के सायरन और ब्लैकआउट जैसी स्थितियों की तैयारी पर केंद्रित होगा। मंगलवार को गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2010 में अधिसूचित 259 नामित नागरिक सुरक्षा जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया। राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इन जिलों को अभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सक्रिय हैं। ये नियमित रूप से यातायात और भीड़ प्रबंधन सहित नागरिक कर्तव्यों में लगे रहते हैं। भारत की नागरिक सुरक्षा प्रणाली मुख्य रूप से स्वैच्छिक आधार पर संचालित होती है, जिसे वेतनभोगी कर्मियों के एक छोटे से समूह की ओर से नियंत्रित किया जाता है। आपात स्थिति के दौरान इसे बढ़ाया जाता है।2010 में गृह मंत्रालय की ओर से संशोधित की गई मॉक ड्रिल वाले जिलों की सूची में राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को एक से तीन श्रेणी के बीच रखा गया है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट की सूची तैयार की थी। हालांकि, सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को सामान्य प्रशासनिक जिले नहीं कहा जा सकता। उत्तर प्रदेश में ऐसे कुल 19 जिले हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे प्रशासनिक जिले और बख्शी का तालाब, सरवासा जैसे स्थान भी हैं, जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं। यहां एयरफोर्स स्टेशन हैं।गृह मंत्रालय में हुई बैठक में देशभर के 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। यह भी देखा जा रहा है कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित इलेक्ट्रॉनिक विफलता के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

जब तक इस्लाम है ...

नहीं मिलेगी। तस्लीमा नसरीन ने कहा, जब तक इस्लाम जीवित रहेगा, फूल मुरझाते रहेंगे, बच्चे मरते रहेंगे, लाखों मरे हुए कबूतर की तरह गिरते रहेंगे। इस्लाम की कोख से नफरत पैदा होती रहेगी, बदसूरत राक्षस पैदा होते रहेंगे। दिल्ली साहित्य महोत्सव में अपने विचार रखते हुए तस्लीमा नसरीन ने कहा कि इस्लाम पिछले 1400 सालों में थोड़ा भी नहीं बदला इसलिए बच्चों को सिर्फ धार्मिक किताबें पढ़ाना बेहद खतरनाक है। तस्लीमा नसरीन ने भारत को अपना घर बताते हुए कहा कि जब वो यूरोप या अमेरिका में रहीं तो हमेशा पराई रहीं, लेकिन जब कोलकाता आईं तो लगा कि जैसे अपने घर लौटी हैं।इस्लामी कट्टरता, महिला अधिकार, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक इस्लाम जीवित रहेगा, कोई भी राज्य सभ्य नहीं बन पाएगा, कट्टरता हावी रहेगी। यूनिफॉर्म सिविल कोड का समर्थन करते हुए तस्लीमा नसरीन ने कहा कि भारत, बांग्लादेश जैसे देशों में सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। मदरसों की शिक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को संपूर्ण ज्ञान यहां नहीं मिल सकता।तस्लीमा नसरीन ने कहा कि 2016 के ढाका हमले में मुसलमानों को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वे कलमा नहीं पढ़ पाए थे। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में भी आतंकवादियों ने पर्यटकों को कलमा पढ़ने के लिए कहा। जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तो यही होता है।

पाकिस्तान की...

भारतीय वित्त मंत्री ने एडीबी के अध्यक्ष मासातो कांडा से भी भेंट की और उनसे कहा कि पाकिस्तान को कोई फंडिंग न दी जाए क्योंकि वह आतंकवाद का प्रायोजक है और पहलगाम हमले का दोषी है।22 अप्रैल के पहलगाम हमले को भारत ने बहुत गंभीरता से लेते हुए विश्व के अनेक देशों के साथ परामर्श किया है और उस आधार पर पाकिस्तान के संदर्भ में व्यवहार किया है। पाकिस्तान कितना भी मुकरे पर सच यही है कि उसने हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे कई आतंकवादियों के सरगनाओं को पाल रखा है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को राज्यनीति बना रखा है और कश्मीर में अस्थिरता फैलाए रखना ही उसका एकमात्र एजेंडा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंध सीमित कर दिए हैं। 1960 की सिंधु जल संधि को निरस्त करके उसने संकेत दिया है कि वह पाकिस्तान को घुटने पर लाने को प्रतिबद्ध है। भारत का अगला कदम फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) को इस बात के लिए राजी करना है कि पाकिस्तान को दोबारा ग्रे-लिस्ट में शामिल रखा जाए। सीतारमण इस मोर्चे पर पूरी तरह से जुटी हुई हैं। इटली और एडीबी से शुरुआत हुई है। इटली में 7 मई तक चलने वाली इस बैठक में इस संदर्भ में अनेक फैसले हो सकते हैं। निर्मला सीतारमण इस बैठक के कई महत्वपूर्ण सत्रों में भाग लेने वाली हैं। भारत सरकार हर वह प्रयास कर रही है जिससे पड़ोसी इस्लामी देश को सबक मिले कि आतंकवाद को शह देना उसके अस्तित्व के खात्मे का रास्ता है।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों ...

इसमें तमाम विभागों से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इससे यह पता लग सकेगा कि केवल पात्र लोग ही योजनाओं का लाभ लें। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट 2025-26 के भाषण में भी इसका जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार वेरिफिकेशन प्रकिया शुरू करेगी, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र दिल्लीवासियों तक पहुंच सके। इस डाटा से फ्री बिजली या मुफ्त राशन जैसी चीजें भी घुसपैठियों को नहीं मिलेंगी। अब इस पर काम शुरू कर दिया गया है।दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था इस बात को भी सुनिश्चित किया जाएगा कि दिल्ली से बाहर से आने वाले लोग या रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए इस योजनाओं का लाभ न ले सकें। अधिकारियों के अनुसार, यह डेटा हब सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ाने के लिए डिजिटल स्तर पर रिकॉर्ड एकत्र करना होगा। भाजपा सरकार जल्द ही दिल्ली यूनिफाइड सिटीजन डेटा प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए एक टेंडर भी जारी करने वाली है।

राहुल गांधी कहां ...

संसद में विदेश मंत्रालय से पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा गया था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 तथा नागरिकता अधिनियम, 1955 के सेक्शन 9 के प्रावधानों के मुताबिक भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है। वहीं अगर कोई व्यक्ति विदेशी नागरिकता हासिल कर लेता है, तो उसका भारतीय पासपोर्ट रखना या उसका इस्तेमाल करना भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत अपराध माना जाता है। एक बार जब कोई भारतीय विदेशी नागरिकता हासिल कर लेता है, तो उसे अपना भारतीय पासपोर्ट कैंसल कराने के लिए संबंधित भारतीय दूतावास को पासपोर्ट सौंपना होगा। यानि उस देश में स्थित भारतीय दूतावास में सौंपना होगा, जहां की नागरिकता वह हासिल करता है। इसके बाद भारतीय दूतावास इसे कैंसल कर देगा और कैंसिल पासपोर्ट सरेंडर सर्टिफिकेट के साथ वापस कर देगा।उत्तरी अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की तरफ से दोहरी नागरिकता की लगातार मांग को देखते हुए भारत सरकार ने अगस्त 2005 में नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन करके ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) स्कीम की शुरुआत की थी। लेकिन ओसीआई कार्ड हासिल करने वाला व्यक्ति भारत के राजनीतिक अधिकारों का फायदा नहीं उठा सकता। न वोट दे सकता है और चुनाव में प्रत्याशी बन सकता है। इस स्कीम के मुताबिक वह लोग ओसीआई स्कीम का फायदा उठा सकते हैं, जो 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक थे या 26 जनवरी 1950 को भारत के नागरिक बनने के पात्र थे। इस स्कीम का फायदा वे लोग नहीं ले सकते जो पाकिस्तान, बांग्लादेश या ऐसे देश के नागरिक हैं या रहे हैं। ओसीआई को दोहरी नागरिकता के रूप में कतई नहीं समझना चाहिए, क्योंकि ओसीआई धारकों को भारत राजनीतिक अधिकार नहीं देता है। साथ ही ऐसे नागरिक सरकारी नौकरी के मामले में अवसर की समानता के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 16 के तहत भारत के नागरिकों को दिए गए अधिकारों के हकदार भी नहीं होते हैं।

बुधवार को बुधादित्य राजयोग में बढ़ेगी इन राशियों की धन संपत्ति, कारोबार में होगा अप्रत्याशित लाभ

बुधवार 7 मई को गणेशजी के आशीर्वाद से बुधादित्य राजयोग में मिथुन और सिंह सहित अन्य राशियों की किस्मत चमकने वाली है। आपको कारोबार में अप्रत्याशित लाभ होने के साथ ही करियर में भी कोई बड़ा समाचार मिल सकता है। आप आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करेंगे। शाम का वक्त परिवार वालों के साथ सफलता का जश्न मनाने में बीतेगा।

मेष : कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं

मेष राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपको लाभ देंगी। बॉस या सीनियर आपके काम से संतुष्ट रहेंगे और आपकी छवि मजबूत होगी। व्यापार में नया निवेश लाभकारी रहेगा, खासकर अगर आप बिजनस को आगे बढ़ाने के लिए कोई निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको लाभ होगा। आर्थिक दृष्टि से आय के नए स्रोत बनेंगे, विशेषकर कोई ऑनलाइन प्रॉजेक्ट या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जुड़ा अवसर आएगा। युवा जातकों को नौकरी के लिए अच्छे ऑफर्स मिल सकते हैं। संपत्ति संबंधित विवाद का हल आसानी से मिल जाएगा।

वृषभ : कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है

वृषभ राशि के लोगों के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से दिन संतुलन बनाए रखने वाला है। कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। किसी वरिष्ठ से मिला सुझाव आपको वित्तीय नुक़सान से बचा सकता है।

व्यवसाय में किसी पुराने ग्राहक से फिर से संपर्क बन सकता है, जिससे अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरी में स्थानांतरण या नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है। आज फालतू खर्च और स्वास्थ्य दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मिथुन : बड़ा लाभ होने की संभावना

मिथुन राशि के लोगों को करियर के मामले में बड़ा लाभ होने की संभावना है। करियर में दीर्घकालिक सफलता से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप जिस प्रॉजेक्ट की शुरुआत कर रहे हैं, वह आपकी प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देगा। मीडिया, लेखन, शिक्षा या कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को विशेष अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक रूप से कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले फाइनेंशियल प्लानर से सलाह लें।

छात्रवर्ग के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। लॉन्ग टर्म सेविंग्स शुरू करने के लिए भी अच्छा वक्त है।

कर्क : किस्मत साथ दे रही है

कर्क राशि वालों की किस्मत साथ दे रही है। व्यापारियों के लिए भी दिन आय में वृद्धि का है और आपको पुराने क्लाइंट से बकाया पैसा मिल सकता है या नई डील फाइनल हो सकती है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, होस्पिटैलिटी और फैशन से जुड़े पेशेवरों को आर्थिक रूप से उन्नति मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को बोनस या इन्सेंटिव मिलने की संभावना है। प्रॉपर्टी में निवेश करने का विचार मन में आ सकता है, परन्तु संपत्ति के दस्तावेज अच्छी तरह जांचें। शाम के बाद आर्थिक खर्चों में वृद्धि होगी।

सिंह : कुछ अप्रत्याशित लाभ की संभावना

सिंह राशि के लोगों को लाभ होगा और आपको आपको करियर में एक नई दिशा मिलने वाली है। कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन कर सकते हैं या किसी बड़े निवेशक से आपकी डील पक्की हो सकती है। जॉब में बदलाव का विचार लाभकारी रहेगा। कोई भी इंटरव्यू या अपॉइंटमेंट के लिए शाम शुभ है। आर्थिक रूप से कुछ अप्रत्याशित लाभ की संभावना बन रही है, खासकर पूर्व में किए गए निवेश से। दिन टीम वर्क और नेटवर्किंग के लिए अत्यंत शुभ है। तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विशेष अवसर मिल सकते हैं।

कन्या : कार्यक्षमता बढ़ेगी

कन्या राशि के लोगों का दिन अनुकूल है और किसी लंबित सरकारी कार्य या लोन अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी होने से राहत मिलेगी। करियर में कोई नया मार्ग खुलेगा, विशेषकर वे लोग जो बैंकिंग,

कानून या अकाउंटिंग क्षेत्र से जुड़े हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ अच्छा तालमेल बनेगा, जिससे कार्यक्षमता बढ़ेगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले जातकों को पदोन्नति का समाचार मिल सकता है। धन की स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी और आपकी योजनाएं सफल होंगी। व्यापारियों को रिस्क लेने से पहले अनुभवी सलाह लेनी चाहिए।

तुला : आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा

तुला राशि के लोगों का दिन लाभ से भरा होगा। आप व्यापारिक और व्यावसायिक क्षेत्र में किसी विशेष रणनीति के ज़रिए लाभ कमा सकते हैं। ऐसे में कोई भी फैसला बड़े ध्यान से करें। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन कोर्स, फ्रीलांसिंग और कंसल्टेंसी से जुड़ना फायदेमंद रहेगा। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को सावधानी बरतनी चाहिए। नौकरी में किसी पुराने प्रॉजेक्ट की सफलता से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही त्रिकोणीय संबंधों से कार्यक्षेत्र में भ्रम की स्थिति बन सकती है, अतः निजी जीवन और प्रफेशन को अलग रखें।

वृश्चिक : बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए करियर में चुनौती और अवसर साथ-साथ आएंगे। बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है, लेकिन आप अपने काम की गुणवत्ता से सबका विश्वास जीत लेंगे। आर्थिक रूप से दिन मध्यम रहेगा। आपके आय व व्यय समान रह सकते हैं। जो जातक फ्रीलांस या सेल्फ-इम्प्लॉयड हैं उन्हें किसी पुराने ग्राहक से फिर से काम मिलने के योग हैं। व्यवसाय में नई रणनीति अपनाने की जरूरत है। विदेश व्यापार से जुड़ी योजना में आज ठोस प्रगति हो सकती है। आपका दिन सफलता से भरा होगा और आपको कारोबार में आपसी संबंधों का लाभ होगा।

धनु : दिन मिलाजुला रहेगा

धनु राशि के लोगों का दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरीपेशा लोगों को नुकसान की आशंका है। आपके ऊपर वर्कलोड काफी बढ़ सकता है, लेकिन साथ ही उच्चाधिकारियों की सराहना भी मिलेगी। व्यापार में साझेदारी करने की सोच रहे हैं तो दिन आरंभिक बातचीत के लिए अनुकूल है। किसी सामाजिक या व्यावसायिक मंच से जुड़ने से भविष्य में लाभ होगा। अनावश्यक व्यय से बचना होगा और आपको खर्च करते समय बजट का ध्यान रखने की सलाह है। ट्रेवल या टूरिज़्म से जुड़े लोग आज अच्छा लाभ कमा सकते हैं। निवेश की योजनाओं को परिवार से साझा करें।

मकर : भावनाओं में बहकर निर्णय न लें

मकर राशि के लोगों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें, विशेषकर आर्थिक विषयों में। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का समय चल रहा है और आपको ऑफिस में कोई नई भूमिका या नया विभाग मिल सकता है। अपने कौशल का सही उपयोग करके आप किसी बड़ी जिम्मेदारी को संभाल सकते हैं। किसी पुराने परिचित से व्यवसायिक मदद मिल सकती है। शेयर या रियल एस्टेट से जुड़े निर्णयों में जल्दबाज़ी न करें। स्वास्थ्य पर किया गया खर्च आवश्यक होगा, अनदेखी से हानि हो सकती है। सावधानी से हर काम काम करें।

कुंभ : करियर के लिए सकारात्मक संकेत

कुंभ राशि के लोगों का दिन शुभ है और करियर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो शिक्षा, लेखन, तकनीक या रिसर्च के क्षेत्र में हैं। अप्रत्याशित बदलावों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन वे भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। आर्थिक योजनाओं में बदलाव करें, पुराने बजट को पुनः मूल्यांकित करें। कुछ जातक अपने हुनर से अंशकालिक आमदनी शुरू कर सकते हैं। व्यापार में डिलीवरी, शिपिंग या डिजिटल पेमेंट से जुड़े मसलों को गंभीरता से लें।

मीन : दिन तरक्की से भरा होगा

मीन राशि के लोगों का दिन तरक्की से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा अधिक होगी, लेकिन आप अपनी रचनात्मकता और कार्यकुशलता से सबसे अलग दिखेंगे। प्रमोशन या बोनस से जुड़ी चर्चा आगे बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में परिवार से सहयोग की अपेक्षा न रखें, स्वयं ही योजनाएं बनानी होंगी। व्यापार में एक नया भागीदार या निवेशक मिलने के संकेत हैं। जो लोग शिक्षा, संगीत, आजा या परामर्श सेवाओं से जुड़े हैं, उन्हें आज प्रसिद्धि और लाभ दोनों मिल सकते हैं। आपको आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिल सकते हैं।

मेष राशि वालों को कब मिलेगा साढ़ेसाती से छुटकारा निम्न उपायों से पाएं शनिदेव की कृपा

न्याय के देवता शनिदेव ने मीन राशि में विराजमान हैं। मीन राशि में शनि के गोचर से मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण चल रहा है। जबकि, कुंभ राशि के जातक अंतिम चरण में हैं। आसान शब्दों में कहें तो कुंभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण चल रहा है।

ज्योतिषियों की मानें तो शनिदेव न्याय के देवता हैं। अच्छे कर्म करने वाले को शुभ फल देते हैं। इसके लिए अच्छे कर्म करने वाले जातकों पर साढ़ेसाती के दौरान शनिदेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक की करियर और कारोबार समेत सभी क्षेत्रों में सफलता मिलती है। लेकिन क्या आपको पता है कि मेष राशि के जातकों को कब साढ़ेसाती से छुटकारा मिलेगा?

शनि गोचर 2025

वर्तमान समय में शनि देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव अगले ढाई साल तक रहेंगे। इस दौरान शनिदेव नियमित अंतराल पर नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। वहीं, कई बार शनिदेव अपनी चाल भी बदलेंगे। आसान शब्दों में कहें तो मार्गी से वक्री और पुनः वक्री से मार्गी होंगे। इस प्रकार ढाई साल के बाद शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव 03 जून, 2027 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू होगा। मेष राशि में शनिदेव पुनः ढाई साल तक रहेंगे। इसके बाद 17 अप्रैल 2030 को शनिदेव वृषभ राशि में गोचर करेंगे। इस दिन से मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू होगा और 31 मई, 2032 पर मेष राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी।

शनिदेव को कैसे करें प्रसन्न?

मेष राशि के स्वामी मंगल देव हैं और आराध्य हनुमान जी हैं। हनुमान जी की पूजा करने से शनि की बाधा दूर होती है। इसके लिए मेष राशि के जातक मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा अवश्य करें। साथ ही पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा, शनिवार के दिन पूजा के बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करें। इन उपायों से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और महादशा में क्या अंतर है जानें कौन सबसे ज्यादा कष्टकारी?

शनि महाराज कर्मों के आधार पर फल देते हैं। शनि न्याय के देवता हैं और उनकी कृपा हो तो व्यक्ति को शुभ फल और सफलता मिलती है जबकि उनकी वक्र दृष्टि पड़े तो जातकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शनि साढ़ेसाती, ढैय्या और महादशा के जरिए व्यक्ति के जीवन पर असर डालते हैं।

शनि की साढ़ेसाती क्या है

मार्च में हुए शनि गोचर के बाद तीन राशियों पर साढ़ेसाती का असर हुआ। जिस राशि में साढ़े साती शुरू होती है वह साढ़े सात साल तक चलती है और उस अवधि में शनि ग्रह का उस राशि पर प्रभाव पड़ता है। साढ़े साती के तीन चरण होते हैं, शुरुआती, बीच का और अंत का। अभी जिन तीन राशियों पर साढ़ेसाती चल रही है उनमें मेष का पहला चरण चल रहा है, मीन का मध्य चरण है और कुंभ का अंतिम चरण है। शनि की साढ़ेसाती में मध्यम चरण सबसे ज्यादा सावधानी से चलने वाला होता है, इस समय शनि जातक की परीक्षा लेते हैं। साढ़ेसाती में शनि से जुड़े उपाय करने चाहिए और मेहनत में कोई कमी नहीं रखनी चाहिए। साथ ही अपना आचरण अच्छा रखना चाहिए।

शनि की ढैय्या क्या है

शनि की ढैय्या किसी राशि में ढाई साल तक रहती है। ढैय्या दो प्रकार की होती है जिस राशि के चतुर्थ भाव में ढैय्या लगती है उसे लघु कल्याणी ढैय्या कहते हैं और अष्टम भाव में लगने वाली ढैय्या कंटक शनि कहलाती है। अभी सिंह राशि के अष्टम ढैय्या और धनु की चतुर्थ ढैय्या चल रही है। जिस राशि में शनि की ढैय्या चलती है उनके लिए समय थोड़ा कठिन होता है। अष्टम भाव में चलने वाली ढैय्या में शनि अपना अधिक प्रभाव दिखाते हैं और उनके लिए समय थोड़ा अधिक कष्टकारी माना जाता है। ऐसे में जातकों को धैर्य रखने और मेहनत करने की जरूरत होती है। साथ ही शनि देव के उपाय करने से शनि की ढैय्या में राहत मिलती है।

शनि की महादशा क्या है

शनि की महादशा सबसे लंबी चलती है। ये करीब 19 साल की होती है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का असर राशि पर होता है लेकिन शनि की महादशा व्यक्ति की कुंडली में बन रही स्थिति के हिसाब से लगती है। इसमें व्यक्ति की कुंडली में यह देखा जाता है कि शनि किस ग्रह के साथ हैं, लग्न या कुंडली के किस भाव में बैठे हैं, उस व्यक्ति की राशि से शनि का कैसा संबंध है और वह किस राशि में हैं, कुंडली के किन भावों पर शनि की दृष्टि पड़ रही है, इससे आधार पर तय होता है कि शनि की महादशा में व्यक्ति पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। चूंकि महादशा काफी लंबी होती है ऐसे में समय-समय पर ग्रहों की स्थिति बदलती रहती है, ऐसे में अलग-अलग समय पर व्यक्ति के जीवन पर अलग-अलग शुभ और अशुभ प्रभाव पड़ता है। वहीं शनि की महादशा के अंदर ही कुछ महीनों से लेकर कुछ वर्षों की अन्य ग्रहों की अंतर्दशा चलती है और अंतर्दशा के अंदर कुछ हफ्तों से कुछ महीनों की प्रत्यंतर दशा चलती है। प्रत्यंतर दशा में शनि की सबसे छोटी दशा होती है, जिसमें पड़ने वाले प्रभावों से पता लगाया जा सकता है कि शनि कितने लाभकारी और कष्टकारी रहेंगे।

शनि देव के उपाय

शिवजी, हनुमान जी और शनि देव की पूजा करें। इनसे जुड़े मंत्र, स्तोत्र चालीसा आदि का पाठ करें।

शनि देव के सामने लाल बाती से सरसों के तेल का दीया जलाएं। शनि देव को काले तिल, शमी के पत्ते, काली उड़द की दाल आदि चढ़ाएं।

पीपल के पेड़ की जड़ में जल दें और सरसों के तेल का दीया जलाएं।

जरूरतमंदों को जूते, काले चने, सरसों का तेल आदि का दान करें।

रोगियों और बुजुर्गों की सेवा करें। सद्आचरण अपनाएं।

आज गजकेसरी योग से तुला सहित अन्य राशियों की बढ़ेगी कमाई, कई स्रोतों से होगा धन लाभ

आज बुधवार है और तिथि है वैशाख शुक्ल नवमी। आज का दिन बुध ग्रह के प्रभाव में रहने वाला है। और गणेश जी को समर्पित होगा। इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा सिंह उपरांत कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही आज मेष राशि में बुध और सूर्य की युति बनने जा रही है जिससे बुधादित्य योग बनेगा। आज गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से चतुर्थ दशम भाव में गजकेसरी योग बनाएंगे। साथ ही साथ आज शुक्र अपनी उच्च राशि में अत्यंत शुभ मालव्य राजयोग बना रहे हैं। आज के दिन पूर्वाफाल्गुनी उपरांत उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और रवि योग का भी सुंदर संयोग बन रहा है। जिससे मेष, सिंह, तुला, वृश्चिक और मकर राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलेगा। इसके साथ ही इन राशियों की आय में भी इजाफा होगा।

मेष राशि – मेष राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन लाभ कमाने के नए मौके लेकर आएगा। आज मेष राशि के लग्न भाव में सूर्य और बुध की युति होगी जिससे आपको सत्ता से लाभ मिलने के आसार हैं। सरकारी कार्यों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। आपके अटके काम पूरे होंगे। आज साहसिक फैसले आपको आगे लेकर जाएंगे। साथ ही भविष्य में फायदा कमाने के अतिरिक्त अवसर भी दे सकते हैं। कारोबार के लिहाज से आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। आपके मान सम्मान में भी इजाफा होगा। आज अकाउंटिंग, बिजनेस मैनेजमेंट आदि से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। साथ ही परिवार में भी आज अच्छा माहौल रहेगा। जीवनसाथी की मदद से आपकी परेशानियां दूर होंगी। मन खुश रहेगा।

उपाय : आज गणेश भगवान को दूर्वा चढ़ाएं। साथ ही श्री गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज सिंह राशि के स्वामी सूर्य भाग्य भाव में बुध के साथ रहेंगे, जिससे आज का दिन आपको आर्ज लाभ देकर जाने वाला है। आज आपको कम मेहनत में अधिक फायदा हो सकता है। किस्मत आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेगी। फैमिली बिजनेस से जुड़े जातकों को आज अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों के मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आपका प्रभाव बढ़ेगा। परिवार में पिता का सहयोग मिलेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के आसार हैं। विवाह योग्य जातकों के लिए आज शादी का रिश्ता आ सकता है। परिवार के साथ तीर्थ यात्रापर जाने का योग बन रहा है।

उपाय : आज शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के साथ-साथ मूंग की दाल चढ़ाएं। साथ ही ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का पाठ करें।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन धन लाभ देकर जाएगा। आज तुला राशि से चंद्रमा 11वें स्थान पर होंगे। इससे तुला राशि वालों की आय में इजाफा हो सकता है। आज आपको धन प्राप्ति के आर्ज अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही आज तुला राशि से सप्तम भाव में सूर्य और बुध की युति होगी। इससे आज आपको व्यापार में फायदा होगा। इसके साथ ही कारोबार से जुड़े पुराने विवादों का निपटारा होगा। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिल सकता है इससे आप राहत महसूस करेंगे। आज आपको नौकरी में संपर्कों का लाभ मिलेगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में मस्तीभरा माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। शुभ परिणाम मिलने के आसार हैं।

उपाय : आज 108 बार ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें। इसके साथ ही हरी चूड़ियों का दान करें।

वृश्चिक राशि –आज बुधवार को वृश्चिक राशि के जातकों को गुरु ग्रह से सबसे अधिक शुभ फल की प्राप्ति होगी। आज गुरु सीधी दृष्टि वृश्चिक राशि पर पड़ रही है। इससे बुद्धि और ज्ञान के क्षेत्रों से जुड़े जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। आज मैनेजमेंट, टीचिंग, शोध, लेखन आदि के कार्यों से जुड़े जातक अतिरिक्त लाभ के अवसर हासिल कर सकते हैं। कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। इससे आप नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। दीर्घकालिक निवेश आपके लिए लाभदायक रहेगा। सोने और संपत्ति में भी निवेश कर सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य से मनमुटाव चल रहा था तो वह खत्म हो सकता है। विवाह योग्य जातकों की रिश्ते की बात आगे बढ़ सकती है। लव लाइफ में रोमांच बना रहेगा।

उपाय : आज पर्स में कांच की गोलियां रखें। और गणेश गायत्री मंत्र 'एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात्, महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात' का अधिक से अधिक जप करें।

मकर राशि –मकर राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन अच्छा रहने वाला है। आज सूर्य और बुध मकर राशि में सुख योग बना रहे हैं। चतुर्थ भाव में अच्छा संयोग है। ऐसे में आज अगर आप किन्हीं परेशानियों से लंबे समय से जूझ रहे थे तो आपको राहत मिल सकती है। आज सुख सुविधाओं के साधनों में इजाफा होने के आसार हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स या गैजेट्स आदि खरीद सकते हैं। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, तकनीक, गैजेट्स आदि के क्षेत्र से जुड़े जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी और कारोबार की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। रियल एस्टेट से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप दोनों बाहर घूमने जा सकते हैं। बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

उपाय : आज कच्चे दूध में दूर्वा मिलाकर गणेश जी का अभिषेक करें। इसके साथ ही गणपति भगवान को मोदक का भोग लगाएं।

हाउसफुल 5: लाल परी में जैकलीन का डांस देख नोरा फतेही से हो रही तुलना

हाउसफुल 5 से जैकलीन फर्नांडिस के नए डांस नंबर लाल परी को लेकर ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई है। जहां कई फैंस उनके डांस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, वहीं बाकियों ने उनकी तुलना नोरा फतेही के स्टाइल से की है, जिससे अब बॉलीवुड की कोरियोग्राफी पर भी सवाल उठ रहे हैं। वायरल डांस क्लिप ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। लोग बस दोनों के बारे में ही बातें कर रहे हैं।

जहां एक यूजर ने लिखा- जैकलीन फर्नांडिस ने यहां चरम सीमा छू ली। एक ने लिखा- जैकलीन इस गाने के लिए ओजी हैं। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने जैकलीन और नोरा के डांस स्टाइल में समानताएं बताईं। एक यूजर ने लिखा-जैकलीन से हमेशा अच्छी थीं लेकिन नोरा से ज्यादा नहीं।

लाल परी गाने पर बवाल

लाल परी गाना 3 मई को प्रीमियर हुआ और अभी नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। यो यो हनी सिंह और सिमर कौर के गाए गए इस गाने के बोल हनी सिंह और अल्फाज ने लिखे हैं। इस गाने में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सौंदर्या शर्मा, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा ने भी परफॉर्म किया है, जिसकी कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है। इसे यूट्यूब पर केवल एक दिन में 26,837,849 व्यूज मिल चुके हैं।

हाउसफुल 5 रिलीज डेट

तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बनी और साजिद नाडियाडवाला की बनाई हाउसफुल 5 फेमस हाउसफुल फ्रैंचाइज़ का पांचवां पार्ट है। इस कॉमेडी-ड्रामा में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फ़र्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फ़ाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ़, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फ़रदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कई कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

शहजाद बोले- दरियादिली के कारण डूब रहा सलमान खान का करियर ग्राफ!

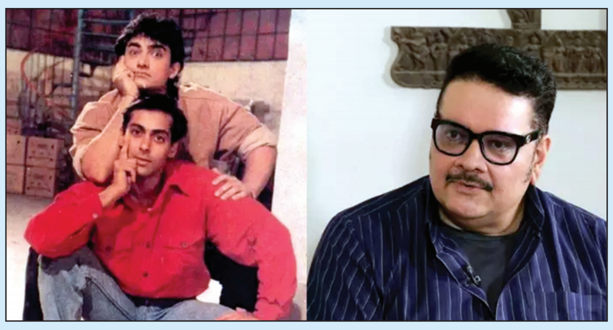

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान बॉक्स ऑफिस के सुल्तान हैं। एक ओर जहां 2010 के बाद से अब तक उनकी लगातार 18 फिल्में 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ क्लब का हिस्सा हैं, वहीं एक बड़ा सच यह भी है कि 100 करोड़ से अधिक का कारोबार करने के बावजूद उनकी हालिया रिलीज सिकंदर, या उससे पहले टाइगर 3, किसी का भाई किसी की जान और यहां तक कि 2019 में आई दबंग 3 भी वह कारनामा नहीं दिखा पाई, जिसकी उनसे उम्मीद रहती है। पर ऐसा हो क्यों रहा है? सलमान के साथ अंदाज अपना अपना और भारत जैसी फिल्मों में काम कर चुके शहजाद खान इसका दोष सलमान की अच्छाई और दरियादिली पर मढ़ते हैं। उनका कहना है कि सलमान खान की फिल्में उनकी दोस्ती के चक्कर में पिट रही हैं!

शहजाद खान ने कहा है कि सलमान की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इसलिए बंपर कमाई नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि वह अपने बेर-ोजगार दोस्तों को अपनी फिल्मों में जबरन काम दिलवाते हैं। इस कारण फिल्म की स्क्रिप्ट में बदलाव होने लगता है और फिल्में फ्लॉप हो जाती हैं। हालांकि, शहजाद यह भी मानते हैं कि फिल्में भले ही चले ना चलें, लेकिन सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते।

सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते

सलमान खान और शहजाद खान की अंदाज अपना अपना बीते 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से री-रिलीज हुई है। इंटरव्यू में शहजाद से जब पूछा गया कि क्या सलमान खान का जलवा अब खत्म हो चला है? तो इस पर एक्टर ने कहा, ये सब बकवास बातें हैं। ये अलग बात है कि उनकी फिल्में नहीं चल रही हैं, लेकिन सलमान खान कभी खत्म नहीं हो सकते।

एक्टर ने कहा- बॉलीवुड का टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा

शहजाद खान ने आगे कहा, जब तक ऊपरवाला सलमान को अपने पास बुला ना ले, वो चलते रहेंगे। उनका कोई रिप्लेसमेंट नहीं है। बॉलीवुड का टाइगर जिंदा है, और हमेशा रहेगा। उनकी फिल्में आएंगी और हमेशा सुपर-डुपर हिट रहेंगी। लोग उनके खिलाफ बोलकर यू-ट्यूब पर अपनी दुकान चला रहे हैं। हमें इन बातों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

शहजान बोले- वो ऐसे लोगों को साथ बिठाते हैं, जिनके पास काम नहीं

एक्टर ने सलमान की लगातार पिट रही फिल्मों का दोष उनकी दरियादिली पर मढ़ा। शहजाद ने कहा, उनकी फिल्म की जो भी स्क्रिप्ट गलत जा रही हैं, वह असल में इसलिए है कि वो ऐसे लोगों को साथ बिठाते हैं, जिनके पास कोई काम नहीं है। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन एक एक्टर जिन्हें उन्होंने सिकंदर से ब्रेक दिया, उसने कहा था कि भाई मेरे पास काम नहीं है, और सलमान ने कहा कि ठीक है सिकंदर करो। सलमान बिना मतलब के हर किसी की मदद करते हैं, बदले में वो वफादारी भी नहीं चाहते। वो यही मानते हैं कि देने वाला सिर्फ एक है, वो है ऊपरवाला।

सलमान ने बॉबी देओल से शरमन जोशी तक को दिया मौका

शहजाद खान ने जो भी कहा है, उनकी बातों में कहीं ना कहीं एक तर्क तो जरूर है। सलमान की बीते कुछ साल की फिल्मों पर गौर करें तो उन्होंने रेस 3 में बॉबी देओल को मौका दिया। इसी तरह उन्होंने किसी का भाई किसी की जान में राघव जुयाल, जस्सी गिल, भूमिका चावला, भाग्यश्री, शहनाज गिल और पलक तिवारी को मौका दिया। हालिया ईद रिलीज सिकंदर में भी उन्होंने शरमन जोशी को मौका दिया। बहरहाल, सलमान की इस दरियादिली का नतीजा ही है कि फैंस का उनका कनेक्शन आज भी दमदार है, तभी तो लाख बुराई के बाद भी सिकंदर ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 110.36 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 184.89 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है।दिलचस्प है कि बीते दिनों जब सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर धाराशाई हुई, तब भाईजान के फैंस ने भी सोशल मीडिया को कुछ इसी तरह की बात की थी। तब द पर फैंस ने सलमान से यही अपील की थी कि वह डूबते हुए सितारों को काम दिलाने की बजाय, अच्छी स्क्रिप्ट पर ध्यान दें और खुद पर फोकस करें। बताया जाता है कि बीते दिनों सलमान खान ने अपने कुछ चुनिंदा फैंस से मुलाकात भी की है और यह समझने की कोशिश की है कि आखिर कमी कहां रह जा रही है। बहरहाल, उम्मीद है कि सलमान जल्द ही अपनी नई फिल्म का ऐलान करेंगे और इस बार फैंस से मिली सीख का फायदा उठाएंगे।

बिपाशा बसु की गोवा डायरी, पति और बेटी संग की ढेर सारी मस्ती

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ गोवा में समय बिता रही हैं। शादी की सालगिरह सेलिब्रेट करने के लिए यह कपल गोवा टूर पर है। एक्ट्रेस लगातार यहां पर क्लिक की गई फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। बिपाशा ने एक बार फिर अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में बिपाशा अपने पति और बेटी संग मस्ती करती नजर आ रही हैं। पहली फोटो में तीनों स्विमिंग पूल में नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी फोटो को देख अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिपाशा कैमरे के लिए पोज दे रही हैं, लेकिन इस बीच उनकी बेटी देवी आ जाती है। अन्य फोटो में गोवा की खूबसूरती और खाने की टेस्टी डिशेज को देखा जा सकता है।

पोस्ट की आखिरी फोटो में बिपाशा का बेहद सुंदर फोटो है, जिसमें वह मुस्कुराती नजर आ रही हैं। मुस्कुराहट से पड़े उनके चेहरे पर डिंपल उनकी खूबसूरती को बढ़ा रहे हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। हाल ही में बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अपनी शादी की नौवीं सालगिरह मनाई। इस मौके पर एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पति के साथ कुछ रोमांटिक पलों को शेयर किया था।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत उनकी शादी की रस्मों से हुई, जिसमें दोनों ही दुल्हा-दुल्हन के जोड़े में नजर आए। सुर्ख लाल जोड़े में बिपाशा दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत दिखीं। इसके बाद उनके रिसेप्शन की क्लिप आती है, जिसमें करण गाते दिख रहे हैं और बिपाशा झूम रही हैं। इसके बाद वीडियो में प्यार-मोहब्बत और ढेर सारे अनमोल पलों को शामिल किया गया है। वीडियो के आखिर में उनकी बेटी देवी भी नजर आ रही हैं।

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार
रितिका सिंह की ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी देख सब हैरान!

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी 'फैट-टू-फिट' जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की।

रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं।

वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है।

रेड 2 की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश, बोलीं –
ये सब सपने के सच होने जैसा

2018 की हिट फिल्म रेड का सीक्वल रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है। वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म रेड 2 सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है।

अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।

वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं।उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

रेड टू की अभिनेत्री ने आगे कहा, अजय देवगन सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मैं एक कलाकार के तौर पर और बेहतर बन पाई हूं। फिल्म की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे मेहनत करने और लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

फिल्म रेड 2 में अजय देवगन और वाणी कपूर के अलावा अमित सियाल, रितेश देशमुख, यशपाल शर्मा, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया पाठक लीड रोल में हैं।

फूलमती बनीं नीना गुप्ता

बधाई हो, पंचायत जैसे मनोरंजन से भरपूर फिल्म और वेब सीरीज में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी कड़ी में नीना ने आइवरी कलर की साड़ी में लेटेस्ट तस्वीर शेयर की। खूबसूरत तस्वीर के साथ किसी चीज ने ध्यान खींचा तो वो है उनका खुद को दिया नाम! इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए नीना ने कैप्शन में लिखा, फूलमती। आइवरी कलर की साड़ी के साथ वह गोल्डन ज्वेलरी में बेहद प्यारी लगीं, जिसे देखकर उनके फॉलोअर्स तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके।

एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत। दूसरे ने तारीफ करते हुए लिखा, आप खूबसूरत के साथ स्टाइलिश भी हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। इससे पहले भी नीना अपने पति विवेक मेहता की बर्थडे पार्टी में यही साड़ी पहने दिखी थीं। काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो परिवार में अनदेखी का शिकार है। फिल्म की कहानी उसकी सफलता की ओर बढ़ने की यात्रा पर आधारित है, जहां वह एक सफल अचार व्यवसाय शुरू करती है। नीना के साथ इस फिल्म में कबीर बेदी, वत्सल शेठ, वंदना पाठक और मानसी राछ भी दिखाई दीं। आचारी बा 14 मार्च 2025 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।

वहीं, लोकप्रिय वेब सीरीज 'पंचायत' का चौथा सीजन भी जल्द ही आने वाला है। प्राइम वीडियो ने कॉमेडी-ड्रामा के बहुप्रतीक्षित सीजन 4 की हाल ही में घोषणा की है। इसमें नीना गुप्ता का मंजू देवी किरदार भी लोगों को काफी पसंद आया था। उन्होंने फुलेरा की पंचायत मुखिया की भूमिका निभाई, जो भले ही पति की बात का सम्मान रखती है लेकिन अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करना भी जानती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा–सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी–ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 10:22 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 06:17 तक
योग : व्याघात रात्रि 01:03 तक
करण : गर प्रातः 10:22 तक
चन्द्र राशि : सिंह रात्रि 12:58 तक
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 11:22 से , टैगोर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी डबल इंजन सरकार राजस्थान में स्थापित कर रही विकास के नए कीर्तिमान : भजनलाल

केवड़िया/जयपुर, 06 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हमारी डबल इंजन सरकार विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है और वर्षों से लंबित कार्यों की राह प्रशस्त करने के साथ ही विकसित भारत–विकसित राजस्थांन के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शर्मा मंगलवार को गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गौरवशाली भारत का निर्माण कर रही है। प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद सुशासन से राजनीति की अवधारणा बदलकर राजनीतिक दलों और नेताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र देकर हमें जो मार्ग दिखाया है, वह भाजपा की कार्य संस्कृति का आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में पहले राष्ट्र हित फिर पार्टी हित और अंत में स्वहित आता है जबकि कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है। उसने अपनी संस्कृति और विचारों को भी छोड़ दिया है।

शर्मा ने कहा कि यह प्रशिक्षण स्थल वह स्थान है जहां लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की अखण्डता और एकता की अलख जगाई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नीति और रणनीति सिखाने के साथ ही नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश

को पानी और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कई कदम उठाए है। पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ करने के साथ ही सोम–कमला–अंबा परियोजना, जवाई परियोजना व देवास परियोजना के विकास का काम हाथ में लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए हमने केंद्रीय पीएसयू के साथ 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू कर उन्हें धरातल पर उतारने का काम भी शुरू कर दिया है। राज्य में कुसुम के कम्पोनेन्ट–ए एवं कम्पोनेन्ट–सी के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 1000 मेगावाट से अधिक क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर लिए गए हैं। इस कारण हम लगभग 63 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली दे पा रहे हैं।प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान जो 37 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं, उनसे प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियों के साथ ही निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है। हमने प्रभावी कार्यवाही कर पेपरलीक के मामलों पर लगाम लगाई है।

सीकर जिले में डॉक्टर–अधिकारी बिना पूछे छुट्टी पर गए तो खैर नहीं!

सीकर, 06 मई (एजेंसियां)।

चिकित्सा विभाग के बड़े अफसर डॉ. एसएन धौलपुरिया मंगलवार को सीकर आए। उन्होंने अस्पतालों का हालचाल जानने के बाद जिले के बड़े डॉक्टरों और ब्लॉक के अफसरों की मीटिंग ली। इसमें उन्होंने योजनाओं और कामकाज की समीक्षा की और जरूरी बातें बताईं।उन्होंने साफ कहा कि कोई भी डॉक्टर, बीसीएमओ या जिले का बड़ा अफसर बिना पूछे छुट्टी पर नहीं जाएगा। अगर कोई गया तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। छुट्टी चाहिए तो पहले सीएमएचओ से कहकर डायरेक्टर (जन स्वास्थ्य) को लिखवाओ, फिर परमिशन मिलने पर ही छुट्टी लो। बहुत जरूरी हो तो फोन पर पूछ लो, लेकिन बड़े साहब से पूछे बिना कोई छुट्टी पर नहीं दिखे।डॉ. धौलपुरिया ने गर्मी में लू से बचाने के लिए सभी अस्पतालों में बिजली, पीने का पानी, कूलर, पंखे और दवाएं ठीक रखने को कहा।

प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों की मुख्य सचिव ने समीक्षा की

जयपुर, 06 मई (एजेंसियां)।

वर्तमान परिदृश्य में राज्य में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

सचिवालय में आयोजित बैठक में बुधवार, 7 मई को प्रस्तावित मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट हेतु संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि सभी संचार माध्यमों एवं सायरनो को तुरंत दुरुस्त किया जाकर संचार प्रणाली का सुदृढीकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गृह एवं आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा, जल संसाधन एवं पीएचईडी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व स्वायत्त शासन विभागों के प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभागों के शासन सचिव, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, पुलिस महानिदेशक राजस्थान, महानिदेशक इन्टेलिजेन्स, महानिदेशक गृह रक्षा, प्रबंध निदेशक, जयपुर, एयर फोर्स स्टेशन, महाप्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कमाण्डेंट छठी बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनसीसी निदेशक, जयपुर एयरपोर्ट निदेशक इत्यादि अधिकारीगण उपस्थित थे।

अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे : बागड़े

कोटपूतली–बहरोड़, 06 मई (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़े। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस नीमराना में कोटपूतली–बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

राज्यपाल ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ–साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है।

शहीद विनय नरवाल के घर पहुंचे राहुल गांधी, बोले

देश आपके साथ खड़ा है

करनाल।, 06 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार को सांत्वना देने करनाल पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सांसद दीपेंद्र हुड्डा और हरियाणा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा भी थे।राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए सेक्टर–7 स्थित शहीद के घर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा जांच के बाद ही किसी आम नागरिक को अंदर जाने दिया जा रहा था। हालांकि माहौल पूरी तरह गमगीन था, लेकिन हर चेहरे पर गर्व और सम्मान साफ झलक रहा था।

राहुल गांधी ने शहीद विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल को सांत्वना दी। राहुल ने परिवार से वादा किया कि: पूरा देश आपके दुख में शामिल है। इस बलिदान को भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने शहीद के परिवार को हरसंभव मदद का वादा भी किया। इस घटना ने हर भारतीय के दिल को झकझोर कर रख दिया, यह सिर्फ आतंकी हमला नहीं था। शहीद लेफ्टिनेंट विनय नरवाल अपनी पत्नी के साथ हनीमून मनाने पहलगाम गए थे। 22 अप्रैल को हुए भयानक आतंकी हमले में वे शहीद हो गए। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए। इस हमले ने न सिर्फ देश के वीर योद्धा को छीन लिया, बल्कि एक नवविवाहित जोड़े के सपनों को भी छीन लिया।राहुल गांधी के करनाल पहुंचने से पहले ही सांसद दीपेंद्र हुड्डा और युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा शहीद के घर पहुंचे।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का आरोप

पंजाब के सीएम भगवंत मान पानी पर राजनीति कर रहे

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)।

पंजाब और हरियाणा के बीच पानी विवाद को लेकर हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और मुख्यमंत्री भगवंत मान पानी पर राजनीति कर रहे हैं। मंगलवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पानी पर विवाद नहीं होना चाहिए। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार आतंकवादियों पर कार्रवाई करने के लिए तत्पर है। इसीलिए, हमें देश के अंदर पानी के लिए नहीं लड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, पानी पर झगड़ा तो होना ही नहीं चाहिए लेकिन, इसे मुद्दा बनाया जा रहा है क्योंकि पंजाब में आगामी विधानसभा के चुनाव हैं। भगवंत मान सरकार को डर है कि जिस तरह से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सत्ता से विदाई हुई, कहीं पंजाब में भी जनता उनकी विदाई न कर दें।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से पंजाब के मुख्यमंत्री इसे मुद्दा बना रहे हैं, मैं समझता हूं कि पंजाब से भी आम आदमी पार्टी सरकार की विदाई तय है। 10 साल से जिस तरह से पंजाब,

हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली को पानी मिल रहा था, वैसे ही पानी मिलना चाहिए। लेकिन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत ने नया मुद्दा खड़ा कर लिया है। जनता इस पूरे मामले को देख रही है।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भाखड़ा बांध से हरियाणा के हक का 8,500 क्यूसेक पानी बंद कर संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। हरियाणा को 12.55 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) आवंटन के बावजूद मात्र 10.67 एमएएफ मिलता है, जबकि पंजाब 14.67 एमएएफ के बजाय 17.15 एमएएफ ले रहा है। पानी रोकना अमानवीय है।

दूसरी ओर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मानवता के आधार पर हम पहले ही हरियाणा को 4000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दे रहे हैं। लेकिन उन्होंने इसका धन्यवाद करने की बजाय रातों–रात बीबीएमबी की बैठक बुलाकर चेयरमैन बदल दिया और 8500 क्यूसेक और पानी देने की मांग की।

हरियाणा सरकार यातायात की भीड़ को कम करने और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : सैनी

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एनसीआर क्षेत्र में आठ नमो भारत कॉरिडोर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, जिसके तहत तीन कॉरिडोर वर्तमान में चरण–ख में कार्यान्वयन के अधीन हैं। इनमें दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ (82 किमी), दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी (105 किमी) और दिल्ली–पानीपत–करनाल (136 किमी) मार्ग शामिल हैं। बैठक में हरियाणा के पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने यातायात की भीड़ को कम करने, क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने और हरियाणा के शहरी और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ाने में नमो भारत कॉरिडोर (आरआरटीएस) की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली–एसएनबी और दिल्ली–करनाल परियोजनाओं के लिए मंजूरी में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि उनका समय पर पूरा होना सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के एमडी श्री शलभ गोयल ने दो नमो भारत कॉरिडोर की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्टों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में बताया गया कि दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर ने 55 किलोमीटर सेक्शन पर सफल संचालन रहा है और लोगों की अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया आई है।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि नमो भारत कॉरिडोर का डिजाइन भविष्य के लिए तैयार होना चाहिए और सिस्टम की उपयोगिता बढ़ाने के लिए मेट्रो सिस्टम के साथ कुशल एकीकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी और दिल्ली–पानीपत–करनाल कॉरिडोर से संबंधित अलाइनमेंट , स्टेशनों और भूमि आवश्यकताओं की समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित गुरुग्राम–फरीदाबाद–नोएडा नमो भारत कॉरिडोर के अलाइनमेंट की भी समीक्षा की और अधिकारियों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एनसीआरटीसी को आवश्यक अनुमोदन और सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि नमो भारत ट्रेन लगभग 1 घंटे में 90 किमी की दूरी तय करते हुए हाई स्पीड कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है। यह गाजियाबाद और गुरुग्राम के बीच यात्रा के समय को सड़क मार्ग से 100 मिनट से घटाकर सिर्फ 37 मिनट कर देगा। यह हरियाणा से दिल्ली हवाई अड्डे तक तेज़ और सीधी पहुँच भी प्रदान करेगा।

आने वाले समय में पंजाब के लोग आपा का सूपड़ा साफ करेंगे : नायब सिंह

चंडीगढ़, 06 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति द्वारा पानी को लेकर विवादित टिप्पणी करना गलत है। इस प्रकार के बयान देकर वे लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। जबकि उन्हें तो पंजाब के लोगों के हित में काम करना चाहिए। लेकिन वे अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस प्रकार के बयान दे रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और पंजाब भाई–भाई हैं, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री लोगों में मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मान सरकार को किसानों के हित के लिए काम करना चाहिए। उन्हें किसानों को गारंटी देनी चाहिए कि वे उनकी फसल को एमएसपी पर खरीदेंगे। लेकिन ऐसा नहीं किया, बल्कि मान सरकार ने किसानों पर लाठी चलवाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार आम आदमी पार्टी का दिल्ली के लोगों ने सूपड़ा साफ किया है, उसी प्रकार आने वाले समय में पंजाब के लोग भी इस पार्टी का सूपड़ा साफ करने का काम करेंगे।

गड़बड़ करने वालों को मिलेगा सजा, बिहार में बीमारी को महामारी नहीं बनने देंगे: डिप्टी सीएम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में बीस सूत्री बैठक के लिए राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आम लोगों से जन संवाद किया और करीब एक घंटे तक लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। डिप्टी सीएम ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो जन संवाद गांवों और प्रखंडों में भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आम लोगों की समस्याओं को लेकर बहुत गंभीर है। सभी की बातें सुनी जा रही हैं और उनका समाधान भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिला कार्यक्रम समिति की बैठक में सभी सदस्यों के साथ बातचीत हुई है। मुख्यमंत्री की सभी विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए महिला संवाद और डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़ी योजनाओं के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई है और बताया गया है कि ये योजनाएं कैसे लागू की जा रही हैं। बिहार में भूमि विवादों को लेकर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे राज्य में जमीन की उपयोगिता बहुत ज्यादा है, इसलिए यहां विवाद भी अधिक होते हैं। उन्होंने बताया कि पहले जमीन का पूरा और सही सर्वे नहीं हुआ था, जिसकी वजह से आज आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अब बिहार सरकार इस समस्या के समाधान के लिए लगातार काम कर रही है। जमीन का नया सर्वे तेजी से कराया जा रहा है ताकि शांति के साथ, बिना किसी पारिवारिक झगड़े के विवादों को हल किया जा सके। सरकार इस दिशा में लगातार प्रगति कर रही है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार एक बीमारी है और सरकार इसे महामारी नहीं बनने देगी। उन्होंने बताया कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और निगरानी की टीमों के जरिए लगातार जांच और कार्रवाई की जा रही है। सैकड़ों भ्रष्ट और गड़बड़ी करने वाले लोगों पर अब तक सख्त कार्रवाई हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पारदर्शिता के साथ काम करें। सरकार सुशासन और विकास के संकल्प के साथ सभी के लिए काम कर रही है।

विपक्ष पर हमला करते हुए डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जो लोग बरसात में पानी में भीगकर ढोल बजाकर काम करते थे और जनता से सवाल करते थे, वही लोग अब नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनता के लिए काम करने वाली है, न कि नौटंकी करने वाली।

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारी सरकार का जन संवाद कार्यक्रम खुला दरबार है, जहां मंत्री और अधिकारी शालीनता और अनुशासन के साथ आम लोगों की समस्याएं सुनते हैं। यह काम हम मीडिया के सामने लाइव आकर प्रचार के लिए नहीं करते। हम झूठी सहानुभूति लूटने के लिए भी ऐसा नहीं करते।

उन्होंने यह भी कहा कि हम खुले तौर पर जनता की समस्याएं सुनने वाले लोग हैं, न कि दिखावा करने वाले। हम अपने घर, क्षेत्र, और ऑफिस में भी यही काम करते हैं। इसलिए आप लोगों को कोई शक नहीं रखना चाहिए कि हम जनता की समस्याएं बंद कमरे में नहीं सुनते।

गांव में शादी की खुशी मातम में बदली पल भर में छिन गई आठ जिंदगियां

सीएम ने जताया दु:ख

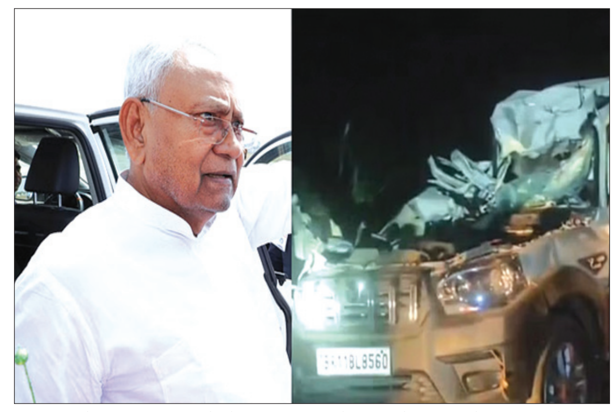

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार में मंगलवार की सुबह अमंगल के साथ शुरू हुई। घर में शादी की ख़ुशी एक मिनट में मातम में तब्दील हो गया। कटिहार में भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घटना कटिहार जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र के चांदपुर हनुमान मंदिर के पास की है। इस घटना में टुनटुन कुमार, ज्योतिष कुमार, प्रिंस कुमार, अजय कुमार, सिक्कू कुमार सहित तीन अन्य लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ढिबरा बाजार बड़हरा कोठी जिला पूर्णिया से स्कॉर्पियो पर 10 व्यक्ति सवार होकर बारात के लिए कुर्सेला के पास कोशकीपुर जा रहे थे। तभी चांदपुर पश्चिमी पंचायत के चांदपुर चौक के समीप सड़क पर खड़े मक्का लदे ट्रैक्टर और बिखरे मक्का के कारण स्कॉर्पियो अचानक अनियंत्रित हो गया और ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई। इस भयंकर टक्कर में आठ लोगों की घटनासथल पर ही मौत हो गई। इस घटना में दो लोग घायल हो गये।

घटना होते ही स्थानीय लोग दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे और आननफानन में सभी घायलों को समेली स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनकी गंभीर होने के कारण दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि का कहना है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश में जुट गये। फिर लोगों ने पुलिस को फोन किया और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुँच गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुये दो लोगों, जिनका इलाज पूर्णिया सदर अस्पताल में चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

निगरानी ने की बड़ी कार्रवाई

डीईओ ऑफिस के प्रधान लिपिक और कम्प्यूटर ऑपरेटर रंगे हाथ गिरफ्तार

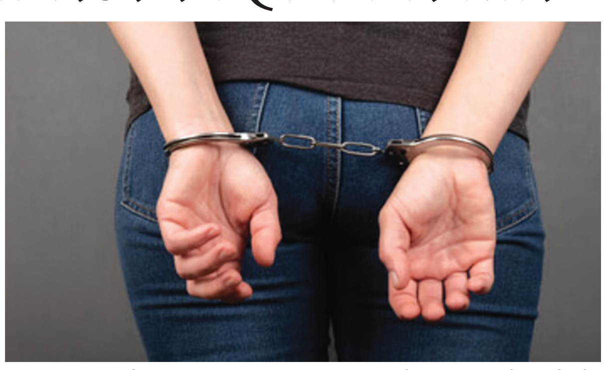

पटना (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में पदस्थापित प्रधान लिपिक और कम्प्यूटर ऑपरेटर को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई अरवल जिले से की गई है। आरोपियों में प्रधान लिपिक मनोज कुमार और कम्प्यूटर ऑपरेटर संतोष कुमार शर्मा हैं, जिन्हें पचास हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।

इस संबंध में टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि अरवल जिले के वाना मेहदिया निवासी स्व0 रामरूप सिंह के पुत्र परिवादी कृष्णनन्द सिंह ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में 21 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में पदस्थापित आरोपी प्रधान लिपिक मनोज कुमार और कम्प्यूटर ऑपरेटर संतोष कुमार ने सेवा निवृत होने के बाद होने वाले आर्थिक भुगतान करने के लिए रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत मिलने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने परिवादी की शिकायत का सत्यापन कराया गया एवं सत्यापन के क्रम में आरोपी मनोज कुमार और संतोष कुमार शर्मा के द्वारा रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण पाया गया। प्रथम दृष्ट्या आरोप सही पाये जाने के पश्चातब उपरोक्त कांड अंकित कर अनुसंधानकर्ता पवन कुमार-।।, पुलिस उपाधीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के नेतृत्व में एक धावादल का गठन किया गया, जिनके द्वारा कार्रवाई करते हुए अभियुक्त मनोज कुमार और संतोष कुमार शर्मा को पचास हजार रुपये रिश्वत लेते जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के निकट भवानी होटल से रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

बिहार में अपराधियों और भ्रष्टाचारियों की समानांतर सरकार चल रही: पूर्व मंत्री

गोपालगंज (एजेंसियां)। नीतीश सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार में अपराधियों और भ्रष्टाचारियों की समानांतर सरकार चल रही है। उक्त बातें पूर्व मंत्री जितेंद्र कुमार राय ने मंगलवार को राजद द्वारा बरौली विधानसभा अंतर्गत एक मैरेज हॉल में आयोजित सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में बिहार से लेकर केंद्र तक महंगाई और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इसलिए 2025 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को बहुमत देकर तेजस्वी प्रसाद यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष रेयाजुल हक राजू ने कहा कि बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर सामाजिक न्याय के मसीहा लालू प्रसाद यादव की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचा कर ही बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज बिहार के हालात बद से बदतर हो गए हैं, कोई ऐसा दिन नहीं जिस दिन बिहार में सामूहिक बलात्कार, हत्या, अपहरण और लूट की घटनाएं नही होती हैं। सरकार में बैठे लोग अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि बिहार की वर्तमान सरकार निरंकुश हो गई है, उसे अब बिहार के जनता की तनिक भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है, अपराधी पुलिस पर हमला कर रहे हैं और सरकार मौन है। उन्होंने तेजस्वी यादव के कम समय के कार्यकाल के उपलब्धि को बताते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार बनी तो माई बहन मान योजना के तहत पच्चीस सौ, गैस सिलिंडर पांच सौ रुपये व पेंशन पंद्रह सौ रुपये मिलेगा।

राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज़ अली भुट्टो ने कहा कि सामाजिक न्याय परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य पार्टी के बूथस्तर के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करना है, ताकि वो प्रत्येक गांवों में घर-घर जा कर सरकार की नाकामियों तथा तेजस्वी यादव के विजन को आम जनता तक पहुचाएं।

कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव संजय ठाकुर, शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुमर राय, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता भारती, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के सूरज कुमार दास तथा युवा प्रकोष्ठ के अमरेन्द्र कुमार ने अलग-अलग विषयों पर पार्टी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर राजद के प्रदेश महासचिव अब्दुल सत्तार मुन्ना, सुरेंद्र राम महान, जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार बारी, सुमन कुमार यादव, गुफरान रशीद मिंटू, संतोष राम, दिवाकर यादव, सुरेश प्रसाद यादव, अनिल यादव व संजीव सिंह आदि मौजूद रहे।

हमले से पहले करें मॉक ड्रिल डीएम और एसपी ने दिए निर्देश

पटना (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार सिविल डिफफेंस के अंतर्गत 244 जिले हैं जहां पर 7 मई को मॉक ड्रिल करना है। यह बिहार में पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया और बेगूसराय और पटना में भी किया जायेगा।

पटना के डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह और एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में 7:00 बजे से लेकर 10 मिनट तक यानी 7:10 तक ब्लैकआउट होगा। सभी लोग अपने-अपने घरों की सभी लाइट को बंद कर दें। मॉक ड्रिल के समय वॉर लाइट सिचुएशन से बचने की तैयारी की जाएगी। उस समय पटना की भी बिजली काट दी जाएगी। डीएम ने पटना के लोगों से अपील की है कि बिजली कटने के बाद रोशनी का उपयोग न करें। पटना में 80 जगह पर सायरन बजाया जाएगा। फायर ब्रिगेड और थानों की गाड़ियां सायरन बजायेंगी। 6:58 में शाम को सायरन बजाया जाएगा 2 मिनट बाद सभी लोग बत्ती बंद कर देंगे। जिला प्रशासन ने लोगों को अलर्ट करते हुए कहा है कि पैनिक नहीं हों, इससे डरने की जरूरत नहीं है। इस मौके पर पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार ने कहा कि युद्ध अभी नहीं छिड़ा नहीं है, बल्कि यह सिर्फ एक रिहर्सल है। उन्होंने कहाँ कि नागरिकों को जागरूक करने के लिए यह ड्रिल चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रमुख जगह पर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

देश मे आपातकाल की स्थिति को लेकर जारी मॉकड्रिल की एडवाजरी के बाद बेगूसराय में भी हलचल तेज हो गई है। बेगूसराय जिले में आपात परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां शुरू हो गई है। 7 मई को बेगूसराय और बरौनी शहर में 7 बजे शाम में ब्लैक आउट होगा। इससे कुछ मिनट पहले सायरन बजाया जाएगा। यह आपात परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा का अभ्यास है। जिला प्रशासन केंद्र सरकार के आदेश पर इसकी तैयारी में जुट गई है। बेगूसराय जिला बिहार का महत्वपूर्ण औद्योगिक जिला है, इस कारण यहां इस चीज की सख्त जरूरत है। आमजनों से जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने सहयोग करने की अपील है।

जिलाधिकारी ने कहा कि बेगूसराय जिला काफी महत्वपूर्ण है। यहां उद्योग हैं, महत्वपूर्ण जंक्शन हैं और आबादी वाले जगह हैं। जिस कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था काफी महत्वपूर्ण है। एम्बुलेंस, रिफाइनरी, एम्बुलेंस सहित अन्य सायरन को सही तरीके से लगाया जाएगा। जिससे एक साथ बेगूसराय और बरौनी शहर में इमरजेंसी सायरन बजाया जा सके। अब इसको लेकर तैयारियां और ब्लूप्रिंट बनाई जा रही है। अपील किया कि बिजली कट होने के बाद भी जिलेवासी लाइट न जलाएं। शहर में अंधेरा होना चाहिए। यह मॉकड्रिल इसीलिये किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा मीडिया से अपील किया कि जब मॉकड्रिल हो तो हमे सहयोग करें। इस दौरान पैनिक होने की बात नहीं है। करीब 20 मिनट तक इस स्थिति में प्रशासन का सहयोग करें। सरकार के ऐसे आदेश हैं। देश भर के जिलों को कई वर्गों में बांटा गया है। जिसमें बेगूसराय को 3 सरे ग्रुप में रखा गया है। हम उस हिसाब से तैयारी में जुटे हैं। जिलेवासियों से मॉकड्रिल के दौरान सहयोग देने और आश्चर्य न व्यक्त करने की अपील की। यह मॉक ड्रिल भारत सरकार के सिविल डिफफेंस गाइडलाइन के तहत की जा रही है। यह अभ्यास देश के 244 जिलों में किया जाएगा, जिसमें बिहार के पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, पटना और बेगूसराय जिलों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है। डीएम कुंदन कुमार ने कहा है कि यह केवल एक रिहर्सल है और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है. एसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि युद्ध छिड़ा नहीं है, यह सिर्फ एक रिहर्सल है।

सांसद संजय कुमार झा का बयान

तेजस्वी यादव को अपनी से ज्यादा हमारी पार्टी की है चिंता

गया (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव को अपनी पार्टी से ज्यादा हमारी पार्टी जदयू की चिंता सता रही है। तेजस्वी यादव अपनी पार्टी को देखें, जदयू की चिंता छोड़ दें। उक्त बातें मंगलवार को बोधगया के एक होटल में आयोजित जदयू के दो दिवसीय कार्यशाला के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा ने कही।

उन्होंने कहा कि गया के बोधगया में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के पहले दिन पूरे प्रदेश के मीडिया सेल के लोग हैं। उनका दो दिनों का ट्रेनिंग प्रोग्राम है, जो बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा काम किया गया। उसकी चर्चा पूरे बिहार में करना है। उन्होंने कहा कि बिहार और केंद्र में जो डबल इंजन की सरकार है। केंद्र सरकार द्वारा बिहार को जो बजट मिला और तीन साल में काम होना है। उसमें उद्योग लगाना है। यह सब बातों को लोगों के बीच जाकर रखना है।

तेजस्वी यादव के द्वारा मुख्यमंत्री हाईजैक वाले बयान पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि मुख्यमंत्री तो पूरे यात्रा पर निकले हैं और आगे भी निकलेंगे। तेजस्वी यादव को अब कोई जवाब नहीं मिल रहा है। तेजस्वी यादव को ज्यादा चिंता हमारी पार्टी की है। तेजस्वी यादव अपनी पार्टी को देखें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक सम्मानित नेता हैं, बिहार की बात करते हैं और तेजस्वी यादव अपनी पार्टी की बात नहीं करते हैं। वह हमारी पार्टी के बारे में बात करते हैं। उनको पता है, आगे रिजल्ट क्या होना है। उनकी जो पार्टी है, परिवार से बाहर है? उनकी पार्टी परिवार की पार्टी है। उनके पार्टी में परिवार के बाहर कुछ नहीं है। सिर्फ परिवार में ही है और यह सब बात बिहार की जनता जानती है। इसलिए 20 साल से राजद को क्या मिला। आगे भी राजद को सत्ता नहीं मिलेगी।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जदयू अलग नीति बनाए जाने के सवाल पर कहा कि ये नीति एनडीए की है। सब पार्टी के लोग अपना-अपना काम करते हैं। एनडीए जिस तरह लोकसभा चुनाव में लड़ी थी। ठीक उसी तरह एनडीए एक साथ बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि 2010 के चुनाव में जीतना सीट मिला था। उससे बेहतर 2025 में एनडीए सीट लेकर आएगी। वहीं, उन्होंने पहलगाम में आतंकी हमले के सवाल पर कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पूरा देश खड़ा है। वहीं, लोजपा रामविलास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी है, वह लड़ सकते हैं। हर राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं और ठीक उसी प्रकार वह भी लड़ेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com